Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories,
Safety Equipment, Power Tools,
Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda,
Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 01 मई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-121

दो ध्रुवों पर केंद्रित हो रही तेलंगाना की सियासत

केसीआर के दिन तो गए...

अनेक दिग्गज नेताओं ने छोड़ दिया केसीआर का साथ
केसीआर काल में सत्ता भोगने वाले ओवैसी ने भी छोड़ा

पोस्टरों से भी गायब के कविता, पिता भी कर रहे परहेज
बीआरएस से खिसके वोटर्स पटाने में लगी भाजपा-कांग्रेस

तेलंगाना राज्य के निर्माण के आंदोलन से खड़ी होकर 10 साल तक राज्य में सत्ता चलाने वाली तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) अब भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के लिए चुनावी मौसम सियासी लपटों से तप्त है। पांच महीने पहले नवंबर 2023 में सत्ता से बेदखल हुई बीआरएस ही तेलंगाना की 17 लोकसभा सीटों में से सबसे ज्यादा 9 सीटों पर काबिज है। सवाल है कि ये सीटें अब बचेंगी या नहीं। सवाल इसलिए भी गहरा है क्योंकि बीआरएस के चार मौजूदा सांसदों समेत कई विधायक और पूर्व विधायक पार्टी छोड़कर जा चुके हैं। बीआरएस के शासनकाल की तारीफ करते लोग तपाक से यह भी जोड़ते हैं कि उन्होंने पैसा खूब बनाया। यह वोट बैंक खिसकने का संकेत है। यह किसकी झोली भरेगा। कांग्रेस, भाजपा या फिर दोनों की। होड़ और खींचतान इसी बात को लेकर की है।

तेलंगाना में चुनाव कैसा चल रहा है। इसका रुझान मिलता है तेलंगाना के आम लोगों से बात करके। लोग कहते हैं, बीआरएस तो डूब ही गई। इसकी पुष्टि विधानसभा चुनाव के नतीजे भी करते हैं, जिसमें बीआरएस को सत्ता से बाहर होना पड़ा और 10 फीसदी वोट भी गंवाने पड़े। राज्य में कांग्रेस सशक्त होकर उभरी और सिर्फ दो फीसदी ज्यादा मत हासिल करके सत्ता छीनी और बीआरएस में भगदड़ भी मचा दी। 27 अप्रैल को 23 बरस की हुई बीआरएस के लिए लोकसभा का यह चुनाव उसके अस्तित्व से जुड़ा है। पार्टी का सबसे बड़ा चेहरा के चंद्रशेखर राव (केसीआर) ही हैं। वह 17 दिन, 17 लोकसभा सीट का संकल्प लेकर महबूबनगर से तूफानी चुनावी अभियान शुरू कर चुके हैं। महबूबनगर से 2009 में सांसद रहते हुए आंध्र प्रदेश से अलग तेलंगाना राज्य की मांग के लिए केसीआर ने आमरण अनशन शुरू किया था। केसीआर ने 11 दिन बाद ही केंद्र की यूपीए सरकार को झुकने के लिए विवश कर दिया था। केसीआर ने चुनावी बस यात्रा के पहले संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सबसे ज्यादा निशाने पर लिया। केंद्र की योजनाओं का मखौल उड़ाया। भाजपा का नारा भी बदला, सबका साथ-सबका विकास, सबका सत्यानाश। जबकि लोग कहते हैं कि केसीआर खुद ही अपना सत्यानाश करने पर तुले हैं।

केसीआर इसी तेवर से कांग्रेस की रेवंत रेड्डी सरकार को भी घेर रहे हैं। कहते हैं, किसानों की कर्जमाफी और महिलाओं को पेंशन सिर्फ शिगूफा है, जो कभी पूरा नहीं होगा। तेलंगाना में असल मुद्दा है भ्रष्टाचार। केसीआर के राज में पब्लिक सर्विस कमीशन के दो-दो बार पेपर लीक हुए और पान दुकान पर बिकते पाए गए। इससे युवाओं में काफी गुस्सा है। जागरूक युवा कहते हैं कि बीआरएस की दुर्गति का कारण केसीआर ही हैं। ▶8पर

शुभ-लाभ सियासी-विमर्श

तेलंगाना और महाराष्ट्र की चुनावी सभाओं में बोले पीएम मोदी

60 साल बनाम 10 साल का फर्क देश के सामने है

मैंने शरीर का कण-कण और समय का पल-पल देश सेवा में लगाया

उन्होंने देश का जन-धन और संसाधनों का कण-कण लूटा खसोटा है

मुंबई, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

तीसरे चरण के मतदान से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना के मेडक जिले और महाराष्ट्र के माढा में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, 60 साल बनाम 10 साल का फर्क देश के सामने है। मैं देश के लिए क्या किया, यह देश देख रहा है। मैंने अपने शरीर का कण-कण और समय का पल-पल देश सेवा में लगाया है। जबकि उन्होंने देश का जन-धन और संसाधनों का कण-कण अपने और अपने परिवार वालों के लिए लूटा खसोटा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा-एनडीए सरकार राज्यों को विकास की नई ऊंचाई पर ले जाने का काम कर रही है। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस के 60 वर्षों के कार्यकाल की तुलना अपने दस वर्षों के कार्यकाल से की। इसके अलावा महाराष्ट्र में सिंचाई परियोजना को लेकर भी उन्होंने कांग्रेस को घेरा। इस दौरान पीएम मोदी ने विकसित भारत बनाने में महिलाओं के योगदानों की भी सराहना की।

पीएम मोदी ने कहा, बीते 10 साल में आपने जब से मुझे काम दिया है, मैंने अपने शरीर का कण-कण और समय का पल-पल आपकी सेवा में लगाया है। आज देश के लोग, महाराष्ट्र के लोग, मोदी सरकार के 10 साल और कांग्रेस सरकार के 60 साल में अंतर देख रहे हैं। कांग्रेस 60 वर्षों में जो नहीं कर पाई, आपके इस सेवक ने 10 साल में करके दिखाया है। पीएम मोदी ने कहा, 2014 में सरकार बनने के बाद, मैंने पूरी शक्ति सिंचाई परियोजनाओं पर लगा दी। कांग्रेस की लटकाई 100 परियोजनाओं में से 63 हमने पूरी की हैं। हर खेत में, हर घर तक पानी पहुंचाना मेरे जीवन का बहुत बड़ा मिशन है। पीएम ने कहा, कांग्रेस को देश ने 60 साल तक राज करने का मौका दिया। ▶8पर

जनता के बीच उजागर करें कांग्रेस और इंडी के षडयंत्र

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण से पहले सभी भाजपा उम्मीदवारों के नाम एक पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने उम्मीदवारों से अनुरोध किया है कि वे कांग्रेस और इंडी गठबंधन की उन रणनीति को जनता के बीच उजागर करें, जिसमें वे एससी-एसटी और ओबीसी से आरक्षण छीन कर मुस्लिमों को दे रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपील की है कि वह कांग्रेस और इंडी गठबंधन की दमनकारी राजनीति के बारे में जनता को जाग्रत करें।

देश विरोधी हरकतों में कांग्रेस में कम्पिटिशन

अब देश के सामने वोट जेहाद का संकट

भाजपा को वोट देने वाले मुस्लिमों का हुक्का पानी बंद कर दो

कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद की भतीजी का वीडियो वायरल

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

लव जेहाद, मजार जेहाद, मदरसा जेहाद, अतिक्रमण जेहाद, धर्मांतरण जेहाद, आतंक जेहाद जैसे तमाम जेहादों में उलझे देश के सामने अब वोट जेहाद सामने आया है। इसमें भी कांग्रेस के नेता और रिश्तेदार कम्पिटिशन में उतर आए हैं। कांग्रेस ने यह ऐलान किया है कि मुस्लिम समुदाय का जो भी व्यक्ति भाजपा को वोट दे उसका मुस्लिम समाज में हुक्का पानी बंद कर दे। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद की भतीजी मारिया आलम खान का भी नाम इस रेस में शामिल हो गया है। मारिया आलम समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित कर रही थीं और इस दौरान उन्होंने वोट-जेहाद करने की बात कही है। उनका विवादित बयान सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है और उसकी तीखी निंदा की जा रही है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो क्लिप में मारिया आलम कहती है, बहुत अकलमंदी के साथ, बहुत जज्बाती ना होकर, खामोशी के साथ, एक साथ होकर वोटों का जेहाद करो। हम सिर्फ वोटों का जेहाद ही कर सकते हैं और संघी सरकार को भगाने का काम कर सकते हैं। मुझे बहुत शर्म आती है जब मैंने सुना कि कुछ मुस्लिमों ने भाजपा प्रत्याशी मुकेश राजपूत के साथ मीटिंग की। उनका समाज से हुक्का पानी बंद कर देना चाहिए। ▶8पर

नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन-ऑलआउट जारी

मुठभेड़ में 10 नक्सली ढेर घातक असलहे बरामद

नारायणपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में मंगलवार को पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में तीन महिला सहित दस नक्सली मारे गए। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने बताया कि नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ इलाके से जिला रिजर्व पुलिस बल तथा छत्तीसगढ़ आर्म्स फोर्स के जवानों की संयुक्त पार्टी कल रवाना हुई थी। उन्होंने बताया कि आज सुबह नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र के ग्राम टेकामेटा और काकुर के मध्य जंगल में पुलिस दल और माओवादी के बीच लगभग एक घंटे तक मुठभेड़ हुई।

उन्होंने बताया कि मुठभेड़ के बाद घटनास्थल पर सर्चिंग के दौरान अब तक तीन महिला माओवादी सहित दस माओवादी कैडर के शव बरामद किए गए हैं जिसकी शिनाख्त की जा रही है। उन्होंने बताया कि सर्च के दौरान पुलिस ने एक एके-47 सहित भारी मात्रा में हथियार एवं गोला बारूद और दैनिक उपयोगी सामान बरामद किया है। ▶8पर

केंद्रीय गृह मंत्री का फर्जी वीडियो जारी करने में कांग्रेसियों का हाथ

सात राज्यों तक फैली दिल्ली पुलिस की जांच

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के फर्जी वीडियो मामले में दिल्ली पुलिस की जांच सात राज्यों तक फैल चुकी है। पुलिस की टीमें सभी जगह नोटिस देने पहुंच रही हैं। गृह मंत्री अमित शाह की डॉक्टर्ड वीडियो को सर्कुलेट करने के मामले में दिल्ली पुलिस की आईएफएसओ यूनिट ने 7-8 राज्यो में 16 लोगों को सीआरपीसी 91, 160 के तहत पूछताछ में शामिल होने के लिए सम्मन दिया है।सीआरपीसी 160 के

तहत किसी केस की जांच के लिए पुलिस के पास अधिकार होता है कि वो किसी को जांच में शामिल होने के लिए नोटिस दे। सीआरपीसी 91 के तहत कोई दस्तावेज या गैजेट्स पेश करने के लिए कहा जाता है।

तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी समेत तेलंगाना कांग्रेस के छह लोग और इनके अलावा कुछ और राज्यो में भी कुछ लोगों को नोटिस देकर पूछताछ में शामिल होने के लिए एक मई को कहा गया है।

अब देखना है कि एक मई को कौन-कौन दिल्ली के द्वारका में आईएफएसओ यूनिट में आकर इन्वेस्टिगेशन ज्वाइन करता है। कौन अपना जवाब ईमेल के जरिए भेजता है। उसी के बाद जांच आगे बढ़ेगी। सभी को अपने साथ अपना मोबाइल, लैपटॉप लाने के लिए कहा गया है। ▶8पर

अमेठी जाने से डर रहे, इसीलिए नहीं लड़ रहे राहुल गांधी

प्रियंका गांधी रायबरेली से नहीं लड़ेंगी चुनाव!

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

कांग्रेस ने इंडी गठबंधन के तहत अपने कोटे की यूपी की सभी सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं, लेकिन अमेठी और रायबरेली को लेकर पार्टी अब तक किसी भी नतीजे पर नहीं पहुंच पाई है। चर्चा थी कि रायबरेली से प्रियंका गांधी वाड्रा और अमेठी से राहुल गांधी चुनाव लड़ सकते हैं। लेकिन अब करीब-करीब यह साफ हो गया है कि प्रियंका गांधी लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी। कांग्रेस पार्टी ने भी इसके संकेत दे दिए हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अमेठी से चुनाव लड़ने पर अभी भी कोई फैसला नहीं हो पाया है। राहुल गांधी अमेठी से चुनाव लड़ने से हिचक रहे हैं।

लोकसभा चुनाव के दौरान प्रियंका गांधी प्रचार तो करेंगी, लेकिन वह खुद लोकसभा चुनावों के लिए दावेदारी नहीं पेश करेंगी। राहुल गांधी के अमेठी से लड़ने को लेकर बुधवार तक पार्टी किसी फैसले तक पहुंच सकती है। दावे ये भी किए जा रहे थे कि सीटों पर प्रत्याशियों के नाम के ऐलान से पहले राहुल अयोध्या में राम मंदिर भी जा सकते हैं लेकिन फिलहाल अब ऐसे कोई संकेत नहीं मिल रहे हैं। ▶8पर

TIBCON CAPACITORS
It's all about
SAVING ENERGY
AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

भारतवर्ष की रीढ़ में नश्तर लगा रही कांग्रेस पार्टी

कांग्रेस नेताओं पर क्यों नहीं दर्ज होता राष्ट्रद्रोह का मुकदमा?

कांग्रेस नेताओं के भारत-विरोधी कृत्यों की लंबी है फेहरिस्त

राष्ट्रीय गौरव, 2047 का भारत, सुरक्षित भारत, विश्वस्तरीय राजमार्ग, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना आदि का जवाब राहुल गांधी लेकर आए हैं कि कांग्रेस पार्टी किसी और की सम्पत्ति छीनकर आपको बांट देगी। सवाल उठता है कि किसकी सम्पत्ति किसको बांटी जाएगी? वास्तव में राहुल गांधी देश की जनता को माओ-स्टालिन-पोलपोट छाप वामपंथी सपना बेचने की कोशिश कर रहे हैं, जिसमें कहा जाता है कि जो कोई भी तुमसे ऊपर है, तुम्हारा दुश्मन है, हम सत्ता में आएंगे तो उसकी सम्पत्ति तुम्हारी हो जाएगी। यानी गरीबी रेखा के उस तरफ खड़ा व्यक्ति, निम्न मध्यम वर्ग की दुकान, मकान का हिसाब करे। अब आम लोगों ने यह कहना और पूछना शुरू कर दिया है कि भारत में रहकर भारत की रीढ़ में नश्तर लगाने वाली कांग्रेस पार्टी के खिलाफ राष्ट्रद्रोह का मुकदमा क्यों नहीं चलता और भारत के लोग ऐसी पार्टी को क्यों बर्दाश्त कर रहे हैं? निम्न मध्यम वर्ग, मध्यम वर्ग की तरफ देखे। मध्यम वर्ग, उच्च मध्यम वर्ग से और उच्च मध्यम वर्ग धनाढ्य लोगों, कंपनियों और उद्योग जगत से

ईर्ष्या करे। यह है राहुल गांधी की मुहब्बत की दुकान। देश में अराजकता फैलाने पर आमादा, अपने कम्युनिस्ट उस्तादों की नकल करते-करते राहुल अब नक्सली भाषा बोल रहे हैं। इसलिए उन्हें न न्याय की चिंता रही, न संविधान की। आखिरकार राहुल, टैक्स आतंक और लाइसेंस माफिया की समाजवादी विरासत को संभालने वाले शहजादे हैं। उन्होंने देखा है कि तुष्टिकरण की तलवार कमर पर कसकर, गरीबी हटाओ की अफीम जनता को चटाते रहकर, खानदान की सत्ता को बनाए रखा जाता है।

अब कांग्रेस अपने ही बनाए जाल में बुरी तरह फंस चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक चुनावी रैली में कहा, कांग्रेस वोट बैंक के दलदल में इतनी बुरी तरह फंसी हुई है कि उसे बाबा साहब अंबेडकर के संविधान की भी परवाह नहीं है। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में लिखा है कि आपकी सम्पत्ति का सर्वे करेंगे। उनके नेता कह रहे हैं कि सम्पत्ति का एक्सरे किया जाएगा। एक अन्य सभा में प्रधानमंत्री ने कहा, पहले जब उनकी सरकार थी, तब उन्होंने कहा था कि देश की सम्पत्ति पर पहला अधिकार मुसलमानों का है। इसका मतलब, यह सम्पत्ति इकट्ठी करके किसको बांटेंगे? जिनके ज्यादा बच्चे हैं, उनको बांटेंगे। घुसपैठियों को बांटेंगे। क्या आपकी मेहनत की कमाई का पैसा घुसपैठियों को दिया जाएगा? ▶8पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 73,660/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 82,004/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 42^0

न्यूनतम : 29^0

विदेशी छात्रों को हफ्ते में 24 घंटे ही काम करने की अनुमति, कनाडा सरकार ने नियमों में किया बदलाव

ओटावा, 30 अप्रैल (एजेंसियां) । कनाडा की सरकार ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए एक नया नियम बनाया है। इस नियम के तहत अब अंतरराष्ट्रीय छात्र हफ्ते में केवल 24 घंटे तक ही कॉलेज कैंपस से बाहर काम कर सकते हैं। यह नियम सितंबर से लागू होने वाला है। पहले अंतरराष्ट्रीय छात्रों को 20 घंटे से अधिक समय तक कैंपस से बाहर काम करने की अनुमति थी।

आप्रवासन, शरणार्थी और नागरिकता मंत्री मार्क मिलर ने कहा, छात्रों को कैंपस से बाहर प्रति सप्ताह 20 घंटे से अधिक काम करने की अनुमति देने वाली अस्थायी नीति 30 अप्रैल को समाप्त हो जाएगी। इसे आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, हमारा उद्देश्य छात्रों द्वारा प्रति सप्ताह कैंपस से बाहर काम करने की संख्या को 24 घंटे में बदलने का है।

कोविड-19 महामारी के दौरान हटाई गई थी 20 घंटे की सीमा

प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की लिबरल पार्टी वाली सरकार ने देश में कोविड-19 महामारी के दौरान अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए काम के समय पर 20 घंटे की सीमा को अस्थाई रूप से हटा दिया गया था। हालांकि, यह छूट समाप्त हो रही है। बता दें कि कनाडा भारतीय छात्रों के लिए सबसे पसंदीदा स्थानों में से एक है। अंतरराष्ट्रीय शिक्षा के लिए कनाडाई ब्यूरो की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा में 3,19,130 भारतीय छात्र थे। यहां के कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में भारतीय छात्रों की संख्या सबसे अधिक है।

मिलर ने कहा, जो भी छात्र यहां आते हैं, उन्हें पढ़ाई के लिए यहां आना चाहिए। छात्रों को हफ्ते में 24 घंटे तक काम करने की अनुमति देने का मतलब है वे अपनी पढ़ाई में ध्यान केंद्रित करेंगे। कैंपस के बाहर काम करने से अंतरराष्ट्रीय छात्रों को कार्य अनुभव प्राप्त करने और खर्चों की भरपाई करने में मदद मिलती है।

ऑस्ट्रेलिया-अमेरिका में काम करने के घंटों की सीमा निर्धारित

प्रति सप्ताह 28 घंटे से अधिक काम करने वाले छात्रों की शैक्षणिक प्रदर्शन में काफी गिरावट देखी गई है। अधिकांश देश अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए उनके पढ़ाई के दौरान काम करने के घंटों की सीमा निर्धारित करते हैं। ऑस्ट्रेलिया ने हाल ही में अपनी नीति में बदलाव किया है। यहां प्रत्येक छात्र को दो हफ्तों में 48 घंटे काम करने की अनुमति दी गई है।

न्यूज ब्रीफ

इजराइली सेना की पांच यूनिट्स पर लगे मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप, अमेरिका ने बढ़ाया सीजफायर का दबाव

वॉशिंगटन । इजराइली सेना की पांच यूनिट्स पर मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप लगे हैं और ये आरोप अमेरिका ने लगाए हैं। अमेरिका के विदेश विभाग ने बताया कि इजराइली सेना की पांच यूनिट्स मानवाधिकार उल्लंघन की जिम्मेदार पाई गई हैं। मानवाधिकार उल्लंघन की ये घटनाएं 7 अक्तूबर को हुए हमले से पहले की हैं और मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाएं गाजा पट्टी के बाहर की बताई गई हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने दी जानकारी अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता वेदांत पटेल ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि इजराइली सेना की जिन पांच यूनिट्स पर मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप लगे हैं, उनमें से चार ने उल्लंघनों को प्रभावी ढंग से ठीक भी कर लिया है। पांचवीं यूनिट्स को लेकर अमेरिका की सरकार इजराइली सरकार से बात कर रही है। वेदांत पटेल ने कहा कि हालांकि इससे अमेरिकी हथियारों की बिक्री प्रभावित नहीं होगी। पटेल ने ये बताने से इनकार कर दिया कि मानवाधिकार उल्लंघन कैसे किया गया और इजराइली सेना की कौन-कौन सी यूनिट इसमें शामिल हैं। अमेरिका सैन्य मदद पर लगा सकता है रोक गाजा पर हमले के बाद इजराइली सेना का सैन्य आचरण जांच के दायरे में आ गया है। गाजा पर हमले में अभी तक 34,500 फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो चुकी है, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। इजराइल के हमले में गाजा पट्टी पूरी तरह से तबाह हो चुकी है और अब वहां अकाल आने की आशंका है। दरअसल अमेरिका में लीही लॉ लागू हैं, जिन्हें साल 1990 में तत्कालीन सीनेटर पैट्रिक लीही ने तैयार किया था। इन नियमों के तहत जो सेना मानवाधिकारों का उल्लंघन करती है, उन्हें अमेरिका सैन्य मदद नहीं दे सकता। अमेरिका ने बढ़ाया सीजफायर का दबाव इजराइल ने फलस्तीन के रफाह शहर पर एयरस्ट्राइक की, जिसमें 20 लोग मारे गए। इसके बाद अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजराइल पर सीजफायर का दबाव बनाया है। हालांकि इजराइल ने बिना बंधकों की रिहाई के सीजफायर करने से इनकार कर दिया है।

बाज नहीं आ रहे हूती, हिंद महासागर और लाल सागर में चार जहाजों को बनाया निशाना, दागीं मिसाइलें

दुबई । इजराइल-हमास संघर्ष के बीच फलस्तीन के समर्थन में यमन के हूतियों ने हिंद महासागर में एक कंटेनर जहाज को निशाना बनाया है। हूतियों ने बताया कि गाजा में इजराइल की सैन्य हमलों के खिलाफ हिंद महासागर में एमएमएससी ओरियन कंटेनर जहाज पर ड्रोन हमला किया गया है। एलएसजीई के अनुसार, पुर्तगाली झंडे वाला एमएससी ओरियन पुर्तगाल और ओमान के बंदरगाह के बीच नौकायान कर रहा था। इसका पंजीकृत मालिक जोडियक मैरीटाइम है। जोडियक का स्वामित्व आंशिक रूप से ईस्राइली व्यावसायी इयाल ओफर के पास है। कंपनी ने फिलहाल इसपर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। बाज नहीं आ रहे हूती, लाल सागर में जहाजों को बनाया निशाना ईरान गठबंधन हूती संगठन लाल सागर में नवंबर से लगातार ड्रोन हमले कर रहा है। इससे जहाजों को दक्षिणी अफ्रीका की तरफ मुड़ने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इजराइल-हमास युद्ध के बढ़ने की आशंका है, इससे मध्य-पूर्व एक बार फिर अस्थिर हो सकता है। इस साल मार्च में हूती संगठन के एक नेता ने कहा था कि वह इजराइल से जुड़े जहाजों को हिंद महासागर से केप ऑफ गुड्होप की तरफ जाने से रोक रहा है। जहाजों को रोकने के लिए वह हमले तेज कर रहा है। हूती संगठन ने साइक्लेड्स वाणिज्यिक जहाजों के साथ दो अमेरिकी विध्वंसक जहाजों को भी निशाना बनाया।

उत्तरी कैरोलिना में गोलीबारी, तीन पुलिस अधिकारियों की मौत, रैंक- डिप्टी एयर मार्शल और टास्क फोर्स

नॉर्थ कैरोलिना (अमेरिका) । अमेरिका के उत्तरी कैरोलिना में गोलीबारी में तीन पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई। मामले से परिचित एक सूत्र ने तीन अधिकारियों की शहादत की पुष्टि की है। हालांकि, पुलिस ने सार्वजनिक रूप से मौतों की पुष्टि नहीं की है। घटना गॉलवे ड्राइव स्थित एक आवास में घटी। अधिकारियों के अनुसार, उत्तरी कैरोलिना के चार्लोट में कई अधिकारियों को गोली मार दी गई। चार्लोट-मेकलेनबर्ग पुलिस ने घटना के बाद स्थानीय लोगों को भरोसा दिलाया कि इलाका पूरी तरह सुरक्षित है और लोगों को अब छिपने की जरूरत नहीं है। यूएस मार्शल्स फ़्यूजिटिव टास्क फोर्स एक्स पर एक पोस्ट में पुलिस ने कहा, एक संदिग्ध को मृत पाया गया। दो अन्य लोग भी घर में पाए गए ।

रफाह पर आईडीएफ के हवाई हमले में 22 की मौत

ब्लिंकन बोले- इजराइल का युद्धविराम प्रस्ताव उदार, फैसला ले हमास

गाज़ा, 30 अप्रैल (एजेंसियां) । एक तरफ मिस्त्र में इजराइल-हमास के बीच युद्धविराम को लेकर चर्चा चल रही है और इसी दौरान इस्त्राइली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने दक्षिणी गाजा के राफा शहर पर हवाई हमले कर दिए। इन हमलों में 6 महिलाओं व 5 बच्चों समेत 22 लोगों की मौत हो गई। इन हमलों को लेकर मिस्त्र समेत अरब देशों ने निंदा की है। उधर, हमास के साथ जारी वार्ता पर कई देशों के प्रतिनिधि मिले। राफा में इजराइली हवाई हमलों में कई लोग मलबे में दबे हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि हमले में कई घायल हुए हैं। इस बीच, 10 लाख से अधिक फलस्तीनियों ने मिस्त्र की सीमा पर शरण मांगी है।

हिजबुल्लाह आतंकी मार गिराया

इजराइली रक्षा बल ने कहा है कि उसने अयता अल-शाब क्षेत्र में सक्रिय एक हिजबुल्ला आतंकी को सैन्य भवन में प्रवेश करते हुए पाया और लड़ाकू विमानों से हमला कर उसे मार डाला। गहराते संकट के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन पश्चिम एशिया पहुंचे। उन्होंने यहां खाड़ी सहयोग परिषद के विदेश मंत्रियों से गाजा में मानवीय तबाही कम करने को युद्धविराम पर जोर दिया। उन्होंने इस्त्राइल से भी इस पर ध्यान देने का आग्रह किया।

रिपोर्ट के अनुसार, ब्लिंकन ने इजराइल की तरफ से पेश किए गए युद्धविराम के प्रस्ताव को असाधारण रूप से उदार करार दिया। उन्होंने सऊदी की राजधानी रियाद में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के अध्यक्ष बोर्गे ब्रेंडे से कहा, इस समय गाजा के लोगों और युद्धविराम के बीच एकमात्र कारण हमास है। हमास को जल्दी फैसला करना होगा। उम्मीद है वे सही फैसला लेंगे।

ब्लिंकन के अलावा रियाद में मौजूद मिस्त्र के विदेश मंत्री समेह शौकरी ने भी युद्धविराम पर गंभीरता से विचार की नसीहत दी। उन्होंने कहा, इजराइल और हमास दोनों प्रस्ताव स्वीकार करेंगे, इस बात की पूरी उम्मीद है। शौकरी ने रियाद में आयोजित डब्ल्यूईएफ के एक पैनल में कहा, मेज पर युद्धविराम का एक प्रस्ताव है, जिस पर दोनों पक्षों को विचार कर स्वीकार करना है। पेरिस में भी फलस्तीनियों के समर्थन में उतरे छात्र पेरिस में भी फलस्तीनियों के समर्थन में छात्रों के विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। यहां सोरबोन विश्वविद्यालय के पास दर्जनों छात्र एकत्र हुए और नारेबाजी की। लगभग 100 प्रदर्शनकारियों ने विश्वविद्यालय के पास विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। इस दौरान फलस्तीनी झंडे लहराए गए और फलस्तीनियों के समर्थन में भाषणबाजी की गई।

गाजा में मानवीय मदद बढ़ाए इज़राइल

पश्चिम एशिया के चिंताजनक हालात को देखते हुए अमेरिका में तनाव बढ़ रहा है। ब्लिंकन ने गाजा में युद्धविराम के साथ-साथ मानवीय सहायता पर जोर दिया है। दरअसल, इस्त्राइस और हमास के हिंसक के खिलाफ पूरे अमेरिका में विश्वविद्यालयों में छात्र आंदोलन में हजारों गिरफ्तारियां हुई हैं। अमेरिकी कॉलेज कैंपसों में हंगामे के चलते बड़ी मात्रा में पुलिस बल तैनात किया गया है। लॉस एंजिलिस व कैलिफोर्निया समेत एरिजोना, इंडियाना और सेंट लुईस तथा वाशिंगटन विवि से छात्र गिरफ्तार हुए।

इजराइली प्रतिक्रिया पर चर्चा करेगा हमास

हमास ने कहा कि समूह के उप गाजा प्रमुख खलील अल-हया के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल हमास द्वारा कतर और मिस्त्र के मध्यस्थों को सौंपे गए युद्धविराम प्रस्ताव के साथ-साथ इसाइल की प्रतिक्रिया पर चर्चा करेगा।

लंदन में भारतीय युवक ने की पत्नी की हत्या, कोर्ट ने सुनाई आजीवन कारावास की सजा

लंदन, 30 अप्रैल (एजेंसियां) । लंदन में एक भारतीय युवक को अपनी पत्नी की हत्या के जुर्म में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। जो कि कम से कम 15 साल होगी। युवती की मां ने कहा कि मेरी बेटी के साथ मुझे भी मार डाला है।

29 अक्तूबर 2023 को स्थानीय समयानुसार शाम 4:15 बजे साहिल शर्मा (24) ने इमरजेंसी नंबर डायल किया। पुलिस ऑपरेटर को उसने बताया कि उसने अपनी पत्नी महक शर्मा (19) की हत्या कर दी है। पुलिस मौके पहुंची वहां साहिल बैठा हुआ था और महक खून में लथपथ पड़ी हुई थी। मौके से साहिल को गिरफ्तार किया गया। साहिल शर्मा को घटनास्थल पर ही गिरफ्तार कर अस्पताल ले जाया गया क्योंकि उसके सिर में मामूली चोट लगी थी। वहीं मेडिकल टीम ने महक को बचाने की बहुत कोशिश की, लेकिन कुछ देर बार डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। महक के गले पर चाकू के वार के कई निशान थे।

31 अक्तूबर 2023 को आई पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में महक की मौत का कारण गर्दन पर चाकू से वार ही निकला। इसके बाद साहिल पर अपनी पत्नी को जान से मारने का मुकदमा चलाया। मामले की सुनवाई किंग्स्टन क्राउन कोर्ट में हुई। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने महक के परिवारजन को संवेदना देते हुए कहा कि साहिल ने उसको उसी घर में मार डाला, जहां उसे सबसे ज्यादा सुरक्षित होन चाहिए। उस व्यक्ति ने ही उसे मार डाला, जिस व्यक्ति को उसे प्यार करना चाहिए। यह घटना बहुत ही निंदनीय और दुखद है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस के स्पेशलिस्ट क्राइम कमांड के डिटेक्टिव इंस्पेक्टर (डीआई) लौरा सेम्पल ने कहा, अपनी पत्नी की हत्या करके, साहिल शर्मा ने एक परिवार की प्यारी बेटी को छीन लिया है। उन्होंने कहा, हालांकि मुझे पता है कि कोई भी चीज़ महक शर्मा को उनके पास वापस नहीं ला सकती है, मुझे उम्मीद है कि साहिल को सजा से मिलने के बाद महक के प्रियजनों को न्याय मिलेगा। महक की मां ने कहा कि वह अपनी बेटी की क्रूर हत्या के बाद टूटा हुआ महसूस कर रही हैं। उन्होंने कहा एक चीज़ जो मैं किसी भी चीज़ से ज्यादा चाहती हूं वो यही है कि महक वापस आ जाए। लेकिन यह असंभव है। कोई भी प्रार्थना, पैसा या समर्थन उसे मेरे पास वापस नहीं लाएगा। मैं टूट चुकी हूं। साहिल ने सिर्फ महक की हत्या नहीं की है, उसने मुझे भी मार डाला है।

कोर्ट में गवाह बोला, परिवार सहित टेस्ला को चट्टान से गिराने वाले भारतवंशी डॉक्टर को मानसिक बीमारी

कैलिफोर्निया, 30 अप्रैल । अमेरिका में पत्नी और दो नाबालिग बच्चों सहित टेस्ला कार को पहाड़ी से नीचे धक्का देने वाले भारतीय मूल के रेडियोलॉजिस्ट 43 वर्षीय धर्मेश पटेल की उस याचिका पर सुनवाई हुई, जिसमें उसने मानसिक इलाज कराने की गुहार लगाई थी। सुनवाई के दौरान दो डॉक्टरों ने पटेल के बचाव में गवाही दी। उन्होंने कहा कि, जिस समय घटना हुई, उस समय पटेल मानसिक बीमारी से ग्रस्त थे। अभियोजन पक्ष के अनुसार, कैलिफोर्निया के पासाडेना के धर्मेश पटेल पर पिछले साल जनवरी में हत्या के प्रयास के तीन आरोप लगाए गए थे। उन्होंने हाफ मून बे के पास हाईवे-1 स्थित डेविल्स स्लाइड पर टेस्ला कार सवार पत्नी नेहा, सात वर्षीय बेटी और चार वर्षीय बेटे को पहाड़ी से जानबूझकर नीचे गिरा दिया था। हालांकि कार सवार परिवार के सभी लोग बच गए थे। इस मामले में डॉक्टर पटेल ने उसे जेल भेजने की बजाय मानसिक इलाज कराने की मांग की थी। मनोवैज्ञानिक पैटरसन ने की

पटेल की 18 जांच रेडवुड सिटी की एक अदालत में डॉक्टर पटेल की याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान डॉक्टर मार्क पैटरसन और डॉक्टर जेम्स आर्मोंट्राउट ने उनके बचाव में गवाही दी। जिला अटॉर्नी स्टीफन वागस्टाफ के हवाले से कहा, डॉक्टरों ने गवाही दी कि रेडियोलॉजिस्ट को यकीन था कि उनके बच्चों का यौन शोषण हुआ है, जिसके चलते घटना के दौरान उन्हें मतिभ्रम हुआ था। मनोवैज्ञानिक पैटरसन ने पटेल की 18 जांच की। जिसके बाद उन्होंने अपने भाई-बहनों से बात की और पाया कि डॉक्टर पटेल को मानसिक इलाज की जरूरत है। अभियोजन पक्ष बोला- मामले को मोड़ने का प्रयास किया जा रहा वहीं, अभियोजन पक्ष ने विरोध करते हुए कहा कि मामले को मोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। अभियोजन पक्ष के डॉक्टरों ने पाया है कि पटेल किसी भी मानसिक अवसाद से ग्रस्त नहीं हैं। बल्कि एक अलग बीमारी से पीड़ित हैं, जिसे स्किजोफेक्टिव के रूप से जाना जाता है।

भारत इसे गंभीरता से ले रहा..., आतंकवादी पन्नूं की हत्या की साजिश की रिपोर्ट पर बोला व्हाइट हाउस

वॉशिंगटन , 30 अप्रैल । व्हाइट हाउस ने कहा कि सिख आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नूं की हत्या की साजिश के मामले में भारत आरोपों को गंभीरता से ले रहा है। हालांकि, उसने मामले की एफबीआई जांच और न्याय विभाग की ओर से दायर आपराधिक मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की।

अमेरिकी राष्ट्रपति के कार्यालय की प्रेस सचिव कैरिन जीन पियरे की यह टिप्पणी मीडिया की एक खोजी रिपोर्ट के बाद सामने आई है। इस खबर में दावा किया गया है कि भारत की खुफिया एजेंसी रॉ के अधिकारी विक्रम यादव अमेरिका में पन्नूं की हत्या की साजिश में शामिल थे और इस काम में तत्कालीन रॉ प्रमुख सामंत गोयल ने उन्हें मंजूरी दी थी।

पन्नूं खालिस्तान आंदोलन के मुख्य नेताओं में से एक है। वह भारत में सिख फॉर जस्टिस संगठन का कानूनी सलाहकार और प्रवक्ता है। जिसका मकसद एक अलग सिख राज्य के विचार को बढ़ावा देना है। भारत सरकार ने पन्नू को आतंकवादी घोषित किया हुआ है। वॉशिंगटन पोस्ट के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव पियरे ने कहा, मामले की जांच चल रही है और न्याय विभाग आपराधिक जांच कर रहा है। उन्होंने आगे कहा, भारत अमेरिका का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है और हम कई क्षेत्रों में अपने सहयोग का विस्तार करने के लिए एक महत्वकांक्षी एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं। पन्नूं की कथित हत्या की साजिश की रिपोर्ट पर पियरे ने कहा, हम वास्तव में इसके बारे में स्पष्ट रहे हैं। उन्होंने कहा, यह एक गंभीर मामला है और हम इसे बहुत गंभीरता से ले रहे हैं। भारत सरकार हमारे साथ बहुत स्पष्ट है कि वे इसे गंभीरता से ले रहे हैं और जांच करेंगे।

भारत महाशक्ति बनने की राह पर और हम भीख मांग रहे, पाक के हालात पर फूटा शीर्ष नेता का गुस्सा

इस्लामाबाद, 30 अप्रैल (एजेंसियां) । पाकिस्तान के शीर्ष नेता और जमीयत उलेमा ए इस्लाम (एफ) के अध्यक्ष मौलाना फजलुर रहमान ने भारत से पाकिस्तान की तुलना करते हुए कहा है कि भारत आज महाशक्ति बनने की राह पर है, जबकि हम दिवालियापन से बचने के लिए भीख मांग रहे हैं। मौलाना ने पूछा कि इस हालात के लिए कौन जिम्मेदार है पाकिस्तान में आम चुनाव के बाद नेशनल असेंबली के पहले सत्र को संबोधित करने के दौरान मौलाना फजलुर रहमान ने ये बात कही।

अदृश्य ताकतें ले रहीं फैसले - मौलाना ने कहा कि देश की दुर्दशा के लिए पर्दे के पीछे से फैसले लेने वाली अदृश्य ताकतें जिम्मेदार हैं, जिन्होंने जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों को कठपुतली बना दिया है। उन्होंने कहा कि यही ताकतें दीवारों के पीछे से हमें नियंत्रित करती हैं। वही फैसले करती हैं,

जबकि हम सिर्फ कठपुतलियां हैं। पाकिस्तानी संसद की वैधता पर सवाल उठाते हुए मौलाना फजलुर रहमान ने कहा कि संसद सदस्यों ने सिद्धांतों को त्याग दिया है और वे लोकतंत्र को बेचने में जुटे हैं। क्या संसद हकीकत में लोगों के जनादेश को प्रतिबिंबित करती है महलों में और नौकरशाहों द्वारा फैसला किया जाता है कि कौन प्रधानमंत्री होगा।

देश में ठहराव आ गया है - मौलाना फजलुर रहमान ने पूछा कि कब तक हम समझौता करते रहेंगे कब तक हम सांसद चुने जाने के लिए बाहरी ताकतों से मदद मांगते रहेंगे उन्होंने 2018 और 2024 दोनों चुनावों में चुनावी धांधली की निंदा की। रहमान ने स्वतंत्र रूप से कानून बनाने में कानून निर्माताओं की कथित शक्तिहीनता पर अफसोस जताया। उन्होंने सवाल किया, इस सदन में बैठते समय हमारी अंतरात्मा कैसे साफ हो सकती है, क्योंकि हारने वाले और जीतने वाले दोनों संतुष्ट नहीं हैं। मौलाना ने कहा कि, हमने अपने देश को ठहराव का शिकार बना दिया है, ऐसे देश प्रगति नहीं कर सकते।

इमरान खान का किया समर्थन - मौलाना फजलुर रहमान ने लोकतांत्रिक अधिकारों के महत्व की अहमियत बताते हुए पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को सार्वजनिक सभा आयोजित करने की अनुमति देने की वकालत की। पीटीआई ने 2 मई और 9 मई को कराची और पेशावर में मिलियन मार्च की योजना की घोषणा की। मौलाना ने कहा कि प्रदर्शनों में बाधा डालने के दुष्परिणाम हो सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में रहमान के हवाले से कहा गया कि, लोगों की बाढ़ को रोका नहीं जा सकता।

यूक्रेन की मदद के लिए ब्रिटेन-फ्रांस बना रहे नया गठबंधन, अमेरिका के कदम को लेकर है नाराजगी

लंदन । करीब 120 साल पहले ब्रिटेन और फ्रांस में एनटेंट कोर्डिएल समझौता हुआ था। जिससे दोनों देशों के संबंध मजबूत हुए थे। इसके बाद अब दोनों देश यूक्रेन की मदद के लिए एक और नया गठबंधन बनाने जा रहे हैं। ब्रिटेन के विदेश मंत्री और फ्रांसीसी विदेश मंत्री के बीच इस मुद्दे पर बातचीत हुई है। दरअसल अमेरिका द्वारा यूक्रेन को दी गई 60 अरब डॉलर की आर्थिक मदद दी गई है, लेकिन इस मदद में देरी हुई। जिसे लेकर दोनों देशों में नाराजगी है। साथ ही यूरोपीय देशों में भी यूक्रेन की मदद को लेकर अनिश्चिता और मतभेद उभर रहे हैं। यूक्रेन की मदद के लिए साथ आए दोनों देश ऐसे में ब्रिटेन और फ्रांस ने यूक्रेन की मदद के लिए नया गठबंधन बनाने की संभावनाएं तलाशना शुरू कर दिया है। फरवरी 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर हमले के बाद से दोनों देश यूक्रेन को लगातार मदद दे रहे हैं। इस मदद के तहत दोनों देशों ने यूक्रेन को हथियार, आर्थिक मदद, सैन्य प्रशिक्षण और कूटनीतिक समर्थन दिया है। ब्रिटेन ने साल 2014 में क्रीमिया पर रूसी हमले के बाद यूक्रेन के करीब 22 हजार सैनिकों को प्रशिक्षित किया और यूक्रेनी सेना की इंफैंट्री और मेडिकल यूनिट को नाटो के स्तर तक पहुंचने में मदद की। ब्रिटेन ने यूक्रेन को बख्तरबंद क्षमताओं को भी बेहतर किया और प्रशिक्षण पर साल 2022 और 2023 में ही 50 लाख डॉलर खर्च किए। अमेरिका को लेकर आशंकित हैं दोनों देश फ्रांस और ब्रिटेन यूरोपीय संघ खासकर जर्मनी पर दबाव बना रहे हैं ताकि यूक्रेन को रूस के खिलाफ युद्ध में सैन्य आपूर्ति जारी रहे। यूक्रेन को लड़ाकू विमान एफ-16 मिलें, इसके लिए भी ब्रिटेन प्रयास कर रहा है। दोनों देशों को आशंका है कि अगर अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की सत्ता में वापसी होती है तो अमेरिका, यूक्रेन को दी जा रही मदद रोक सकता है। वहीं जर्मनी भी ऊर्जा की बढ़ती दरों के दबाव में रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाने से बच रहा है। ऐसे में यूक्रेन और फ्रांस नया गठबंधन बनाने की योजना बना रहे हैं, जिसमें नाटो के कुछ सदस्य देश भी साथ आ सकते हैं।

मुंबई में हुई श्रद्धा वालकर जेहादी हत्याकांड की पुनरावृत्ति!

निजाम ने पूनम की हत्या कर सूटकेस में बंद कर फेंका

हत्या कर पूनम के शव को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटा

मुंबई, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। मानखुर्द के साठेनगर इलाके में रह-नेवाली मातंग समुदाय की युवती पूनम क्षीरसागर के शव को टुकड़ों में काटकर सूटकेस में डालकर एक सुनसान जगह पर रख दिया गया था। 18 अप्रैल को निजाम नाम के एक टैक्सी ड्राइवर ने उसका अपहरण कर लिया और कल्याण में उसकी हत्या कर दी। यह घटना दो दिन पहले सामने आई थी।

इस घटना के खिलाफ स्थानीय लोगों में आक्रोश है और उन्होंने इस संबंध में पालकमंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा से मुलाकात की। घटना की जानकारी मिलते ही पालकमंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने मानखुर्द जाकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की और उनकी सुरक्षा के लिए अहम निर्देश दिए। पूनम की दुर्भाग्यपूर्ण

मौत श्रद्धा वालकर मामले की पुनरावृत्ति है और बहुत दुखद घटना है।

पालकमंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने कहा, मातंग समुदाय की बहनों को धोखा दिया जा रहा है, हमारी बहनों की कट्टरपंथियों द्वारा बेरहमी से हत्या की जा रही है, यह बहुत दर्दनाक है। चेंबूर, अंधेरी के बाद हमारे शहर में यह तीसरी घटना है, इसलिए पुलिस इसे नजर अंदाज नहीं कर सकती है! पूरा हिंदू समुदाय एकजुट हो गया है। इन सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ो, आरोपियों के खिलाफ सरकार सख्त कार्रवाई करेगी। युवतियों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए मुंबई में अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या, बांग्लादेशियों का बंदोबस्त करना होगा!

महिलाओं की सुरक्षा के प्रभारी मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने मौके पर ही पुलिस और मुंबई नगर निगम के अधिकारियों को तीन अहम निर्देश दिए हैं। 1. बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं की बढ़ती घुसपैठ के कारण ऐसी घटनाएं बढ़ी हैं। मानखुर्द में सरकारी जमीन पर अनधिकृत निर्माण को गिराकर सरकारी जमीन खाली करें। 2. बांग्लादेशियों, रोहिंग्याओं के लिए विशेष तलाशी अभियान चलाएं। 3. जब तक आरोपी और साजिश में शामिल उसके साथी पकड़े नहीं जाते, ये लड़ाई जारी रहेगी।

माफिया शहाबुद्दीन की पत्नी ने सीवान से नामांकन दाखिल किया

सीवान, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व सांसद और माफिया शहाबुद्दीन की पत्नी हिना शहाब ने आज अपना निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल कर दिया है। हिना शहाब 10 से 12 लोगों के साथ चुपके से कलेक्ट्रट पहुंची, तब मीडिया को भी जानकारी नहीं दी गई थी कि आज हिना शहाब नामांकन करेंगी। अचानक कुछ लोगों ने फोन कर जानकारी दी कि हिना शहाब पर्चा दाखिल करने पहुंच चुकी हैं। जिसके बाद कलेक्ट्रट में भीड़ इकट्ठी होने लगी। सुबह ग्यारह बजे वह नामांकन करने गई और ठीक दो घंटे बाद नामंकन करके वापस लौट गई।

नाम दाखिल करने के बाद हिना मीडिया से मुखातिब हुई। इस दौरान उन्होंने कहा कि इतनी ज्यादा धूप थी, इसलिए मैं बहुत कम लोगों के साथ नामांकन करने आई हूं, ताकि मेरे इंतजार में और लोग इस चिलचिलाती धूप में ना खड़े हो। वहीं उन्होंने कहा कि मैंने सीवान को आगे ले जाने के लिए नामांकन किया है। सभी से आग्रह

है कि मुझे वोट देकर भारी मतों से जीताएं। हिना हमेशा राजद के टिकट से चुनाव लड़ती रही हैं। तीन बार चुनाव लड़ी और तीन बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

तब उन्होंने राजद पर ही अपनी हार की ठीकरा फोड़ दिया था और कहा कि इन लोगों ने मुझे चुनाव हरवया है। इतना ही नहीं शहाबुद्दीन के निधन में बाद बड़े नेताओं का नहीं आना राजद और हिना शहाब में धीरे-धीरे दूरियां बढ़ाने लगा। वैसे तो हिना शहाब बीच-बीच में कई बार बयान देती रही हैं। उन्होंने कहा कि सभी रंग हमारे हैं, सभी लोग हमारे हैं और राजद से टिकट मिलने के सवाल पर उन्होंने कहा था कि मैं निर्दलीय चुनाव लडूंगी यह वह फैसला था, जब मरहूम मोहम्मद शहाबुद्दीन ने राजद में रहते हुए अपनी जान तक दे दी, लेकिन कभी भी राजद से दूर नहीं रहे, लेकिन परिस्थिति ऐसी बनी कि शहाबुद्दीन की पत्नी हिना शहाब को राजद को बाय-बाय कहना पड़ा।

संदेशखाली के भाजपा प्रत्याशी को मिली एक्स कैटेगरी सुरक्षा

गृह मंत्रालय ने पांच अन्य प्रत्याशियों को भी दी सुरक्षा

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की बशीरहाट लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी संदेशखाली की पीड़िता रेखा पात्रा को गृह मंत्रालय ने एक्स कैटेगरी की सुरक्षा दी है। गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल के पांच अन्य नेत-ाओं को भी सुरक्षा दी है। इन नेताओं की सुरक्षा आईबी की रिपोर्ट के बाद बढ़ाई गई है। जिन नेताओं की सुरक्षा बढ़ाई गई है उनमें कुछ को वाई कैटेगरी की सुरक्षा भी दी गई है।

गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल के छह भाजपा उम्मीदवारों को एक्स और वाई कैटेगरी की सुरक्षा दी है। इन सभी की सुरक्षा में सीआईएसएफ के जवान तैनात किए जाएंगे। जिन लोगों को सुरक्षा दी गई है उनमें झारग्राम से भाजपा उम्मीदवार प्रनत टुडू को एक्स कैटेगरी की सुरक्षा, रायगंज से भाजपा उम्मीदवार कार्तिक

पॉल को वाई कैटेगरी की सुरक्षा, बहरामपुर से भाजपा उम्मीदवार निर्मल साहा को एक्स कैटेगरी की सुरक्षा, जयनगर से भाजपा प्रत्याशी अशोक कंडारी को एक्स कैटेगरी की सुरक्षा और मथुरापुर से भाजपा प्रत्याशी अशोक पुरकैत को एक्स कैटेगरी की सुरक्षा दी गई है।

पश्चिम बंगाल में गृह मंत्रालय की ओर से अब तक 100 से अधिक भाजपा नेताओं को सुरक्षा मुहैया कराई गई है। इन नेताओं पर खतरे की आशंका के चलते सुरक्षा दी गई है। संदेशखाली मामले के बाद जांच के लिए पहुंची केंद्रीय एजेंसियों को भी निशाना बनाया गया था। इसके बाद ईडी और सीबीआई टीम को भी सुरक्षा के साथ छापेमारी के लिए भेजा गया।

टीएमसी नेता शेख शाहजहां ने संदेशखाली की महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न किया था और स्थानीय लोगों की जमीन हड़प ली थी। इसे लेकर संदेशखाली की महिलाओं ने एक महीने तक प्रदर्शन किया था जिसके बाद शेख शाहजहां को गिरफ्तार कर लिया गया था। यह वही शाहजहां शेख है जिसने ईडी की टीम पर बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों से हमला कराया था। ईडी एवं सुरक्षा अधिकारियों की अत्यंत मुश्किल से जान बची थी।

लवली के इस्तीफे के बाद देवेंद्र यादव बने दिल्ली कांग्रेस के अंतरिम अध्यक्ष

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से अरविंदर सिंह लवली के इस्तीफे बाद पार्टी ने नए नाम पर मुहर लगा दी है। देवेंद्र यादव को दिल्ली कांग्रेस का अंतरिम अध्यक्ष बनाया गया है। प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व चांदनी चौक क्षेत्र से उम्मीदवार जयप्रकाश अग्रवाल ने सोमवार को इलाके के आम आदमी पार्टी व कांग्रेस के नेताओं व कार्यकर्ताओं के साथ संयुक्त बैठक की। इस मौके पर उन्होंने लवली के बयान की चर्चा किए बिना कहा कि आम आदमी पार्टी व कांग्रेस के बीच हुए समझौते में कोई दरार नहीं है।

उधर, उत्तर पूर्व दिल्ली क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार कन्हैया कुमार ने होर्डिंग्स व बैनरों, पोस्टरों व झंडों पर राहुल गांधी के फोटो के साथ आम आदमी पार्टी के संयोजक केजरीवाल का भी फोटो लगाया है। उन्होंने मतदाताओं को लुभाने के लिए आपा की

उपलब्धियों का भी बखान करना शुरू किया है। उन्होंने अपना प्रचार अभियान पूरी तरह इंडी गठबंधन को समर्पित कर दिया है।

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में सोमवार को सन्नाटा पसरा रहा। पार्टी कार्यालय में एक भी बड़ा नेता नहीं पहुंचा। इसके अलावा लोकसभा चुनाव को लेकर कार्यालय में कोई बैठक नहीं हुई। प्रदेश कार्यालय में सोमवार को केवल वॉर रूम में ही चहल-पहल दिखी। यहां सोशल मीडिया टीम के सदस्य चुनाव प्रचार करने की रणनीति के संबंध में चर्चा करते दिखे। इसके अलावा कार्यालय परिसर से लेकर तभी सभागारों व कक्षों में सन्नाटा छाया था।

अरविंदर सिंह लवली ने कांग्रेस आलाकमान को भेजे त्यागपत्र में 10 कारण गिनाए थे। इनमें उन्होंने सबसे अधिक प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया पर निशाना साधा था। उनके व्यवहार को ही उन्होंने त्यागपत्र देने का मुख्य कारण बताया था। उन्होंने बताया कि प्रदेश प्रभारी बाबरिया ने प्रदेश स्तर के साथ-साथ ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति की अनुमति नहीं दी। दिल्ली में 150 से ज्यादा ब्लॉकों में कोई अध्यक्ष नहीं है। प्रदेश इकाई आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन के खिलाफ थी। इसके बावजूद पार्टी ने आपा के साथ गठबंधन किया। गठबंधन के तहत सात सीटों में कांग्रेस को सिर्फ तीन सीटों चुनाव लड़ने के लिए आवंटित की गईं। तीनों सीटों पर प्रदेश के नेताओं को टिकट नहीं दिए गए। उत्तर-पश्चिम दिल्ली और उत्तर-पूर्व दिल्ली सीट पर पार्टी की नीतियों के लिए पूरी तरह से अजनबी नेताओं को टिकट दिए गए। उदित राज और कन्हैया कुमार को उम्मीदवार बनाने के संबंध में औपचारिक रूप से पहले प्रदेश इकाई को सूचित भी नहीं किया गया। उत्तर पश्चिम दिल्ली और उत्तर पूर्व दिल्ली के उम्मीदवारों के खिलाफ पार्टी कार्यकर्ताओं में आक्रोश है और उनके खिलाफ उन्होंने प्रदेश कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदेश प्रभारी ने पूर्व मंत्री राजकुमार चौहान, पूर्व विधायक सुरेंद्र कुमार और अन्य को निलंबित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा प्रभारी ने स्थिति को शांत करने की जगह सार्वजनिक बैठकों में भी पूर्व सांसद संदीप दीक्षित, राजकुमार चौहान, पूर्व विधायक भीष्म शर्मा व सुरेंद्र कुमार के साथ कई बार तीखी नोकझोंक की। उत्तर-पश्चिम दिल्ली के उम्मीदवार ने अपमानजनक और पार्टी विरोधी बयान देकर स्थिति को खराब किया। उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं का अपमान किया और उन्हें कई लिखित संदेश भेजे हैं, जिसमें विभिन्न स्थानीय नेत-ाओं को निलंबित करने के लिए कहा गया है। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के उम्मीदवार पार्टी लाइन और स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं की मान्यताओं का उल्लंघन कर रहे हैं।

यहां जीत हार के साथ इतिहास बनाने की भी जद्दोजहद है

बलरामपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। सियासत में चर्चाएं जीत और हार या फिर समीकरण की होती हैं, लेकिन देवीपाटन मंडल की सियासत में इतिहास बनाने की चर्चाएं जोर पकड़ रही हैं। यहां दलों ने ऐसा दांव चला है कि परिणाम चाहे जो हो, नया रिकॉर्ड बनना लगभग तय है। तीन संसदीय सीटों पर प्रमुख दलों के प्रत्याशियों की तस्वीर साफ हो चुकी है।

भले ही बसपा ने अभी एक ही संसदीय सीट बहराइच पर अपने पत्ते खोले हैं, लेकिन उसने दा-वेदारों को हरी झंडी दे दी है। मंडल में प्रत्याशियों के साथ ही पार्टियां भी इस बार संसदीय राजनीति में नई इबारत लिखने की ओर कदम बढ़ा रही हैं। एक संसदीय सीट तो दोहरा रिकॉर्ड गढ़ेगी।

गोंडा संसदीय सीट की बात करें तो भाजपा व सपा दोनों इस बार रिकॉर्ड बनाने की तैयारी किए हैं। भाजपा को जीत मिले तो पार्टी की हैट्रिक होगी, वहीं प्रत्याशी को जीत मिली तो वह अपने संसदीय चुनाव में पांचवीं बार सदन में पहुंचेंगे। यह भी यहां के लिए रिकॉर्ड होगा। पिता के रिकॉर्ड से

आगे बढ़ेंगे। इसी तरह सपा ने जीत दर्ज की तो वह भी रिकॉर्ड होगा।

एक तो 1996 के बाद महिला नेतृत्व और दूसरा प्रत्याशी पहली बार सियासी सफर शुरू करेंगी। बसपा जीती तो उसके लिए पहली बार जीत होगी। इसी तरह श्रावस्ती संसदीय सीट भी रिकॉर्ड ही बनाएगी। भाजपा को जीत मिली तो पहली बार प्रत्याशी को संसद पहुंचने का अवसर मिलेगा, यही नहीं पार्टी को सीट वापस मिलेगी।

सपा की जीत से प्रत्याशी को दूसरी बार अवसर मिलेगा, वहीं सपा का खोया रुतबा भी लौटेगा। इसी तरह बहराइच में तो तीनों दावेदार नए हैं, तीनों की जीत क्षेत्र के लिए एक नया रिकॉर्ड होगा। कैसरगंज में भले ही अभी प्रत्याशी तय नहीं हैं, लेकिन पार्टियां चुनाव तो लड़ेंगी ही।

यहां भी भाजपा जीतेगी तो हैट्रिक होगी। 2014 से यहां भाजपा का ही कब्जा है। इसके अलावा सपा या बसपा ने जीत दर्ज की तो नवगठित सीट में पहली बार खाता खुलेगा। फिलहाल परिणाम चाहे जो हो, चारों सीटों का रुतबा पूरे प्रदेश में बनेगा, यह तो पक्का ही है।

बसपा ने गोंडा व श्रावस्ती में प्रत्याशियों की घोषणा तो नहीं की है, लेकिन दबे पांव पैठ बनाने में जुटी है। बसपा नेता दद्दन खां श्रावस्ती में तो गोंडा में सौरभ मिश्र सियासी रंग में रमे दिख रहे हैं। सपा व भाजपा कैसरगंज को छोड़कर बहराइच, गोंडा व श्रावस्ती में प्रत्याशी उतार चुकी है। इससे तीनों सीटों में यह दोनों दल पूरे जोरशोर से जुट चुनावी रंग गाढ़ा कर रहे हैं। श्रावस्ती संसदीय क्षेत्र के गैसड़ी में विधानसभा का उप चुनाव भी है, जहां तीनों दल मुस्तैदी से जुटे हैं।

मंडल की चारों सीटों में कैसरगंज सबसे हॉट सीट में गिनी जा रही है। बिना प्रत्याशी तय हुए ही यहां विशेष निगरानी की जा रही है। यही कारण है कि एक एफआईआर और एक शिक्षक पर चुनाव को देखते हुए कार्रवाई की जा चुकी है। गोंडा में भाजपा व सपा के प्रत्याशियों पर एक-एक एफआईआर दर्ज है। गोंडा संसदीय क्षेत्र में भाजपा व सपा प्रत्याशी को लेकर चर्चा में हैं।

श्रावस्ती सूबे की सबसे महत्व-पूर्ण सीट मानी जा रही है। यहां भाजपा ने प्रधानमंत्री के करीबी अधिकारी के बेटे को मैदान में उतारा है, वहीं सपा ने बसपा से आए सांसद को टिकट देकर माहौल गरमा दिया है। बहराइच की सीट अपने रौ में ही चल रही है। सुरक्षित होने से कोई खास चर्चा नहीं है, लेकिन भाजपा व सपा की रणनीति के बीच बसपा ने संस्कृत के प्रोफेसर को उतार कर बड़ा दांव चल दिया है।

मंडल की चारों सीटों में तीन पर तो सियासी दांवपेच तेज है, लेकिन छह मई के बाद सियासत को और रफ्तार मिलेगी। बहराइच में नामांकन प्रक्रिया पूरी हो गई है, वहीं गोंडा व कैसरगंज में तीन मई को और श्रावस्ती में छह मई को नामांकन कार्य पूरा हो जाएगा। इससे माना जा रहा है कि तीन मई के पहले कैसरगंज में भी दलों के प्रत्याशी तय हो जाएंगे और नामांकन हो जाएगा। इस तरह छह मई के बाद मंडल में सियासत का अलग ही रंग दिखेगा।

2024-25 में 4000 करोड़ से होगा पशुधन का संरक्षण

लखनऊ, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। योगी सरकार उत्तर प्रदेश में गौवंश समेत पशुओं के संरक्षण, चिकित्सा और सेवा पर करीब 4 हजार करोड़ रुपए खर्च करेगी। पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन विभाग द्वारा इसको लेकर पूरा एनुअल प्लान बनाया गया है। इसमें गौवंश संरक्षण, पशु चिकित्सा शिक्षा के साथ ही पशु चिकित्सालय, पॉलीक्लिनिक एवं सेवा केंद्र समेत अन्य क्षेत्रों में किए जाने वाले खर्च का पूरा ब्यौरा दिया गया है। एनुअल प्लान में इसके लिए 3907.1 करोड़ रुपए का बजट प्रस्तावित किया गया है।

एनुअल प्लान के अनुसार, गौवंश संरक्षण पर कुल 1,140 करोड़ रुपए की धनराशि खर्च किए जाने की योजना है। इसके अंतर्गत 140 करोड़ रुपए से गौसंरक्षण केंद्रों की स्थापना की जाएगी, जबकि शेष एक हजार करोड़ रुपए से छुट्टा गौवंश के रखरखाव के लिए अनुदान दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त पशु चिकित्सा शिक्षा पर 179.74

करोड़ खर्च किए जाने की योजना है। इसके अंतर्गत गोरखपुर एवं भदोही में पशु चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना पर 100 करोड़ रुपए, मथुरा में पंडित दीनदयाल पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गौ अनुसंधान संस्थान में वेतन सहायता एवं अनुदान के लिए 61.74 करोड़ और गैर वेतन सहायता अनुदान के रूप में 18 करोड़ रुपए प्रदान किए जाएंगे। इसके अलावा, पशु चिकित्सालय, पॉलीक्लिनिक एवं सेवा केंद्र पर 470.30 करोड़ रुपए खर्च किए जाने की योजना है। इसमें पशु चिकित्सालयों की स्थापना पर 55 करोड़, पशु चिकित्सा पॉलीक्लिनिक की स्थापना पर 6 करोड़, पशु सेवा केंद्रों की स्थापना पर 4.5 करोड़, पशु चिकित्सालयों, सेवा केंद्रों, अनुसंधान एवं निदान सेवाएं (राजस्व मद) में 71 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। यही नहीं सचल पशु चिकित्सा सेवा पर 36.52 करोड़, राष्ट्रीय पशु स्वास्थ्य तथा रोग नियंत्रण कार्यक्रम पर 186.72 करोड़ रुपए और वैक्सीनेशन पर 22.50 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसके अलावा, कृत्रिम गर्भाधान व बांझपन निवारण के तहत कृत्रिम गर्भाधान, वीर्य उत्पादन एवं बांझपन निवारण पर 68.24 करोड़, लखनऊ में प्रस्तावित अति हिमीकृत वीर्य उत्पादन केंद्र पर 44.74 करोड़ रुपए, प्रस्तावित सैक्स सीमेन तकनीक अनुसंधान पर 8 करोड़ के खर्च का बजट प्रस्तावित है। इसके साथ ही पशुओं के बीमा पर 77.03 करोड़, कुक्कुट, बकरी व भेड़ संबंधी योजनाओं पर 58 करोड़ और प्रक्षेत्रों के सुदृढ़ीकरण पर 71.01 करोड़ खर्च किए जाएंगे। प्रशासन तथा निदेशन पर 1455.38 करोड़ खर्च का बजट प्रस्ताव रखा गया है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अचानक आए ख़र्चे आर्थिक बोझ बढ़ा सकते हैं। संबंधियों से मुलाक़ात उससे कहीं बेहतर रहेगी, जितनी आपको उम्मीद थी। आज प्रेम–संबंधों में अपने स्वतन्त्र विवेक का इस्तेमाल कीजिए। सेमिनार और गोष्ठियों में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। घर के कामों को पूरा करने के बाद इस राशि की गृहणियां आज के दिन फुर्सत में टीवी या मोबाइल पर कोई मूवी देख सकती हैं। घरेलू मोर्चे पर बढ़िया खाने और गहरी नीन्द का पूरा लुत्फ़ आप ले पाएंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

इच्छाशक्ति की कमी आपको भावनात्मक और मानसिक परेशानियों में फँसा सकती है। नया आर्थिक क़रार अंतिम रूप लेगा और धन आपकी तरफ़ आएगा। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल–मोल कर ही बोलें। अटके कामों के बावजूद रोमांस और बाहर घूमना–फिरना आपके दिलो–दिमाग़ पर छाया रहेगा। आप जो भी करेंगे, बिल्कुल बेहतर ढंग से करेंगे। आपका लाजवाब काम ख़ुद ही आपकी असली क़ीमत लोगों को बताएगा। आज घर में किसी पार्टी की वजह से आपका कीमती समय बर्बाद हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। अगर आप सामाजिक जलसों और कार्यक्रमों में भाग लेंगे, तो आप अपने संगी–साथियों की फ़ेहरिस्त में इज़ाफ़ा कर सकते हैं। आज के दिन अपने प्रिय से कोई तल्ख़ बात न कहें। कार्यक्षेत्र में आप ख़ुद को ख़ास महसूस करेंगे। दिक़्क़तों का तेज़ी से मुक़ाबला करने की आपकी क्षमता आपको ख़ास पहचान दिलाएगी। बिन बुलाए किसी मेहमान की वजह से आपकी योजनाएँ तो गड़बड़ा सकती हैं, लेकिन आपका दिन ख़ुशनुमा हो जाएगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आपका कोई पुराना मित्र आज कारोबार में मुनाफा कमाने के लिए आपको सलाह दे सकता है, अगर इस सलाह पर आप अमल करते हैं तो आपको धन लाभ जरूर होगा। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। अपने प्रिय से दूर होने के बावजूद आप उसकी मौजूदगी महसूस करेंगे। कार्यालय में सबकुछ आपके पक्ष में जाता नज़र आ रहा है। जीवनसंगी के साथ वक्त बिताने के लिए आज आप ऑफिस से जल्दी निकल सकते हैं लेकिन रास्ते में अत्यधिक जाम की वजह से आप ऐसा करने में समर्थ नहीं हो पाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

कुछ ज़रूरी योजनाएँ क्रियान्वित होंगी और ताज़ा आर्थिक मुनाफ़ा पहुँचाएंगी। दोस्तों की परेशानियों और तनाव के चलते आप अच्छा महसूस नहीं करेंगे। आज आपको निराशा हाथ लग सकती है, क्योंकि मुमकिन है कि आप अपने प्रिय के साथ सैर–सपाटे पर न जा पाएँ। इस राशि के जातकों को कार्यक्षेत्र में आवश्यकता से अधिक बोलने से बचना चाहिए नहीं तो आपकी छवि पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। इस राशि के कारोबारियों को किसी पुराने निवेश की वजह से आज घाटा होने की संभावना है। आपका प्रेमी आपको पर्याप्त समय नहीं देता यह शिकायत आज आप खुलकर उनके सामने कर सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अगर आप पर्याप्त आराम नहीं कर रहें है तो आप बहुत ज़्यादा थकान महसूस करेंगे और आपको अतिरिक्त आराम की ज़रूरत होगी। आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. उन लोगों के साथ कुछ समय बिताएं, जो आपको चाहते हैं और आपका ख़याल रखते हैं। कार्यक्षेत्र में आपका कोई प्रतिद्वंदी आज आपके खिलाफ साजिश कर सकता है, इसलिए आज आपको आंख कान खोलकर काम करने की जरुरत है। आज आपको ढेरों दिलचस्प निमंत्रण मिलेंगे– साथ ही आपको एक आकस्मिक उपहार भी मिल सकता है। यह समय जीवन में आपको वैवाहिक जीवन का भरपूर आनन्द देगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

भागमभाग भरे दिन के बावजूद आपकी सेहत पूरी तरह दुरुस्त रहेगी। बिना बताये आज कोई देनदार आपके अकाउंट में पैसे डाल सकता है जिसके बारे में जानकर आपको अचंभा भी होगा और खुशी भी। बच्चे आपके दिन को बहुत मुश्किल बना सकते हैं। याद रखें कि प्यार ही प्यार को पैदा करता है। संतोषजनक परिणाम पाने के लिए काम को योजनाबद्ध तरीक़े से करें, दफ़्तर की परेशानियों को हल करने में आपको मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आपका प्रेमी आपको पर्याप्त समय नहीं देता यह शिकायत आज आप खुलकर उनके सामने कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपकी व्यक्तिगत समस्याएँ मानसिक शांति को भंग कर सकती हैं। मानसिक दबाव से बचने के लिए कुछ रोचक और अच्छा पढ़ें। अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। सहकर्मियों और वरिष्ठों के पूरे सहयोग के चलते दफ़्तर में काम तेज़ रफ़्तार पकड़ लेगा। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई–बहनों के साथ घर पर कोई मूवी या मैच देख सकते हैं। ऐसा करके आप लोगों के बीच प्यार में इजाफा होगा। आज आपको और आपके जीवनसाथी को प्यार–मुहब्बत के लिए पर्याप्त समय मिल सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे– आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। घर में कुछ बदलाव आपको काफ़ी भावुक बना सकते हैं, लेकिन आप अपनी भावनाएँ उनके सामने ज़ाहिर करने में क़ामयाब रहेंगे जो आपके लिए ख़ास हैं। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। इस राशि के जातक आज लोगों से मिलने से ज्यादा अकेले में वक्त बिताना पसंद करेंगे। आज आपका खाली समय घर की सफाई में बीत सकता है। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सकारात्मक विचारों को ही दिमाग़ में आने दें। जो उधारी के लिए आपके पास आएँ, उन्हें नज़रअन्दाज़ करना ही बेहतर रहेगा। ऐसा लगता है कि पारिवारिक–मोर्चे पर आप ज़्यादा ख़ुश नहीं हैं और कुछ अड़चनों का सामना कर रहे हैं। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक–एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी। अपने जीवनसाथी की वजह से आपको मानसिक अशान्ति का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

शाम के समय थोड़ा आराम कीजिए। अगर आपको लगता है कि आपके पास पर्याप्त धन नहीं है तो आज घर के किसी बड़े से धन संचित करने की सलाह लें। ज़िन्दगी की हक़ीक़त का सामना करने के लिए आपको अपने प्रिय को कम–से–कम कुछ वक़्त के लिए भूलना पड़ेगा। दफ़्तर में आपके दुश्मन भी आज आपके दोस्त बन जाएंगे – आपके सिर्फ़ एक छोटे–से अच्छे काम की बदौलत। खाली वक्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जाएंगे। जीवनसाथी का बिगड़ता स्वास्थ्य आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपकी ऊर्जा का स्तर ऊँचा रहेगा। आपको अपने अटके कामों को पूरा करने में इसका इस्तेमाल करना चाहिए। कोई बड़ी योजनाओं और विचारों के ज़रिए आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली–भांति जाँच–पड़ताल कर लें। कुछ लोगों के लिए– परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। किसी नयी परियोजना पर काम करने से पहले अच्छी तरह सोच–विचार लें। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बिन बुलाए किसी मेहमान की वजह से आपकी योजनाएँ तो गड़बड़ा सकती हैं, लेकिन आपका दिन ख़ुशनुमा हो जाएगा।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 01 मई 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : वैशाख , कृष्ण पक्ष
तिथि : अष्टमी उत्तर रात्रि 04:03 तक
नक्षत्र : श्रवण रात्रि 03:11 तक
योग : शुभ रात्रि 08:00 तक
करण : बालव सायं 04:59 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 05:50 , सूर्यास्त 06:36 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:50 , सूर्यास्त 06:28 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:50 , सूर्यास्त 06:28 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:42 , सूर्यास्त 06:26 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : शीतला पूजा बूढ़ा बासोड़ा, कालाष्टमी , विश्व श्रम दिवस

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पेयजल किल्लत के चलते महिलाओं ने सड़क जाम कर किया प्रदर्शन

जोधपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। पानी की पर्याप्त सप्लाई नहीं होने से नाराज महिलाओं ने मंगलवार को रास्ता रोककर प्रदर्शन शुरू किया। इस दौरान वाहन चालकों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं राहगीरों से भी कुछ महिलाएं उलझ गईं। अब जोधपुर शहर में ग्रामीण इलाकों में गर्मियों के समय पेयजल किल्लत सामने आने लगी है। सांगरिया से सालावास जाने वाली मुख्य रोड को महिलाओं ने जाम कर दिया। महिलाओं का कहना है की गांव में पानी की सप्लाई सुचारु नहीं होने से परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं। उन्होंने बताया कि कई जगहों पर अवैध कनेक्शन हैं। यहां ग्रामीणों के हिस्से का पानी चोरी कर ग्रामीणों को ही एक हजार से 1500 रुपए प्रति टैंकर बेचा जा रहा है।

महिलाओं ने कहा कि गांव में कई जगह पर अवैध कनेक्शन भी हैं, जिसकी वजह से उनके हिस्से का पानी गांव तक नहीं पहुंच पाता है।

ऐसे कनेक्शन पर जलदाय विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। ग्रामीणों के हक का पानी टैंकरों में भरकर बेचा जा रहा है। कई बार अवगत करवाने के बावजूद जलदाय विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की नींद नहीं खुल रही है। जबकि गर्मी के मौसम में पानी की किल्लत होने की वजह से टैंकरों के माध्यम से पानी खरीद कर पीना पड़ रहा है। मीठे पानी के एक टैंकर के 1000 से 1500 रुपए चुकाने पड़ रहे हैं। इसके बावजूद जलदाय विभाग ध्यान नहीं दे रहा हैं।

स्वास्थ्य विभाग का ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर 10 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। अनूपगढ़ जिले की घड़साना मंडी में स्वास्थ्य विभाग में एसीबी ने कार्रवाई करते हुए ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर अजय सोनी को 10 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर ने संविदा कर्मी को ड्यूटी पर लगाने की एवज में रिश्वत की मांग की थी। सविंदा कर्मी की ओर से इसकी शिकायत एसीबी को की गई थी। एसीबी ने मंगलवार को सुबह करीब 11 बजे ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर को परिवादी से 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया।

एसीबी की घडसाना के ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी के कार्यालय में कार्रवाई जारी है। एसीबी के डीएसपी वेद प्रकाश लखोटिया ने बताया कि कुछ दिन पहले उन्हें शिकायत मिली थी कि घडसाना के मुख्य ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी के कार्यालय में कार्यरत ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर अजय सोनी ने सविंदा कर्मी को ड्यूटी पर लगाने की एवज में रिश्वत की मांग की थी।

उन्होंने बताया कि शिकायत मिलने के बाद सत्यापन किया गया तो बात सही पाई गई। इसके बाद आज मंगलवार को परिवादी को 10 हजार देकर ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर अजय सोनी के पास भेजा गया और ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर अजय सोनी को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया गया। डीएसपी वेद प्रकाश लखोटिया ने बताया कि एसीबी के द्वारा कार्रवाई जारी है।

हरियाणा शिक्षा बोर्ड की बारहवीं कक्षा के परिणाम घोषित

85.31 फीसदी नियमित और 65.32 प्रतिशत स्वयंपाठी परीक्षार्थी हुए उत्तीर्ण

छात्राओं ने फिर मारी बाजी, छात्रों को 5.62 फीसदी से अधिक बढ़त से छोड़ा पीछे
परीक्षा परिणामों में महेंद्रगढ़ टॉप पर तथा नूंह रहा सबसे निचले पायदान पर

चंडीगढ़, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी ने संचालित करवाई गयी सीनियर सेकेण्डरी (शैक्षिक/मुक्त विद्यालय) वार्षिक परीक्षा–2024 का परिणाम मंगलवार को घोषित किया है। बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. वी. पी. यादव ने आज बताया कि शिक्षा बोर्ड द्वारा सीनियर सेकेण्डरी (शैक्षिक) नियमित परीक्षार्थियों का परीक्षा परिणाम 85.31 फीसदी तथा स्वयंपाठी परीक्षार्थियों का परिणाम 65.32 फीसदी रहा है।

उन्होंने बताया कि सीनियर सेकेण्डरी (शैक्षिक) नियमित परीक्षा में 213504 परीक्षार्थी प्रविष्ट हुये थे, जिनमें से 182136 उत्तीर्ण हुये तथा 6169 परीक्षार्थी अनुत्तीर्ण रहे। इस परीक्षा में 105993 प्रविष्ट छात्राओं में से 93418 पास हुई, इनकी पास प्रतिशतता 88.14 रही, जबकि 107511 छात्रों में से 88718 पास हुये, इनकी पास प्रतिशतता 82.52 रही। इस प्रकार छात्राओं ने छात्रों से 5.62 फीसदी ज्यादा पास प्रतिशतता दर्ज कर बढ़त हासिल की है।

उन्होंने बताया कि इस परीक्षा में राजकीय विद्यालयों की पास प्रतिशतता 83.35 रही तथा प्राइवेट विद्यालयों की पास प्रतिशतता 88.12 रही है। इस परीक्षा में ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों की पास प्रतिशतता 86.17 रही है, जबकि शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों की पास प्रतिशतता 83.53 रही है। उन्होंने बताया कि पास प्रतिशतता में जिला महेंद्रगढ़ टॉप तथा जिला नूंह पायदान पर सबसे नीचे रहा।

बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि यह परिणाम आज दोपहर बाद से संबंधित विद्यालयों/ संस्थाओं द्वारा बोर्ड की वेबसाइट पर जाकर अपनी यूजर आईडी और पासवर्ड द्वारा लॉगिन करते हुये डाउनलोड भी किया जा सकेगा। कोई विद्यालय अगर समय पर परिणाम प्राप्त नहीं करता है तो इसके लिये वह स्वयं जिम्मेवार होगा।

उन्होंने बताया कि सीनियर सेकेण्डरी परीक्षा के स्वयंपाठी परीक्षार्थियों का परिणाम 65.32 प्रतिशत रहा है। इस परीक्षा में 5672 परीक्षार्थी प्रविष्ट हुये, जिनमें से 3705 पास हुये। स्वयंपाठी परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक अथवा नाम, पिता का नाम, माता का नाम और जन्मतिथि भरते हुये परीक्षा परिणाम देख सकते हैं। विद्यालयी परीक्षार्थी भी अपना परिणाम अनुक्रमांक और जन्मतिथि भरते हुये देख सकते हैं।

पुलिस चौकी का होमगार्ड ढाई लाख रिश्वत लेते गिरफ्तार

रोहतक, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। एंटी करप्शन ब्यूरो रोहतक की टीम ने झज्जर में छापा मारकर छुछकवास पुलिस चौकी के होमगार्ड सतेंद्र को ढाई लाख रुपए रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। आरोपी एक महिला के साथ मिलकर भिंडावास गांव के सरपंच से पुलिस आयुक्त व डीएसपी कार्यालय में जांच का डरा दिखाकर लाखों रुपए ऐंठ चुका है।

एसीबी के डीएसपी सुमित कुमार ने बताया कि छुछकवास गांव के सरपंच दारा सिंह ने शिकायत दी है कि सतेंद्र कुमार होमगार्ड है। उसने आरोप लगाया कि उसने एक महिला को अश्लील मैसेज भेजे हैं। न केवल पुलिस कार्रवाई होगी, बल्कि समाज में बदनामी भी होगी। डरा दिखाकर आरोपी ने डेढ़ लाख रुपए ले लिए। कुछ समय बाद फिर धमकी देना शुरू कर दिया। बोला, डीएसपी के पास दोबारा से जांच खोलने की शिकायत पहुंची है।ऐसे में पांच लाख रुपए देने होंगे, ताकि शिकायत को दबाया जा सके। मार्च माह में एक लाख फोन पे व 4 लाख नकद ले लिए। इसके बाद धमकी दी कि मामलना एसपी के पास चला गया है। अब 10 लाख रुपए में मामला दबाया जा सकेगा। बदनामी के डर से सरपंच ने आरोपी सतेंद्र को 8 लाख रुपए दे दिए। अब अप्रैल 2024 में आरोपी सतेंद्र ने कहा कि मामला पुलिस आयुक्त कार्यालय में चला गया। ऐसे में 25 लाख रुपए दबाने के लिए देने होंगे। सरपंच ने इतनी ज्यादा राशि देने में समर्थता जाहिर की। 24 अप्रैल को आरोपी सतेंद्र अपने साथ षडयंत्र में शामिल महिला के साथ लघु सचिवालय झज्जर में सरपंच से मिला। सरपंच का आरोप है कि सतेंद्र व महिला ने उसके साथ अभद्रता की। उस पर लिखित समझौता करने के लिए दबाव डाला।

अस्पताल में महिला की मौत, परिजनों का हंगामा

चिकित्सक पर लगाया गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप

करौली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। जिला मुख्यालय स्थित जिला अस्पताल में गलत इंजेक्शन से महिला की मौत का मामला सामने आया है। चिकित्सा कर्मी पर महिला को गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप है। महिला की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया। इस दौरान मृतका के परिजनों ने अस्पताल के बाहर सड़क पर जाम लगाकर धरना प्रदर्शन किया।

पुलिस ने समझाइश कर जाम खुलवाया और शव हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया है। परिजनों ने चिकित्सा कर्मी के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी है, पुलिस मामले की जांच कर रही है। करौली के खार रोड निवासी रुखशाद पुत्र इकबाल ने पुलिस को सौंपी शिकायत में बताया कि वो अपनी पत्नी रेशमा को हर माह करौली हॉस्पिटल में बीमारी का इंजेक्शन लगवाने ले जाता था। इंजेक्शन लगवाने के लिए वो पत्नी को हॉस्पिटल लेकर आया। इस दौरान ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सा कर्मी ने पर्ची पर लिखे इंजेक्शन के स्थान पर दूसरा लगा दिया, जिससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि चिकित्सा कर्मी की लापरवाही से महिला की मौत हुई है।

घटना के बाद चिकित्सा कर्मी हॉस्पिटल से फरार हो गया। मामले को लेकर परिजनों ने महिला के शव को अस्पताल के बाहर सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया और जाम लगाकर आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की। हालांकि करौली कोतवाली पुलिस ने समझाइश कर जाम खुलवाया। साथ ही मृतका का शव हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मिट्टी उठान की अनुमति दिलाने के लिए मांगी 2000 की रिश्वत, खनन गार्ड गिरफ्तार

दादरी, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। मिट्टी उठान की अनुमति दिलाने की एवज में 2000 रुपए रिश्वत लेने पर पुलिस टीम ने खनन विभाग में तैनात रक्षक को गिरफ्तार किया है। आरोपी सुनील कुमार मूलरूप से झज्जर का रहने वाला है और उसकी तैनाती दादरी खनन विभाग में है। उसके खिलाफ दादरी सदर थाने में भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है। वहीं, पुलिस ने मंगलवार दोपहर बाद आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया।

डीएसपी सुभाषचंद्र ने बताया कि एसपी कार्यालय में एक शिकायत दी गई थी जिसमें खनन रक्षक पर दो हजार की रिश्वत मांगने का आरोप लगाया गया था। शिकयतकर्ता छपार निवासी देवेंद्र ने बताया कि 26 अप्रैल को उसने अपने मित्र कृष्ण के खेत से मिट्टी उठाने की अनुमति लेने के लिए खनन विभाग में फाइल जमा करवाई थी। 29 अप्रैल को उसके पास खनन रक्षक सुनील को फोन आया और उसने कहा कि मिट्टी उठान की अनुमति लेने के लिए उसे दो हजार रुपए जमा करवाने पड़ेंगे। शिकायतकर्ता के अनुसार सुनील ने कहा कि उसने अनुमति दिला दी और अब उसे दो हजार चाहिए। रिश्वत मांगने के चलते देवेंद्र ने मामले की शिकायत एसपी कार्यालय में दी और साथ ही सुनील के साथ हुइ बातचीत की रिकॉर्डिंग भी सौंपी गई।

इसके बाद डीएसपी सुभाषचंद्र की अगुवाई में टीम भैरवी में बने किसान मॉडल स्कूल भवन में दबिश दी। डीएसपी सुभाषचंद्र ने बताया कि शिकायतकर्ता देवेंद्र सुनील को रिश्वत देने के लिए कार लेकर पहुंचा। उसके फोन करने पर सुनील कार्यालय से बाहर आया और देवेंद्र की गाड़ी में बैठ गया। वहां देवेंद्र ने उसे रुपए दिए और इसके तुरंत बाद टीम ने उसे काबू कर लिया।

डीएसपी सुभाषचंद्र ने बताया कि शिकायतकर्ता देवेंद्र 500–500 के चार नोट लेकर खनन विभाग कार्यालय पहुंचा। इन चारों नोट के सीरियल नंबर पहले ही टीम ने नोट कर लिए। जब सुनील ने गाड़ी में बैठकर देवेंद्र से रुपए लिए तो पुलिस ने उसे दबोच लिया। उसके पास से उसी सीरियल नंबर के चार नोट बरामद हो गए। अधिकारी के अनुसार आरोपी खनन रक्षक सुनील को रंगेहाथ दबोचा गया। उसके खिलाफ सदर थाने में केस दर्ज किया गया। आरोपी से 500–500 रुपये के चार नोट पुलिस टीम ने मौके पर ही बरामद कर लिए।

जीवन में पीतल और तांबे का धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व

सृष्टि के पालनकर्ता श्रीविष्णु को प्रिय है पीले रंग की धातु पीतल, तो देवताओं के देवगुरू बृहस्पति से है पीतल का संबंध। पीतल मिश्रित धातु है जो तांबा व जस्ता के मिश्रण से तैयार होती है और तो और आरोग्य के देवता भगवान धनवंतरी को अति प्रिय है पीतल। पूजा-पाठ व धार्मिक कार्यों में भी पीतल का उपयोग किया जाता है। सभी देवी-देवताओं की मूर्तियां और सिंहासन पीतल के ही बनाए जाते हैं। कई जगह मंदिर में घंटे भी कांसा के बजाय पीतल के लगाए जाते हैं। इन धातुओं के लेकर कई मान्यताएं भी हैं-

जन्म से लेकर मृत्यु तक पीतल का धार्मिक महत्व

सृष्टि के पालनकर्ता श्रीविष्णु को प्रिय है, तो घर में जब पुत्र जन्म लेता है तो पीतल की थाली बजाई जाती है। कन्यादान के समय पीतल आवश्यक होता है ।

जन्म के समय पीतल की थाली तो मरणोपरांत दसवें दिन नारायण बलि, बारहवें दिन त्रिपंडी, श्राद्ध , पिंडदान में व शुद्धि हवन में इसका उपयोग किया जाता है। घर में शुद्धि के लिए पीतल के पात्र में सोने का गहना डालकर छिड़काव किया जाता है, जिससे शुद्धिकरण हो जाता है।

पीतल से पाएं सौभाग्य, संतान सुख

पीतल से देवगुरू बृहस्पति प्रसन्न होते हैं, इसीलिए बृहस्पति को पीली वस्तुओं का दान प्रिय है। देवी बग्लामुखी के अनुष्ठान में तो सारे के सारे बर्तन केवल पीतल के ही उपयोग किए जाते हैं, अन्य किसी धातु के नहीं। सौभाग्य प्राप्ति के लिए पीतल के कलश में चना दाल भर कर विष्णु मंदिर में चढाया जाता है। सौभाग्य सुख के साथ इससे संतान सुख भी प्राप्त होता है।

तांबा करे रक्तविकार दूर, बढाए कांफिडेन्स

पीतल का संबंध श्रीविष्णु से है तो तांबे का संबंध आत्मा के कारक सूर्य (डींप) और मंगल ग्रह से है। पूजा में पंचपात्र, आचमनी प्रायः तांबे की ही बनी होती है।

सूर्य और मंगल ग्रह से संबंध रखने वाली इस धातु तांबा में प्रचुर मात्रा में औषधीय तत्व होते हैं, यह शरीर में जमा विष को बाहर निकालकर पाचन तंत्र को मजबूत बनाती है, इसीलिए रात के समय तांबे के लोटे में पानी भरकर रखने व सुबह उठते ही इसे पीने की परंपरा सदियों पुरानी है।

तांबे में रखा पानी पीने से क्या होता है ?

तांबे के लौटे में रहने से पानी के कीटाणु खत्म हो जाते हैं। तांबे के पात्र में रखे पानी को पीने से वात व पित्त कंट्रोल में रहते हैं जिससे पेट और पाचन तंत्र मजबूत बना रहता है। रक्त विकार दूर हो जाते हैं और गुस्सा नियंत्रण में रहता है कांफिडेन्स बढता है।

तांबा धारण करने के लाभ

मान्यता है कि तांबा अग्नि तत्व से भरपूर है। नाभी और हार्मोन्स की समस्या होने पर तांबा अगर कमर पर धारण किया जाए तो लाभ मिलता है।

दुर्घटना से रक्षा के लिए तांबे का सिक्का छेद कर गले में धारण किया जाता है। अगर तांबे के साथ सोना मिक्स कर लिया जाए तो इसका प्रभाव दुगना हो जाता है।

अनामिका अंगुली में तांबे का छल्ला सूर्य व चन्द्र को बलवान बनाता है जिससे साहस व कांफिडेन्स बढ़ता है।

समाज में प्रतिष्ठा बढती है। इससे बॉडी का टेम्परेचर मेंटेन रहता है। ऐसा भी माना जाता है कि तांबा कई प्रकार के रोगों को कम करने में भी सहायक है। ताबें के अधिक लाभ जानने के लिए संबंधित विशेषज्ञ की भी मदद ली जा सकती है।

आप भी पढ़ते हैं हनुमान चालीसा, तो जानें इसके चमत्कार

हिंदू धर्म में, हनुमान चालीसा भगवान हनुमान की भक्ति का एक लोकप्रिय पाठ है। यह माना जाता है कि रात को सोने से पहले हनुमान चालीसा पढ़ने के कई धार्मिक और आध्यात्मिक लाभ होते हैं। इस चालीसा में हनुमानजी की महिमा, शक्तियां, और कल्याणकारी गुणों का वर्णन किया गया है। इसे पढ़ने या सुनने से भक्त को आशीर्वाद, सुरक्षा, और समृद्धि मिलती है। हनुमान चालीसा के पाठ करने से भक्त को मानसिक और आध्यात्मिक शांति मिलती है, और उसे भगवान हनुमान के कृपा और साथ होने का अनुभव होता है। यह चालीसा भक्त को संसारिक संघर्षों से निपटने और भक्ति मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करती है।

हनुमान चालीसा का पाठ विशेषतः मंगलवार को हनुमानजी को समर्पित किया जाता है, लेकिन इस चालीसा का पाठ किसी भी समय और किसी भी स्थान पर किया जा सकता है। इसके पाठ से भक्त को रोग, दुःख, और अशुभ ग्रहों के प्रभाव से मुक्ति मिलती है। इसलिए, हनुमान चालीसा का महत्व धार्मिकता, आध्यात्मिकता, और शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। रात को सोने से पहले हनुमान चालीसा पढ़ने के क्या लाभ हैं आइए जानते हैं।

भय और नकारात्मक ऊर्जा से बचावः हनुमान चालीसा भगवान हनुमान की शक्ति और वीरता का गुणगान करता है। ऐसा माना जाता है कि रात में सोने से पहले इसका पाठ करने से नकारात्मक ऊर्जा और भय से बचाता है, और आपको शांतिपूर्ण नींद प्रदान करता है।

मन पर नियंत्रणः हनुमान चालीसा का पाठ मन को शांत करने और एकाग्रता बढ़ाने में मदद करता है। यह नकारात्मक विचारों को दूर करने और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने में भी सहायक होता है।

आत्मविश्वास में वृद्धिः भगवान हनुमान को साहस और आत्मविश्वास का प्रतीक माना जाता है। रात में सोने से पहले हनुमान चालीसा का पाठ करने से आत्मविश्वास बढ़ता है और आपके आंतरिक डर दूर होते हैं।

4)कष्टों से मुक्तिः ऐसा माना जाता है कि हनुमान चालीसा का पाठ करने से शनि ग्रह के दोष कम होते हैं और कष्टों से मुक्ति मिलती है।

5) ग्रहों की शांतिः हनुमान चालीसा का पाठ करने से नौ ग्रहों की शांति होती है और जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं।

6) सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैंः भगवान हनुमान को भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी करने वाला माना जाता है। रात में सोने से पहले हनुमान चालीसा का पाठ करने से आपकी मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं।

हनुमान चालीसा का पाठ करने से आपको जो लाभ मिलते हैं वह आपकी श्रद्धा और भक्ति पर निर्भर करता है। ध्यान रखें कि हनुमान चालीसा का पाठ शांत और पवित्र मन से करें। स्नान करके साफ कपड़े पहनकर पाठ करें। पूजा स्थान को साफ और स्वच्छ रखें। धूप जलाएं और भगवान हनुमान की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्वलित करें। पूर्ण श्रद्धा और भक्ति के साथ हनुमान चालीसा का पाठ करें। अगर आप रात को सोने से पहले हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं, तो आपको शांतिपूर्ण नींद, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास में वृद्धि का अनुभव हो सकता है।

मई 2024 में नामकरण संस्कार के लिए ये हैं शुभ मुहूर्त, ऐसे रखें बच्चे का नाम

नामकरण संस्कार हिंदू धर्म में एक महत्व-पूर्ण संस्कार है जो नवजात शिशु को उसका नाम देने के लिए किया जाता है। इस संस्कार में नवजात बच्चे के लिए एक स्थायी और पहचानी व्यक्तिगत पहचान नामित किया जाता है। नामकरण संस्कार को आमतौर पर जन्म के कुछ ही दिनों बाद किया जाता है, लेकिन कई क्षेत्रों में इसकी तिथि अलग हो सकती है। इस संस्कार में पुराने ग्रंथों, वेदों और गुरुओं की मार्गदर्शन में नवजात शिशु के लिए एक नाम चुना जाता है। नामकरण संस्कार एक धार्मिक और सामाजिक प्रथा है जो बच्चे को समाज में उसकी पहचान और स्थान की प्राप्ति में मदद करती है। यह एक शिशु के जीवन में धार्मिकता और समाज के साथ एक साक्षात्कार का भी अवसर प्रदान करता है।

पंचांग के अनुसार, मई 2024 में नामकरण संस्कार के शुभ मुहूर्त

01 मई 2024
सुबह: 07:30 से 09:00 तक
दोपहर: 12:00 से 01:30 तक
शाम: 06:00 से 07:30 तक

3 मई 2024
सुबह: 08:00 से 09:30 तक
दोपहर: 01:00 से 02:30 तक
शाम: 05:00 से 06:30 तक

5 मई 2024
सुबह: 10:00 से 11:30 तक
दोपहर: 02:00 से 03:30 तक
शाम: 07:00 से 08:30 तक

9 मई 2024
सुबह: 06:00 से 07:30 तक
दोपहर: 11:00 से 12:30 तक
शाम: 05:00 से 06:30 तक

10 मई 2024
सुबह: 07:00 से 08:30 तक
दोपहर: 12:00 से 01:30 तक
शाम: 06:00 से 07:30 तक

13 मई 2024
सुबह: 08:00 से 09:30 तक
दोपहर: 01:00 से 02:30 तक
शाम: 05:00 से 06:30 तक

19 मई 2024
सुबह: 06:00 से 07:30 तक
दोपहर: 11:00 से 12:30 तक
शाम: 05:00 से 06:30 तक

20 मई 2024
सुबह: 07:00 से 08:30 तक
दोपहर: 12:00 से 01:30 तक
शाम: 06:00 से 07:30 तक

23 मई 2024
सुबह: 08:00 से 09:30 तक
दोपहर: 01:00 से 02:30 तक
शाम: 05:00 से 06:30 तक

24 मई 2024
सुबह: 09:00 से 10:30 तक
दोपहर: 02:00 से 03:30 तक
शाम: 06:00 से 07:30 तक

27 मई 2024
सुबह: 10:00 से 11:30 तक
दोपहर: 03:00 से 04:30 तक
शाम: 07:00 से 08:30 तक

30 मई 2024
सुबह: 11:00 से 12:30 तक
दोपहर: 04:00 से 05:30 तक
शाम: 08:00 से 09:30 तक

मार्कण्डेय पुराण क्या है? जानिए इसके लेखक कौन हैं और कितने अध्याय हैं

मार्कण्डेय पुराण 18 महापुराणों में से एक है। यह ऋषि मार्कण्डेय द्वारा भगवान विष्णु के अवतार भगवान कृष्ण को सुनाया गया था। यह पुराण हिंदू धर्म में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है और इसमें सृष्टि, विनाश, पुनर्जन्म, कर्म, मोक्ष और अन्य धार्मिक विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई है। मार्कण्डेय पुराण में कई कहानियां और उपकथाएं हैं, जिनमें से कुछ सबसे प्रसिद्ध हैं जैसे मार्कण्डेय ऋषि की अमरता की कहानी, यह कहानी मार्कण्डेय ऋषि के बारे में है जिन्हें भगवान शिव से अमरता का वरदान मिला था।

सती का आत्मदाह, यह कहानी देवी सती के बारे में है जिन्होंने अपने पिता दक्ष के यज्ञ में अपने पति भगवान शिव का अपमान किए जाने के बाद खुद को आग में जला दिया था। भगवान कृष्ण का जन्म जिसमें उनके बचपन की लीलाओं के बारे में है। मार्कण्डेय पुराण का हिंदू धर्म में गहरा प्रभाव रहा है। इस पुराण का उल्लेख अनेक धार्मिक ग्रंथों और स्त्रोतों में किया गया है। यह पुराण आज भी हिंदुओं द्वारा पढ़ा और श्रद्धा के साथ सुना जाता है।

महर्षि मार्कंडेय कौन थे?

महर्षि मार्कंडेय हिंदू धर्म के एक महान ऋषि थे। ऋषि मार्कंडेय का जन्म मृकंड ऋषि और मनस्विनी नामक रानी के पुत्र के रूप में हुआ था। उनके पिता मृकंड ऋषि भगवान शिव के अनन्य भक्त थे। ऋषि मार्कंडेय को भगवान विष्णु से अमरता का वरदान प्राप्त हुआ था। यह वरदान उन्हें तब मिला जब वे भगवान शिव की तपस्या कर रहे थे। महर्षि मार्कंडेय ने भगवान विष्णु को जो कथाएं सुनाई थीं, उन्हें मार्कंडेय पुराण के नाम से जाना जाता है। यह पुराण 18 महापुराणों में से एक है और इसमें हिंदू धर्म के अनेक महत्वपूर्ण विषयों का वर्णन है। ऋषि मार्कंडेय ज्ञान और शिक्षा के प्रतीक हैं। उन्हें वेदों और पुराणों का ज्ञान था और वे एक महान शिक्षक भी थे। महर्षि मार्कंडेय हिंदू धर्म में एक महान ऋषि थे जिन्होंने ज्ञान, शिक्षा और भक्ति का मार्ग दिखाया।

मार्कण्डेय पुराण के रचयिता कौन है?

मार्कण्डेय पुराण के रचयिता को लेकर विवाद है। कुछ लोगों का मानना है कि यह पुराण ऋषि मार्कण्डेय द्वारा रचित है, जिन्होंने इसे भगवान विष्णु को सुनाया था। दूसरों का मानना है कि यह पुराण कई ऋषियों और विद्वानों द्वारा रचित है और समय के साथ इसमें परिवर्तन और संशोधन किए गए हैं। यह भी संभव है कि यह पुराण मौखिक परंपरा से विकसित हुआ हो और बाद में इसे लिखित रूप में लाया गया हो। मार्कण्डेय पुराण के रचयिता के बारे में निश्चित रूप से कहना मुश्किल है। यह संभव है कि यह ऋषि मार्कण्डेय द्वारा रचित हो, या यह कई ऋषियों और विद्वानों का सामूहिक कार्य हो, या यह मौखिक परंपरा से विकसित हुआ हो। महत्वपूर्ण बात यह है कि मार्कण्डेय पुराण हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण ग्रंथ है जो जीवन, मृत्यु, धर्म और मोक्ष के बारे में महत्वपूर्ण शिक्षा प्रदान करता है।

मार्कण्डेय पुराण में कितने अध्याय हैं?

मार्कण्डेय पुराण हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण ग्रंथ है जो जीवन, मृत्यु, धर्म और मोक्ष के बारे में महत्वपूर्ण शिक्षा प्रदान करता है। इसमें 137 अध्याय हैं। हालांकि, कुछ पांडुलिपियों में 90 अध्याय और कुछ में 197 अध्याय भी होते हैं। परंपरा और कुछ मध्ययुगीन ग्रंथों का दावा है कि मार्कण्डेय पुराण में 9,000 श्लोक हैं, लेकिन जीवित पांडुलिपियों में लगभग 6,900 श्लोक हैं।

मार्कण्डेय पुराण के अध्याय

अध्याय 1-5: सृष्टि की रचना, ब्रह्मा, विष्णु और शिव की उत्पत्ति, और देवताओं और दानवों के बीच युद्ध।
अध्याय 6-18: मनु और शतरूपा की कहानी, प्रलय और नया सृजन।
अध्याय 19-33: भगवान विष्णु के विभिन्न अवतारों की कथाएं, जैसे कि वामन, नृसिंह, राम और कृष्ण।
अध्याय 34-79: मार्कण्डेय ऋषि की कथा, उन्हें अमरता का वरदान प्राप्त होता है।
अध्याय 80-81: शिव-पार्वती विवाह की कथा।
अध्याय 82-93: देवी दुर्गा का जन्म और महिषासुर का वध।
अध्याय 94-126: धर्म, नीति, कर्म और मोक्ष के बारे में शिक्षाएं।
अध्याय 127-137: भविष्य की भविष्यवाणी और कलियुग के बारे में विवरण।

रवि योग मे मिलता है सबसे ज्यादा धनलाभ! जानें मई में कब-कब बनेगा ये शुभ योग

रवि योग, जो सूर्यदेव से संबंधित एक अत्यंत शुभ योग माना जाता है, मानसिक शांति, सफलता और समृद्धि प्रदान करता है। यह योग कई तिथियों को विभिन्न ग्रहों के साथ संयोजन बनाकर बनता है। रवि योग एक ज्योतिषीय योग है जो व्यक्ति की कुंडली में उत्पन्न होता है। इस योग में सूर्य (रवि) का स्थान बहुत शुभ होता है। जब किसी व्यक्ति की कुंडली में सूर्य को कोई शुभ ग्रह या केंद्र स्थिति में देखा जाता है, तो इसे रवि योग कहा जाता है। रवि योग का उत्थान व्यक्ति को धन, स्वास्थ्य, और सम्मान में वृद्धि करने में मदद करता है। इस योग के उत्थान से व्यक्ति को उच्च पद और सामाजिक स्थिति प्राप्त होती है। वह स्थायित्व और सम्मान की ओर अधिक ध्यान देता है और अपने जीवन में सफलता प्राप्त करता है। रवि योग के उत्थान से व्यक्ति को अधिक ऊर्जा, सकारात्मकता, और स्वास्थ्य की अधिक शक्ति प्राप्त होती है। यह उसके जीवन में अधिक उत्साह और संतुष्टि लाता है और उसे अपने लक्ष्यों की प्राप्ति में मदद करता है।

मई 10, 2024, शुक्रवार- सुबह 10:47 से 05:33 तक
मई 11, 2024, शनिवार- सुबह 05:33 से 07:13 तक
मई 11, 2024, शनिवार- सुबह 10:15 से 05:32 ए एम, मई 12 तक
मई 12, 2024, रविवार- सुबह 05:32 से 10:27 तक
मई 13, 2024, सोमवार- सुबह 11:23 से 05:31 ए एम, मई 14 तक
मई 14, 2024, मंगलवार- सुबह 05:31 से 01:05 पी एम तक
मई 16, 2024, बृहस्पतिवार- सायं 06:14 से 05:29 ए एम, मई 17 तक
मई 17, 2024, शुक्रवार- सुबह 05:29 से 05:29 ए एम, मई 18 तक
मई 18, 2024, शनिवार- सुबह 05:29 से 12:23 ए एम, मई 19 तक
मई 21, 2024, मंगलवार- सुबह 05:46 से 05:27 ए एम, मई 22 तक
मई 22, 2024, बुधवार- सुबह 05:27 से 07:47 तक
मई 29, 2024, बुधवार- सुबह 08:38 से 05:24 ए एम, मई 30 तक
मई 30, 2024, बृहस्पतिवार- सुबह 05:24 से 07:31 तक

इरफान खान : जिनकी आंखे भी करती थीं अभिनय

बॉलीवुड में इरफान खान को ऐसे दमदार अभिनेता के तौर पर याद किया जाता है, जिनकी आंखें भी अभिनय करती थीं। गहरी नशीली आंखे, ठहरी आवाज, वह बॉलीवुड के हीरो की तरह नहीं था लेकिन उसके चुंबकीय व्यक्तित्व में कुछ ऐसा था जो लोगों को बरबस जोड़ लेता सम्मोहित कर लेता।

इरफान खान का नाम जेहन में आते ही सबसे पहले उनकी आंखें याद आती हैं। वह एक ऐसे अभिनेता थे, जो बड़ी ही संजीदगी से अपनी आंखों से अभिनय करते थे। इरफान के पिता भी कहते थे कि 'ये आंखें हैं या प्याला हैं'। राजस्थान के जयपुर में इरफान खान का जन्म एक मुस्लिम पठान परिवार में 07 जनवरी 1967 को हुआ था। इरफान खान उन दिनों क्रिकेटर बनना चाह रहे थे। इस बात का खुलासा इरफान ने खुद ही एक इंटरव्यू के दौरान किया था। इरफान खान ने कहा था ,एक वक्त था जब मैं क्रिकेट खेलता था। मेरा सेलेक्शन सीके नायडू टूर्नामेंट के लिए हुआ था।उसमें मेरे 26 साथी चुने गए थे जिन्हें एक कैंप में जाना था, लेकिन मैं नहीं जा पाया, क्योंकि कैंप में जाने के लिए मैं पैसे का इंतजाम नहीं कर पाया। मैंने डिसीजन लिया कि क्रिकेट छोड़ देना चाहिए, क्योंकि इसमें

किसी न किसी के सहयोग की जरूरत होगी।'

इरफान खान अभिनेता बनना चाहते थे । इरफान खान ने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में दाखिला ले लिया था। उन्हीं दिनों पिता की मृत्यु हो गई। जिसके बाद घर से पैसे मिलने बंद हो गए। स्कूल में पढ़ाई के लिए उनकी स्कॉलरशिप का आवेदन को स्वीकार कर लिया था। इरफान खान अपनी एक्टिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद वह मुंबई चले गए। मुंबई में आकर इरफान खान ने काफी स्ट्रगल किया। वह एक्टिंग से पहले इलेक्ट्रिशियन का काम करते थे। इरफान को एक बार राजेश खन्ना के घर पर एसी ठीक करने का काम मिला था। जब वह राजेश खन्ना के घर एसी ठीक करने गए, तो राजेश खन्ना की दाई ने दरवाजा खोला था। उस समय इरफान ने पहली बार राजेश खन्ना को देखा था और उन्हें देखकर बहुत खुश हुए थे।

मुंबई में इरफान खान ने फिल्मों के लिए ऑडिशन देना शुरू कर दिया। हालांकि इरफान के शुरूआती दिन काफी संघर्ष भरे खे। इरफान को फिल्मों के बजाय टीवी सीरियल में छोटे-मोटे रोल मिलने लगे थे। इरफान खान ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत वर्ष 1987 में दूरदर्शन के सीरियल 'श्रीकांत' से की। इसके अलावा उन्होंने 'भारत एक खोज, चाणक्य, चंद्रकांता, सारा जहां हमारा, बनेगी अपनी बात और संजय खान के धारावाहिक 'जय हनुमान' में काम किया।

टेलीविजन में करियर बनाने के दौरान ही मीरा नायर ने इरफान खान को वर्ष 1988 में प्रदर्शित फिल्म 'सलाम बॉम्बे' में कैमियो रोल दिया था, लेकिन फिल्म में उनका सीन कट गया था। इसके बाद इरफान ने वर्ष 1990 में प्रदर्शित फिल्म 'एक डॉक्टर की मौत' में काम किया।इस फिल्म में पंकज कपूर और शबाना आजमी की लीड भूमिका थी। इसमें इरफान ने एक बेबाक रिपोर्टर की भूमिका निभाई थी।सलाम बॉम्बे में रोल कटने के बाद मीरा नायर ने इरफान से वादा किया था कि किसी अन्य फिल्म में लीड रोल देंगी। उन्होंने वर्ष 2006 में रिलीज फिल्म 'द नेमसेक' में उन्हें लीड रोल दिया। वर्ष 2001 में 'द वारियर' फिल्म से इरफान की जिंदगी बदल गई। इस फिल्म के बाद से इरफान को कभी पीछे मुड़कर नहीं देखना पड़ा। वर्ष 2004 में 'हासिल' फिल्म में इरफान को एक नेगेटिव किरदार में देखा गया था। इस किरदार के लिए इरफान को खूब तारीफ मिली थी।इरफान खान को बतौर लीड रोल अपनी पहली फिल्म वर्ष 2005 में मिली थी। इस फिल्म का नाम रोग था। जिसमें इरफान ने एक पुलिस ऑफिसर की भूमिका में थे। हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। लेकिन इस फिल्म में इरफान की एक्टिंग ने सभी का दिल जीत लिया था। इसी फिल्म से इराफान की खूबसूरत आखों को नोटिस किया गया। कहा जाता था कि इरफान की आंखें दमदार अभिनय करती हैं।

बॉलीवुड में हिट होने के साथ ही इरफान की एंट्री हुई हॉलीवुड में जहां उन्होंने स्पाइडर मैन, जुरासिक वर्ल्ड और इन्फर्नो जैसी फिल्मों में अभिनय किया। हाल ही में हॉलीवुड एक्टर टॉम हैंक्स ने इरफान खान की सराहना करते हुए कहा था कि- इरफान की आंखें भी अभिनय करती हैं।'बीहड़ में तो बागी होते हैं, डकैत मिलते हैं पार्लियामेंट में' इरफान की फिल्म पान सिंह तोमर का ये डायलॉग आज भी लोगों की जुबां पर रहता है। इरफान खान जब भी अपनी फिल्मों में डायलॉग बोलते थे तो उनके अंदाज ए बयां के लोग कायल हो जाते थे।

इरफान खान एक ऐसे अभिनेता थे, जो फिल्मों के बजट और एक्ट्रेस से कहीं ज्यादा फिल्म की कहानी और अपने किरदार को महत्व देते थे।इरफान खान ने अपने करियर के दौरान मकबूल, लंच बॉक्स, हासिल, लाइफ ऑफ पाइ, हिंदी मीडियम, हैदर,पीकू जैसी कई कामयाब फिल्मों में काम किया। 'अंग्रेजी मीडियम' इरफान खान की आखिरी फिल्म थी,जो 2017 में आई उनकी सुपरहिट फिल्म हिंदी मीडियम का सीक्वल थी।

राशि खन्ना का ग्रीन साड़ी में दिखा किलर अंदाज

एक्ट्रेस की दिलकश अदाओं ने फैंस को बनाया दीवाना

साउथ फिल्मों की जानी मानी एक्ट्रेस राशि खन्ना अपनी ग्लैमरस अदाओं से फैंस के दिलों पर राज करना बखूबी जानती हैं। सोशल मीडिया पर उनकी कातिलाना तस्वीरें तेजी से वायरल हो जाती हैं।राशि खन्ना फिल्मों के साथ साथ सोशल मीडिया पर भी काफी मशहूर हैं. आए दिन एक्ट्रेस अपने सिजलिंग अवतार से फैंस के होश उड़ाती रहती हैं. हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर हॉट तस्वीरें शेयर की हैं, जिसे देखने के बाद आपकी सांसे थम जाएंगी. राशि खन्ना ने ग्रीन कलर की साड़ी और मैचिंग ब्लाउज पहना है. लाइट मेकअप के साथ एक्ट्रेस ने बालों को खुला छोड़ा है और किलर पोज देते दिखाई दे रही हैं. एक्ट्रेस राशि खन्ना अपनी कातिलाना अदाओं से फैंस के दिलों पर राज करने का हुनर बखूबी जानती हैं। एक्ट्रेस राशि खन्ना बोल्ड अंदाज से फैंस के दिलों पर कहर बरपाती रहती हैं। वहीं, फैंस उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब रहते हैं।राशि खन्ना अपने फैंस के लिए अपने निजी और प्रोफेशनल पलों को साझा करती रहती हैं। राशि खन्ना ने अपने फिल्मी करियर की शुरूआत साउथ इंडस्ट्री से की। एक्ट्रेस की हॉटनेस देख यूजर्स दीवाने हो गए हैं और अपनी चहेती एक्ट्रेस की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

अपने करियर में मैं अनदेखी 3 जैसा प्रोजेक्ट करना चाहती थी : हेली दारूवाला

एक्ट्रेस हेली दारूवाला, जो अपनी अगली सीरीज अनदेखी 3 की रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार हैं, ने कहानी को रोमांचकारी बताया है।शो में हेली महत्वपूर्ण किरदार निभा रही हैं, हालांकि उन्होंने भूमिका के बारे में जानकारी को गुप्त रखा है।जिस चीज ने उन्हें इस भूमिका की ओर आकर्षित किया वह थी शो की स्क्रिप्ट और कहानी।हेली ने कहा, अनदेखी एक बेहद लोकप्रिय शो है और मुझे सीजन 3 का हिस्सा बनकर खुशी हो रही है। टीम ने कहानी को रोमांचकारी बनाए रखने का शानदार काम किया है और यह उस तरह का प्रोजेक्ट है जिसकी मैं तलाश कर रही थी।एक्ट्रेस ने आगे कहा, जिस तरह से मेरे ट्रैक ने आकार लिया है, उससे मैं बेहद खुश हूं और मैं 10 मई को दर्शकों द्वारा इसे देखने का इंतजार नहीं कर सकती।अनदेखी 3 10 मई को सोनी लिव पर रिलीज होगी।

रामायण से लीक हुआ रणबीर कपूर और साई पल्लवी का लुक

फिल्म रामायण इन दिनों सुर्खियों में है। यह फिल्म इसलिए भी चर्चा में है, क्योंकि इसे काफी बड़े स्तर पर बनाया जा रहा है और कई बड़े सितारे इससे जुड़े हैं। यही वजह है कि फिल्म से जुड़ी हर छोटी-बड़ी जानकारी पर प्रशंसक नजर नाए हुए हैं।अब नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में भगवान श्रीराम बने रणबीर कपूर और माता सीता के अवतार में साई पल्लवी की पहली झलक सेट से लीक हो गई है।फिल्म के सेट से रणबीर और साई की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें उन्हें भगवान राम और मां सीता के अवतार में देखा जा सकता है। इन तस्वीरों ने आते ही सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है।दोनों का लुक लोगों को खूब भा रहा है। तस्वीरों को देख लग रहा है कि ये राम और सीता की शादी के बाद वाला सीन है। पोशाक के साथ रणबीर और साई के हाव-भाव भी देखने लायक हैं।इस फिल्म से कई सितारो का नाम जुड़ा है। केजीएफ स्टार यश इससे बतौर सह-निर्माता जुड़े हैं, वहीं वह इसमें रावण की भूमिका भी निभाने वाले हैं।सनी देओल

दिखा राम-सीता का अवतार

फिल्म में भगवान हनुमान का किरदार निभाएंगे तो साउथ के स्टार विजय सेतुपति फिल्म में विभीषण की भूमिका में दिखेंगे।इससे पहले सेट से अरुण गोविल, लारा दत्ता और शिबा चड्ढा की पारंपरिक तस्वीरें सामने आई थीं। रकुल प्रीत सिंह और रवि दुबे भी फिल्म का हिस्सा हैं।फिल्म का संगीत भी शानदार होने वाला है, क्योंकि 2 दिग्गज संगीतकार हंस जिमर और एआर रहमान इसके लिए साथ आए हैं। ऑस्कर जीत चुके हंस इस फिल्म के जरिए बॉलीवुड में कदम रख रहे हैं। वह भगवान राम की कहानी से रोमांचित हैं।हंस ने एक इंटरव्यू में रहमान के साथ काम करने की इच्छा भी जाहिर की थी और अब दोनों साथ मिलकर दुनियाभर के दर्शकों के बीच अपने संगीत का जादू चलाने के लिए तैयार हैं।रणबीर ब्लॉकबस्टर फिल्म एनिमल की दूसरी किस्त एनिमल पार्क में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे।

दीपक तिजोरी की फिल्म टिप्सी का दमदार ट्रेलर हुआ रिलीज

90 के दशक के फेमस हीरो दीपक तिजोरी इन दिनों अपनी फिल्म टिप्सी को लेकर छाए हुए हैं। गुरुवार को दीपक तिजोरी की टिप्सी का ट्रेलर रिलीज हुआ है।बता दें, ये फिल्म अभिनेता के निर्देशन में बनी है। मुंबई में हुए ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान निर्देशक महेश भट्ट और पूजा भट्ट भी नजर आए।12 मिनट 32 सेकंड के इस ट्रेलर की शुरुआत गोवा जैसे खूबसूरत शहर से होती है। जहां 5 लड़कियों का एक ग्रुप घूमने जाता हैं, लेकिन इन लड़कियों के लिए ये गोवा का ट्रीप आफत बन जाएगा। इसके बारे में नहीं पता था। गर्लस का ये ट्रीप उन्हें जेल की हवा खाने पर मजबूर कर देता है। ट्रेलर में दीपक तिजोरी की भी दमदार एंट्री देखने को मिलती है। जोकि एक पुलिस अफसर के किरदार में नजर आ रहे हैं। दीपक के अलावा अलंकृता सहाय, नताशा सूरी, कैनात अरोरा, नाजिया हुसैन, सोनिया बिर्जे, हरजिंदर सिंह, मनदीप कौर संधू और दानिश भट्ट नजर आ रहे हैं। इवेंट में दीपक तिजोरी ने अपनी दोस्त पूजा और महेश भट्ट के साथ कुछ इस अंदाज में मीडिया के कैमरों में पोज दिए। इस दैरान एक्टर येलो टी-शर्ट और ब्लैक जींस में नजर आए। वहीं, महेश ब्लैक टी-शर्ट के साथ जींस और चप्पल पहने दिखाई दिए। एक्ट्रेस पूजा की बात करे तो वह इस मौके पर ऑल ब्लैक लुक में नजर आई। टिप्सी का निर्देशन दीपक तिजोरी ने किया है। फिल्म का निर्माण राजू चड्ढा और दीपक तिजोरी ने किया है। सना खान और अनीता शर्मा फिल्म की सह-निर्माता हैं। फिल्म को पैनोरमा स्टूडियो देशभर में रिलीज करेगा। जो 10 मई 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

अभिनेत्री से निर्माता बनीं सामंथा

पोस्टर के साथ नई फिल्म बंगाराम का किया एलान

ऊ अंटावा.. गर्ल फेम सामंथा रुथ प्रभु अपने 36वां जन्मदिन के खास मौके पर उनके सभी दोस्त, रिश्तेदार सेलेब्स और फैंस की लगातार शुभकामनाएं उनके सोशल मीडिया पर आ रही हैं। अपने बर्थडे को और भी खास बनाने के लिए सामंथा ने अपने फैंस के लिए एक सरप्राइज दिया है। दरअसल, आज जन्मदिन के मौके पर सामंथा ने अपनी नई फिल्म की घोषणा करते हुए फिल्म का एक पोस्टर भी शेयर किया है।सामंथा की आगामी फिल्म का नाम बंगाराम है। सामंथा रुथ प्रभु ने कुछ ही घंटों पहले अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी नई फिल्म की घोषणा की है। इसेक साथ ही सामंथा ने फिल्म का पोस्टर भी साझा किया है। इस पोस्टर में सामंथा का अबतक का सबसे खूंखार लुक दिखाई दे रहा है। इस पोस्टर में सामंथा अपने हाथ में बंदूक पकड़े हुए दिखाई दे रही हैं। उनके चेहरे पर खून के छींटे दिखाई दे रहे हैं। फिल्म बंगाराम में उनका यह लुक लोगों को डरा भी रहा है और पसंद भी आ रहा है। सामंथा की फिल्म बंगाराम का यह पोस्टर अब फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गया है। उनका यह सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सामांथ ने कुछ ही घंटों पहले फिल्म का पोस्टर और मोशन वीडियो शेयर किया है। सामंथा ने पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा, सुनहरा होने के लिए हर चीज का चमकदार होना जरूरी नहीं है, बंगाराम जल्द ही शुरू होगा।फिल्म बंगाराम के पोस्टर को देखकर फैंस काफी उत्साहित हो गए हैं। फैंस को अभिनेत्री का यह दमदार लुक काफी पसंद आ रहा है। फैंस लगातार उनके जन्मदिन के साथ ही इस लुक को लेकर भी कमेंट कर रहे हैं। एक ने लिखा है, हैप्पी बर्थ डे क्वीन, एक और फैन ने लिखा, वैरी कूल पोस्टर। एक फैन ने लिखा, बंगाराम ऑन फॉयर।, एक और फैन ने लिखा, पोस्टर को देखकर तो मेरे रौंगटे खड़े हो गए। उम्मीद करता हूं कि यह फिल्म सुपर हिट हो। फिर से एक बार हैप्पी बर्थ डे लव।फिल्म बंगाराम के अलावा सामंथा सिटाडेल: हनी बनी सीरीज में नजर आएंगी। राज और डीके द्वारा

संपादकीय

एक बार फिर 'ईवीएम' की जीत

सर्वोच्च न्यायालय ने मतदाता पर्ची से चुनाव कराने और इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) एवं वीवीपैट पर्ची की 100 प्रतिशत गिनती कराने से जुड़ी सभी याचिकाओं को रद्द कर दिया है। इसे ईवीएम की एक और जीत के तौर पर देखा जा सकता है। दरअसल, जब से कांग्रेस दुर्दशा को प्राप्त हुई है, तब से लगातार उसके नेताओं द्वारा ईवीएम पर सवाल उठाए जा रहे हैं। चुनाव आयोग की स्पष्टता एवं खुली चुनौती के बाद भी कांग्रेस सहित कई विपक्षी दल ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाकर लोकतांत्रिक व्यवस्था, संवैधानिक संस्थाओं एवं निर्वाचन की पारदर्शी व्यवस्था के प्रति मतदाताओं के मन में संदेह पैदा करते रहे हैं। मतदाताओं का विश्वास बनाए रखने के लिए चुनाव आयोग ने वीवीपैट की व्यवस्था की। वीवीपैट की सहायता से मतदाता यह देख सकता है कि उसने जिस प्रत्याशी/दल के सामने का बटन दबाया, उसका मत उसी को मिला या नहीं। किसी प्रकार का संदेह नहीं रह जाए इसलिए चुनाव आयोग ने एक निश्चित प्रतिशत में वीवीपैट की पर्चियों के मिलान की व्यवस्था भी की है। परंतु इतना सब होने के बाद भी बार-बार हार का सामना करनेवाली कांग्रेस एवं विपक्षी पार्टियां सच स्वीकार करने और आत्मचिंतन करने को तैयार नहीं हैं। उन पर कहावत 'नाच न जाने, आंगन टेड़ा' सटीक लागू होती है। ईवीएम पर सवाल उठाने की अपेक्षा आवश्यक था कि कांग्रेस ईमानदारी से अपनी स्थिति का आकलन करे। अपनी नीतियों का मूल्यांकन करे। यह जानने की कोशिश करे कि आखिर मतदाताओं में कांग्रेस को लेकर इतनी नाराजगी क्यों है? ऐसा भी नहीं है कि कांग्रेस पिछले 10 वर्षों से केवल हार ही रही है। कई राज्यों में उसने इसी ईवीएम से हुए चुनावों के बाद बहुमत प्राप्त करके सरकार बनायी है। यदि ईवीएम में कोई दोष होता, तब वह इन राज्यों में कैसे चुनी जाती रही? विशेषकर मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और हिमाचल में, जहाँ भाजपा को लोकसभा में एकतरफा जीत मिलती है। यदि ईवीएम को हैक किया जा सकता तब भाजपा अवश्य ही केरल सहित भारत के दक्षिणी हिस्से के कुछ महत्वपूर्ण राज्यों में अपनी उपस्थिति दर्ज कर लेती। पश्चिम बंगाल में पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में जिस प्रकार का वातावरण बना था, उसके बाद भी वह हार गई। यह इसी बात का परिणाम है कि ईवीएम से निष्पक्षता से मतदान होता है। दरअसल, कांग्रेस के साथ दिक्कत यह है कि उसने ऐसे बुद्धिजीवियों का साथ ले रखा है, जो कागजों में उसके पक्ष में वातावरण बने होने का दावा करते हैं। जब कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के आसपास ऐसा वातावरण रच दिया जाता है कि 'हम ही जीत रहे हैं', तब विपरीत परिणाम आने पर उन्हें कुछ सूझ ही नहीं पड़ता। या फिर यह भी हो सकता है कि कांग्रेस के नेता गरीब परिवार से आनेवाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जीत को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं इसलिए उनकी विजय को संदिग्ध सिद्ध करने की कोशिश की जाती हैं। वर्ष 2014 के चुनाव में तो कांग्रेस के एक नेता ने कहा ही था कि 'एक चायवाला क्या देश चलाएगा। वह चाहे तो कांग्रेस के अधिवेशन में चाय का ठेला लगा सकता है। हम उसे स्थान दे देंगे'। बहरहाल, सर्वोच्च न्यायालय ने साफ कर दिया है कि ईवीएम पर सवाल उठाना निरर्थक हैं। फिर से मतपत्रों से चुनाव कराने की पुरानी व्यवस्था में लौटना कतई बुद्धिमानी नहीं होगा। उस व्यवस्था को न्यायालय ने 'अव्यवस्था' ही माना है। स्मरण रहे कि यह 40वीं बार है, जब ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठानेवाली याचिकाओं को न्यायालयों ने खारिज किया है। इससे पहले विभिन्न न्यायालय भी इस तरह की बेतुकी याचिकाओं को रद्द कर चुके हैं। अच्छा होगा कि अब कांग्रेस सहित विभिन्न दल ईवीएम पर सवाल उठाकर अवैज्ञानिक सोच का विस्तार न करें।

> चुनाव आयोग की स्पष्टता एवं खुली चुनौती के बाद भी कांग्रेस सहित कई विपक्षी दल ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाकर लोकतांत्रिक व्यवस्था, संवैधानिक संस्थाओं एवं निर्वाचन की पारदर्शी व्यवस्था के प्रति मतदाताओं के मन में संदेह पैदा करते रहे हैं। मतदाताओं का विश्वास बनाए रखने के लिए चुनाव आयोग ने वीवीपैट की व्यवस्था की। वीवीपैट की सहायता से मतदाता यह देख सकता है कि उसने जिस प्रत्याशी/दल के सामने का बटन दबाया, उसका मत उसी को मिला या नहीं। किसी प्रकार का संदेह नहीं रह जाए इसलिए चुनाव आयोग ने एक निश्चित प्रतिशत में वीवीपैट की पर्चियों के मिलान की व्यवस्था भी की है। परंतु इतना सब होने के बाद भी बार-बार हार का सामना करनेवाली कांग्रेस एवं विपक्षी पार्टियां सच स्वीकार करने और आत्मचिंतन करने को तैयार नहीं हैं। उन पर कहावत 'नाच न जाने, आंगन टेड़ा' सटीक लागू होती है। ईवीएम पर सवाल उठाने की अपेक्षा आवश्यक था कि कांग्रेस ईमानदारी से अपनी स्थिति का आकलन करे। अपनी नीतियों का मूल्यांकन करे। यह जानने की कोशिश करे कि आखिर मतदाताओं में कांग्रेस को लेकर इतनी नाराजगी क्यों है? ऐसा भी नहीं है कि कांग्रेस पिछले 10 वर्षों से केवल हार ही रही है। कई राज्यों में उसने इसी ईवीएम से हुए चुनावों के बाद बहुमत प्राप्त करके सरकार बनायी है।

आधुनिक दैनिक प्रयोग की तमाम वस्तुएं प्लास्टिक में ही पैक हो कर आ रही हैं

दुनिया को समझना होगा 'माता भूमि, पुत्रोह्म पृथिव्याः' का निहितार्थ

कुल भूषण उपमन्यु

> प्लास्टिक दैनिक जीवन का ऐसा भाग बन गया है कि इससे बचना बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। प्लास्टिक का प्रयोग कम करना, पुनर्चक्रीकरण, और जो बच जाए उसको उत्तम धुआं रहित प्रज्वलन तकनीक से ताप विद्युत बनाने में प्रयोग किया जा सकता है। हालांकि इससे भी थोड़ा गैस उत्सर्जन तो होता है किन्तु जिस तरह शहरी कचरा डंपिंग स्थलों में लगातार लगने वाली आग और गांव में खुले में जलाया जा रहा प्लास्टिक धुआं फैलता जा रहा है उससे तो यह हजार गुणा बेहतर है। स्वीडन ने तो यूरोप के अनेक देशों से सूखा कचरा आयात करके उससे बिजली बनाने का व्यवसाय ही बना लिया है।

आज प्लास्टिक, मिट्टी, पानी, और वायु का प्रदूषक बनता जा रहा है। जमीन पर पड़े हुए प्लास्टिक से धूप के कारण अपर्दन से टूटकर सूक्ष्म कण मिट्टी में मिल जाते हैं और मिट्टी के उपजाऊपन को नष्ट करने का काम करते हैं। पानी में मिल कर मछलियों के शरीर में पहुंच कर खाद्य शृंखला का भाग बन कर मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बन जाते हैं। जलाए जाने पर वायु में अनेक विषैली गैसें वायु मंडल में छोड़ते हैं जिससे वैश्विक तापमान वृद्धि के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरे पैदा हो रहे हैं। प्लास्टिक दैनिक जीवन का ऐसा भाग बन गया है कि इससे बचना बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। प्लास्टिक का प्रयोग कम करना, पुनर्चक्रीकरण, और जो बच जाए उसको उत्तम धुआं रहित प्रज्वलन तकनीक से ताप विद्युत बनाने में प्रयोग किया जा सकता है। हालांकि इससे भी थोड़ा गैस उत्सर्जन तो होता है किन्तु जिस तरह शहरी कचरा डंपिंग स्थलों में लगातार लगने वाली आग और गांव में खुले में जलाया जा रहा प्लास्टिक धुआं फैलता जा रहा है उससे तो यह हजार गुणा बेहतर है। स्वीडन ने तो यूरोप के अनेक देशों से सूखा कचरा आयात करके उससे बिजली बनाने का व्यवसाय ही बना लिया है। उसके पास जो तकनीक है, उसमें केवल दशमलव दो (.2) प्रतिशत ही गैस उत्सर्जन होता है। प्लास्टिक के विकल्प के रूप में पैकिंग सामग्री तैयार करना नवाचार की दूसरी चुनौती है। गांव में भी अब तो प्लास्टिक कचरे के अंबार लगते जा रहे हैं। आधुनिक दैनिक प्रयोग की तमाम वस्तुएं प्लास्टिक में ही पैक हो कर आ रही हैं। प्लास्टिक के पुनः चक्रीकरण के लिए यह जरूरी है कि प्लास्टिक और अन्य सूखा कचरा अलग-अलग एकत्र किया जाए। और कबाड़ी को दिया जाए। जो बच जाए उसे निबटाने के दुसरे सुरक्षित तकनीकी उपायों की सरकारें व्यवस्था करें। एक विचार यह भी जोर पकड़ रहा है कि जो पैदा करे वही कचरे के प्रबंधन का जिम्मेदार ठहराया जाए ताकि ये पैकिंग करके सामान बेचने वाली कंपनियां पैकिंग सामग्री एकत्रित करवा कर वापस लें, और रीसाइक्लिंग की व्यवस्था करें। किन्तु केवल प्लास्टिक ही जलवायु परिवर्तन का कारक नहीं है। रासायनिक कृषि के कारण भी भूमि की जैविक पदार्थ धारण करने की क्षमता समाप्त हो जाति है जिससे कार्बन पदार्थ का भूमि में संचय नहीं होता दूसरा भूमि की उपजाऊ शक्ति भी कम हो जाति है। जैविक कृषि को प्रोत्साहित करके और वैज्ञानिक आधार पर विकसित करके इस समस्या से

निपटा जा सकता है। भारत में इस दिशा में कुछ काम होना शुरू भी हुआ है किन्तु इसे अभी तक मुख्यधारा बनाने में सफलता नहीं मिली है। इसके लिए अधिक वैज्ञानिक शोध की जरूरत है ताकि रासायनिक विधि के बराबर ही उत्पादन करके दिखाया जाए और अन्न सुरक्षा की चुनौती पर कोई खतरा आने की चिंता न रहे। जलवायु परिवर्तन में मुख्य भूमिका ऊर्जा उत्पादन क्षेत्र की है। हमारे देश में कुल विद्युत उत्पादन 428 गीगा वाट है। जिसमें से 71 प्रतिशत कोयले और जीवाश्म ईंधन से हो रहा है। स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन 168.96 गीगा वाट है। जिसमें से 42 गीगा वाट जल विद्युत का उत्पादन है। किन्तु जल विद्युत भी जब बड़े बांधों के माध्यम से बनाई जाती है तो जलाशयों में बाढ़ से संचित जैव पदार्थ आक्सीजन रहित सड़न द्वारा मीथेन गैस का उत्सर्जन करते हैं। मीथेन कार्बन डाई आक्साइड से छह गुणा ज्यादा वैश्विक तापमान वृद्धि का कारक है। इसलिए एक सीमा से ज्यादा जल विद्युत का प्रसार भी ठीक नहीं। सौर ऊर्जा एक बेहतर विकल्प के रूप में उभर रही है। भारत वर्ष में पिछले कुछ सालों में सौर ऊर्जा उत्पादन में अच्छा काम हुआ है। भारत वर्ष में 2030 तक 500 गीगा वाट स्वच्छ उर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। आशा है इसे हम प्राप्त कर सकेंगे। किन्तु बड़े ऊर्जा पार्क बना कर स्थानीय संसाधनों पर कुछ जगहों पर ज्यादा दबाव पड़ जाता है जिससे कई समुदायों की रोजी-रोटी के संसाधन छिन जाते हैं जिसके विरुद्ध कई आवाजें उठती रहती हैं, और संघर्ष खड़े हो जाते हैं। इन जायज संघर्षों को अकसर शासन और प्रशासन स्थानीय समुदायों की कठिनाई को समझ कर समाधान करने के बजाए उनसे टकराव का रास्ता चुनती हैं और उन्हें देशविरोधी, विकास विरोधी ठहराने के अवास्तविक और अनावश्यक प्रयास करते हैं। जिससे बेगुनाह लोग अत्याचार और शोषण का शिकार हो जाते हैं और समाज में असंतोष बढ़ता है। हमें याद रखना चाहिए कि विकास का मतलब समावेशी विकास होता है। राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियों तक ही विकास का मुख्य लाभ पहुंचने से आय का न्यायपूर्ण बंटवारा नहीं हो सकता। अतः उत्पादन का यथा संभव विकेन्द्रित तरीका ही अपनाया जाना चाहिए। उदाहरण के लिए भारत में 6 लाख के लगभग गांव हैं। यदि हर गांव में एक मैगा वाट सौर उर्जा उत्पादन घर की छतों पर और बेकार जगहों पर किया जाए तो बिना किसी एक जगह संसाधनों पर बड़ा दबाव बनाए 6 लाख मेगा वाट बिजली का उत्पादन हो सकता है। उत्पादन के इस तरीके से लाखों लोगों को रोजगार और स्व रोजगार के अवसर पैदा हो सकते हैं। अतः जरूरत टकराव की नहीं बल्कि विचार आदान-प्रदान की है। कौन विचार कितना करणीय है यह अपने देश की स्थितियों के अनुरूप तकनीकों के नवाचारों को प्रोत्साहित करके देखा जा सकता है। जलवायु परिवर्तन के कारण जिस तरह की अतिवृष्टि, ओलावृष्टि, ग्लेशियर पिघलने की, रेगिस्तानों में अभूतपूर्व बारिश की, समुद्री जल स्तर बढने की जो घटनाएं हो रही हैं ये दुनिया भर के लिए चेतावनी हैं। दुबई, इंडोनेशिया, और अफ़्रीकी देशों की हाल की बेमौसमी बाढ़ें, यूरोप और अमेरिकी देशों के बेमौसमी बर्फीले तूफान जलवायु परिवर्तन की चुनौतियां हैं। गरीब देशों और कृषि प्रधान देशों पर इसका सबसे ज्यादा हानिकारक प्रभाव पड़ रहा है। गरीब देशों में भी सबसे गरीब लोग ही ज्यादा प्रभावित हों रहे हैं। इस तरह जलवायु परिवर्तन सामाजिक न्याय के लिए भी वैश्विक स्तर पर बड़ी चुनौती बन कर खड़ा है, जिससे निपटने में देर आत्मघाती ही सिद्ध होगी। पृथ्वी दिवस इस खतरे के प्रति सजग करने का अवसर होता है जिसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। यही भारतीय सभ्यता का संदेश भी है जिसने "माता भूमि, पुत्रोह्म पृथिव्याः" कह कर मानव को भूमि का पुत्र घोषित किया है। हम मां के वात्सल्य पूर्ण आंचल की रक्षा अपने ही हित के लिए कर सकें अपनी गलतियों को सुधार कर। इस संदर्भ में अतीत के पन्नों पर झांकना जरूरी है। 1962 में राचेल कार्सन ने "साइलेंट स्प्रिंग" नामक पुस्तक लिखी जिसमें पर्यावरण को कीटनाशकों से हो रहे नुकसान की ओर ध्यान आकर्षित किया गया। कीटनाशकों की कुछ मात्रा अनाजों में आ जाती है और खाद्य श्रृंखला में दाखिल हो जाती है, जिसका दुष्प्रभाव मानवजाति के अतिरिक्त अन्य पशु- पक्षियों पर भी पड़ जाता है जिसके कारण कई पक्षी प्रजातियां लुप्त हो रही थीं।

दृष्टि कोण

टीएन शेषन ने बदली थी भारत के अराजक चुनावों की तस्वीर

ऐसे में देश को एक ऐसा मुख्य चुनाव आयुक्त मिलता है, जो पूरी चुनाव व्यवस्था को बदलकर रख देता है। बड़े-बड़े दिग्गज नेताओं को नकेल कस देता है। उस मुख्य चुनाव आयुक्त का नाम है टीएन शेषन। आज अगर देश में निष्पक्ष और स्वतंत्र माहौल में चुनाव हो पाता है तो इसका श्रेय टीएन शेषन को जाता है। देश के दबंग चुनाव आयुक्त के तौर पर अपनी पहचान बनाने वाले टीएन शेषन नौकरशाही में भी सुधार के जनक थे। ईमानदारी और कानून के प्रति अपनी निष्ठा की वजह से वह बहुतों को खटकते भी थे। इस वजह से उनके विरोधी उनको सनकी और तानाशाह तक भी कहते थे। लेकिन वह व्यवस्था में क्रांति लाने वाले इंसान, मेहनती, सक्षम प्रशासक, योग्य नौकरशाह, बुद्धीजीवियों और मध्य वर्ग के नायक थे। पलक्कड़ (केरल) के निवासी टीएन शेषन ने 1955 में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में ट्रेनी के तौर पर अपने कॅरियर की शुरुआत की। शेषन ने अपनी पहली तैनाती में ही तीखे तेवर दिखाते हुए तमिलनाडु के मदुरई जिले के डिंडीगुल में सब कलेक्टर पद पर रहते हुए हरिजन समुदाय के एक व्यक्ति पर फंड के घपले का आरोप में गिरफ्तार करवा दिया। मंत्री के दवाब के बाद भी आरोपी को नहीं छोड़ा। चेन्नई में यातायात आयुक्त पद के दौरान एक बार एक ड्राइवर ने शेषन से पूछा कि अगर आप बस के इंजन को नहीं समझते और ये नहीं जानते कि बस को ड्राइव कैसे किया जाता है, तो आप ड्राइवरों की समस्याओं को कैसे समझ पाएंगे। शेषन ने इसको एक चुनौती के रूप में स्वीकार किया। उन्होंने न सिर्फ़ बस की ड्राइविंग सीखी बल्कि बस वर्कशॉप में भी काफ़ी समय बिताया। एक बार उन्होंने बीच सड़क पर ड्राइवर को रोक कर स्टेयरिंग संभाल लिया और यात्रियों से भरी बस को 80 किलोमीटर तक चलाया। शेषन का तमिलनाडु के मुख्यमंत्री से काफी झगड़ा हो गया, जिसके बाद वे प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली आ गए और तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग के एक सदस्य के तौर पर उनकी नियुक्ति हुई। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के आग्रह पर पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के सचिव बन गए। सचिव के तौर पर उन्होंने टिहरी बांध और सरदार सरोवर बांध जैसी परियोजनाओं का विरोध किया। भले ही सरकार ने उनको विरोध को दरकिनार कर दिया और परियोजना पर काम को आगे बढ़ाया लेकिन बांध के पर्यावरण पर पडने वाले प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया गया। इसके साथ ही शेषन ने विभागों में नहीं कहने का रुझान शुरू किया। इस दौरान राजीव गांधी से उनकी नजदीकी बढ़ी। वहां से उनको आंतरिक सुरक्षा का सचिव बनाया गया। करीब 10 महीनों बाद उनको कैबिनेट सचिव बनाया गया। जब राजीव गांधी दिसंबर 1989 में चुनाव हार गए और प्रधानमंत्री नहीं रहे तो टीएन शेषन का ट्रांसफर योजना आयोग में कर दिया गया। शेषन के मुख्य चुनाव आयुक्त बनने की दास्तां भी कम दिलचस्प नहीं है। दिसंबर 1990 केंद्रीय वाणिज्य मंत्री और शेषन के दोस्त सुब्रमण्यम स्वामी ने प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के दूत के तौर शेषन पर मुख्य चुनाव आयुक्त के पद की पेशकश की। शेषन इस प्रस्ताव से बहुत अधिक उत्साहित नहीं हुए थे, क्योंकि पहले ही कैबिनेट सचिव विनोद पांडे ने भी उन्हें ये प्रस्ताव दिया था। शेषन इस प्रस्ताव पर राजीव गांधी से मिले। राजीव गांधी ने शेषन को मुख्य चुनाव आयुक्त का पद स्वीकार करने के लिए अपनी सहमति दे दी। लेकिन वो इससे बहुत खुश नहीं थे। उन्होंने उन्हें छेड़ते हुए कहा कि वो दाढ़ी वाला शख्स (चंद्रशेखर) उस दिन को कोसेगा, जिस दिन उसने तुम्हें मुख्य चुनाव आयुक्त बनाने का फ़ैसला किया था। पंडित जवाहर लाल नेहरू ने साठ के दशक में तमिलनाडु में शेख़ को नजरबंद करवा दिया था। शेषन उस समय मदुरै जिले के कलेक्टर थे। उनको जिम्मेदारी दी गई थी कि वो शेख़ द्वारा बाहर भेजे गए हर पत्र को पढ़ें। शेख ने डॉक्टर एस राधाकृष्णन प्रेसिडेंट ऑफ़ इंडिया के नाम पत्र लिखा। शेषन ने बिना डरे पत्र पढ़ लिया। शेख़ ने घोषणा की कि वो उनके साथ किए जा रहे खऱाब व्यवहार के विरोध में आमरण अनशन पर जाएंगे। शेषन ने कहा कि सर ये मेरा कर्तव्य है कि मैं आपकी हर ज़रूरत का ख्याल रखूं, मैं ये सुनिश्चित करूंगा कि कोई आपके सामने पानी का एक गिलास भी ले कर न आए। शहरी विकास मंत्रालय के संयुक्त सचिव के धर्मराजन त्रिपुरा में हो रहे चुनावों का पर्यवेक्षक का कार्य छोड़ कर थाइलैंड चले गए। इस पर दंडित करते हुए शेषन ने उनकी गोपनीय रिपोर्ट में विपरीत प्रवष्टि करने का फ़ैसला किया। शेषन ने वर्ष 1993 में 17 पेज का आदेश जारी किया कि जब तक सरकार चुनाव आयोग की शक्तियों को मान्यता नही देती, तब तक देश में कोई भी चुनाव नहीं कराया जाएगा। आखिरकार सरकार को उनके सामने झुकना पड़ा। मौजूदा आदर्श आचार संहिता उसी आदेश का परिणाम है। शेषन के आने से पहले मुख्य चुनाव आयुक्त एक आज्ञाकारी नौकरशाह होता था जो वही करता था जो उस समय की सरकार चाहती थी।

कुछ अलग

समाज का स्याह और चमकीला पहलू

एक चरित्र 'चमकीला' की इधर बहुत चर्चा है। क्या एक 'चमकीला' हम सबके भीतर रहता है? सालों पहले मुंबई में एक लावणी-प्रस्तुति के दौरान मेरे एक मित्र मराठी गीत के बोल मुझे हिंदी में अनुवाद करके बता रहे थे। कह रहे थे कि ये प्रसिद्ध मराठी लोकगीत है। उन्होंने बचपन में मोहल्ले की औरतों को गाते सुना था- अत्तराचा फाया तुम्ही मला आण राया/ विरहाचे ऊन बाई/ देह तापवून जाई/ धरा तुम्ही माझ्यावरी/ चंदनाची छाया। मतलब - इत्र के फाहे तुम मेरे लिए ले आना, बाहर की आग से ज्यादा मेरे अंदर है आग। तुम अपनी चंदन सी छाया मुझे ओढ़ा देना। पिछले सप्ताह ओटीटी पर पंजाब के लोकप्रिय लोक गायक अमर सिंह चमकीला की जिंदगी पर बनी फिल्म देखते हुए मुझे उस लावणी गीत की बेतहाशा याद आई। चमकीला पंजाबी में ऐसे ही गाने लिखते और गाते थे। वह कहते थे, मैंने बचपन में यही सब देखा है। गाने के बोल उन्होंने अपने आसपास की जिंदगी से उठाए। ऐसी जिंदगी, जो गांव-देहात और कस्बों में आम लोग जीते थे। 1960 में पंजाब के एक छोटे से गांव दुगरी के दलित सिख परिवार में जन्मे धन्नी सिंह का बस एक छोटा सपना था इलेक्ट्रिशियन बनने का। धन्नी सिंह को तुंबी बजाने का शौक था। लुधियाना के एक कपड़ा मिल में काम करते हुए धन्नी को लगा कि उन्हें अपने मन का कुछ करना चाहिए। वह अपने मन से गीत बनाने लगे। ऐसे बोल, जो उस समय पसंद किए जाते थे। उन बोलों में खिलंदड़ापन भी था, बदमाशी, छेड़छाड़ भी थी और प्रेम व अश्लीलता भी। रातोंरात अमर सिंह चमकीला पंजाब का सितारा बन गए थे। उनके लिए एक खिताब भी गढ़ा गया- पंजाब का एल्विस प्रेस्ली। चमकीला को सुनने गांव-देहात की महिलाएं भी आती थीं, जो उनको सुनने के लिए घरों की छतों पर जम जाती थीं। 1980 के दशक में उनके गीतों के कैसेट पंजाब में रिकॉर्ड तोड़ बिकते थे। लेखक-निर्देशक इम्तियाज अली ने अमर सिंह चमकीला की भूमिका में पंजाब व बॉलीवुड के एक चिर-परिचित चेहरे दिलजीत दोसांझ को लिया है। यह फिल्म एक दौर का दस्तावेज भर नहीं है। हालांकि, फिल्म में चमकीला की जाति को लेकर न्यूनतम जिक्र हुआ है, लेकिन उनके निधन के 36 साल बाद आज भी यू-ट्यूब और दूसरे चैनलों पर उनके एक करोड़ से अधिक श्रोता हैं। प्रसिद्ध संगीतज्ञ और लेखक गिब स्क्रेफलर ने अपनी किताब में चमकीला और अमरजोत को 'कमर्शियल फोक गायक' कहा है। उन्होंने लिखा है, उनका मकसद लोगों का मनोरंजन करना था। कोई अचरज नहीं, चमकीला पर फिल्म आने के बाद अचानक गूगल, यू-ट्यूब, स्पॉटीफाई और अन्य सोशल मीडिया में लोग उनके बारे में जानने को उत्सुक हो गए हैं। एक लोकगायक बड़े सामाजिक विमर्श की वजह बन गया है। प्रश्न यह है कि क्या चमकीला आज भी प्रासंगिक हैं? क्या उन पर जो आरोप चार दशक पहले लगे थे, वे सही थे? क्या फिल्म बनाकर एक 'अश्लील' गायक को महिमामंडित किया जा रहा है? वैसे, अश्लीलता की परिभाषा बहुत महीन है। गौर कीजिए, हमारे देश की नाना लोक संस्कृतियों में द्विअर्थी गाने सदियों से गुंथे हुए हैं। उत्तर से दक्षिण तक, पूरब से पश्चिम तक। जब यह सब शुरू हुआ होगा, तब मनोरंजन और प्रहसन के लिए कोई आधुनिक माध्यम नहीं था। सामाजिक परिवेश भी अलग था। त्योहारों और मेल-मिलाप के दौरान मस्ती के माहौल में कुछ रियायतें ले ली जाती थीं। प्रेम, यौनिक ठिठोली, छेड़छाड़ और वर्जित विषयों पर चुटकियां लेना आम बात थी। अगर आप देखें, तो शादी-ब्याह में गाली वाले प्रहसन, गीत, महाराष्ट्र में लावणी, हिमाचल की सीमा के आसपास मनाया जाने वाला पर्व होलाच, औरंगाबाद का देव उत्सव, होली में फगुआ के दौरान वही पुरानी परंपरा और लोक गाने देखने-सुनने को मिलते रहे हैं।

देश दुनिया से

राजनीति में अपराधियों की बढ़ती संख्या चिन्ताजनक

> भाजपा-कांग्रेस साथ-साथ : पहले पेज की ही बात करें तो भाजपा के 77 उम्मीदवारों में से 28 के खिलाफ क्रिमिनल केसेज और 14 के खिलाफ गंभीर अपराध के मामले दर्ज है। वायनाड से ही राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा उम्मीदवार के सुरेन्द्रन के खिलाफ 242 मामले दर्ज हैं, हालांकि इनमें से 237 केसेज अकेले सबरीमाला प्रकरण से जुड़े आन्दोलन को ले कर हैं। इसी तरह, पहले पेज में कांग्रेस के 56 वैंडिडेट्स में से 19 के खिलाफ व्रिमिनल केसेज और 8 के खिलाफ गंभीर व्रिमिनल केसेज दर्ज है। कमोबेश यही हालत दूसरे पेज की भी है और उम्मीद है कि आने वाले पेजेज की भी हालत यही होगी।

क्या इस बात पर सवाल नहीं उठेगा कि एक-एक वैंडिडेट की जन्मवुंडली खंगालने के बाद ही जब टिकट दिया जाता है, तब क्या दिल्ली में बैठे भाजपा या कांग्रेस आलाकमान को उन पैक्ट्स से अनजान रखा जाता है, जो तथ्य ऐसे वादों, गारंटी पर सवालिया निशान लगा देते हैं। राजनीति में अपराधियों की बढ़ती संख्या चिन्ताजनक अपराध वह हम्माम है, जिसमें सारे के सारे राजनैतिक दल नंगे हैं। क्या भाजपा, क्या कांग्रेस या अन्य क्षेत्रीय दलों की बात ही क्यों न हो? पहले और दूसरे पेज के चुनाव में भी ऐसे अपराधियों की संख्या भरपूर मात्रा में है। लेकिन, इसमें एक और पहलू है। आमतौर पर कहा जाता है कि राजनीति में द्वेषपूर्ण तरीके से भी एक दूसरे के खिलाफ मुकदमें कर दिए जाते हैं। यह बात बहुत हद तक सही भी है। लेकिन, एक होता है गंभीर किस्म का अपराध. हत्या, डवैती, बलात्कार, लूटपाट, दंगा भड़काना आदि. ऐसे उम्मीदवारों को आखिर चुनाव लड़वाने की कौन सी मजबूरी होती है। जबकि पिछले वुछेक दशक से एसोसिएशं फॉर डेमोव्रेटिक रिफॉम्र्स लगातार चुनावी राजनीति से अपराधियों को अलग करने की मुहीम चला रही है। बावजूद इसके, शीर्ष राजनीतिक दल कोईं सबक नहीं लेते दिख रहे हैं। भाजपा-कांग्रेस साथ-साथ : पहले पेज की ही बात करें तो भाजपा के 77 उम्मीदवारों में से 28 के खिलाफ क्रिमिनल केसेज और 14 के खिलाफ गंभीर अपराध के मामले दर्ज है। वायनाड से ही राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा उम्मीदवार के सुरेन्द्रन के खिलाफ 242 मामले दर्ज हैं, हालांकि इनमें से 237 केसेज अकेले सबरीमाला प्रकरण से जुड़े आन्दोलन को ले कर हैं। इसी तरह, पहले पेज में कांग्रेस के 56 वैंडिडेट्स में से 19 के खिलाफ व्रिमिनल केसेज और 8 के खिलाफ गंभीर व्रिमिनल केसेज दर्ज है। कमोबेश यही हालत दूसरे पेज की भी है और उम्मीद है कि आने वाले पेजेज की भी हालत यही होगी। और यह तब है जब एक तरफ भाजपा नारा देती है, बहुत हुआ महिलाओं पर अत्याचार, अबकी बार मोदी सरकार। वहीं दूसरी तरफ, कांग्रेस ने इस बार के मेनिपेस्टो में हर साल महिलाओं के खाते में एक लाख रूपया देने की बात कही है। प्रियंका गांधी लड़की हूँ, लड़ सकती हूँ का नारा दे कर यूपी का चुनाव लड़ चुकी है। लेकिन, ये सब महज नारे हैं, वादें है, गारंटी हैं, मंशा है। हम कहीं से भी इन बातों पर न सवाल उठाना चाहते है, न शक करना चाहते है। लेकिन, तथ्य और पैक्ट्स का क्या करेंगे? क्या इस बात पर सवाल नहीं उठेगा कि एक-एक वैंडिडेट की जन्मवुंडली खंगालने के बाद ही जब टिकट दिया जाता है, तब क्या दिल्ली में बैठे भाजपा या कांग्रेस आलाकमान को उन पैक्ट्स से अनजान रखा जाता हैं, जो तथ्य ऐसे वादों, गारंटी पर सवालिया निशान लगा देते है। मेडक से सासारामः रेप से पोक्सो तक : तेलंगाना के भाजपा उम्मीदवार एम रघुनंदन मेडक लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवार है और उनके खिलाफ 29 मुकदमें लंबित है, जिसमें एससी/एसटी एक्ट से ले कर बलात्कार तक के मामले हैं. दूसरी तरफा कांग्रेस के एक उम्मीदवार है सासाराम से। उस सासाराम से जिसकी विरासत बाबू जगजीवन राम और मीरा वुमार जैसी महिला शक्ति के नाम से प्रसिद्द है। ऐसे में, कांग्रेस की ऐसी क्या मजबूरी थी, जो उसने पोक्सो एक्ट जैसे संगीन जुर्म के आरोपी को अपना उम्मेदवार बनाया? क्या ऐसा जानबूझ कर किया गया? या फिर शीर्ष नेतृत्व को इन तथ्यों की जानकारी ही नहीं थी? दरअसल, 8 अप्रैल 2024 को वुंद्रा थाना, भभुआ में पोक्सो एक्ट (लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012) के तहत दर्ज एफ़आईआर संख्या 579201 5240130 को बिना संज्ञान में लेते हुए, वैसे सासाराम से कांग्रेस ने अपना उम्मीदवार एक ऐसे व्यक्ति (मनोज राम) को बना दिया, जिसके बेटे (उज्जवल वुमार, जो गिरफ्तार भी हुआ) और जिस पर खुद इस केस के अभियुत्त के तौर पर नाम दर्ज है। (एफ़आईआर की प्रति संलग्न है)। सवाल है कि जब बिहार या देश की जनता के बीच यह मैसेज जाएगा (एफिडेविट जमा करने के बाद) तब कांग्रेस क्या जवाब देगी? जाहिर हैं, तब भाजपा के पास एक दमदार मुद्दा होगा, जिसके आधार पर वह पूरे देश में इस उदाहरण को पेश कर के कांग्रेस की महिला न्याय गारंटी पर सवाल खड़े करेंगी. किसने किसको गुमराह किया? : फिर सवाल है कि क्या वैंडिडेट ने स्थानीय कांग्रेस नेतृत्व या दिल्ली से आए कांग्रेस प्रभारी/ पर्यवेक्षकों को गुमराह किया? दिलचस्प यह भी है कि भभुआ के ही रहने वाले पीड़ित पिता (पिछड़ी/ अतिपिछड़ी जाती से) ने फरवरी 2024 में ही पुलिस को आवेदन दिया था लेकिन तब प्राथमिकी दर्ज नहीं हुईं और जब वे पुलिस कप्तान से मिले तब कहीं जा कर 8 अप्रैल को यह प्राथमिकी दर्ज हो सकी।

आप का नजरिया

भाजपा की 44 दिन पहले ही निर्विरोध जीत

गुजरात की सूरत लोकसभा सीट पर सोमवार को भाजपा के मुकेश दलाल निर्विरोध निर्वाचित हुए। बसपा प्रात्याशी प्यारे लाल भारती और चार निर्दलीय सहित वुल आठ उम्मीदवारों ने नाम वापस ले लिया। गुजरात में पहली बार कोईं प्रात्याशी निर्विरोध निर्वाचित हुआ है। 1984 से सूरत सीट पर भाजपा जीत रही है। इस सीट पर 7 मईं को वोटिग होनी थी। कांग्रोस के प्रात्याशी नीलेश वुंभाणी और डमी प्रात्याशी का नामांकन प्रास्तावकों के हस्ताक्षर में त्रुटि के चलते रविवार को खारिज कर दिया गया था। भाजपा की निर्विरोध जीत के लिए कांग्रोस प्रात्याशी नीलेश वुंभाणी ने ही भाजपा से हाथ मिला लिया था। भाजपा की ओर से वुंभाणी को ऑपरेशन निर्विरोध की स्व्रिप्ट मिली। इसके अनुसार ही नीलेश वुंभाणी ने कांग्रोस की प्रादेश इकाईं को अंधेरे में रखते हुए पैंतरें चले। वुंभाणी ने अपने नामांकन पत्र के प्रास्तावकों में कांग्रोस वैडर कार्यंकर्ताओं, मेंबर की बजाए अपने रिश्तेदारों और करीबियों को रखा। वुंभाणी ने अपने पच्रे में प्रास्तावक बहनोईं जगदीयां सावलिया और बिजनेस पार्टनर ध्रुविन धामेलीया और रमेश पोलरा को बनाया। नीलेश वुंभाणी ने कांग्रोस पाटा के डमी प्रात्याशी सुरेश पडसाला का प्रास्तावक भी अपने भांजे भौतिक कोलडिया को बनवाया। पर्चा दाखिल करते वक्त भी वुंभाणी किसी भी प्रास्तावक को चुनाव अधिकारी के सामने नहीं ले गए। चारों प्रास्तावकों ने हस्ताक्षर फजा होने का शपथ पत्र दे दिया और खुद भूमिगत हो गए। सभी को कारण बताओ नोटिस जारी करने की प्राव्रिया अपनाईं जा रही है। कोईं भी सामने नहीं आया। इसके बाद वुंभाणी और डमी प्रात्याशी सुरेश पडसाला का पर्चा खारिज हो गया। सूरत में भाजपा के इस आपरेशन निर्विरोध का एपिक सेंटर बना सूरत का फाइव स्टार होटल ली-मैरेडियन, यहां से 24 घंटे तक ऑपरेशन निर्विरोध की कार्रवाईं का संचालन हुआ। ये कवायद भाजपा के प्रादेश अध्यक्ष सीआर पाटिल की सीधी निगरानी में हुईं। सूरत की जीत 400 पार के लक्ष्य की पहली जीत है। हम इसे प्राधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को समर्पित करते हैं यह कहते हैं सीआर पाटिल, गुजरात भाजपाध्यक्ष। उधर कांग्रोस नेता राहुल गांधी ने कहा : तानाशाह की असली सूरत फिर देश के सामने है। मैं फिर कह रहा हूं, यह चुनाव देश और संविधान को बचाने का है। जनता से अपने नेता चुनने का अधिकार छीन लेना बाबा साहब अबंडेकर के संविधान को खत्म करने की तरफ बढ़ाया एक और कदम है। राहुल ने लिखा, मैं एक बार फिर कह रहा हूं - यह सिर्प सरकार बनाने का चुनाव नहीं है, यह देश को बचाने का चुनाव हैं, संविधान की रक्षा का चुनाव है। वहीं जयराम रमेश ने व्रोनोलॉजी समझाते हुए कहा कि लोकतंत्र खतरे में है। उन्होंने एक्स पर लिखा सूरत जिला अधिकारी ने 7 मईं 2024 को मतदान से लगभग 2 सप्ताह पहले ही 22 अप्रौल 2024 को सूरत लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार को निर्विरोध जिता दिया गया।

पतंजलि समूह की मुश्किलें बढ़ी, जीएसटी बकाया के लिए दो कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां) ।

योग गुरू स्वामी रामदेव के नेतृत्व वाले पतंजलि समूह की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) ने इस समूह की कंपनियों पतंजलि आयुर्वेद और पतंजलि फूड्स को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं।

कंपनी ने कहा कि उसे एक कारण बताओ नोटिस मिला है। जिसमें कंपनी और उसके अधिकारियों को से कारण बताने को कहा गया है कि क्यों न उससे 27.46 करोड़ रुपये का इनपुट टैक्स क्रेडिट वसूला जाए और जुर्माना क्यों न लगाया जाए। डीजीजीआई ने केंद्रीय वस्तु एवं सेवा अधिनियम 2017 और उत्तराखंड राज्य वस्तु एवं सेवा अधिनियम 2017 की धारा 74 और अन्य लागू प्रावधानों का हवाला दिया है। वहीं, पतंजलि फूड्स ने कहा, प्राधिकरण ने अभी केवल कारण बताओ नोटिस जारी किया और कंपनी अपने बचाव के लिए जरूर कार्रवाई करेगी। कंपनी ने कहा, कार्यवाही पूरी होने तक अपेक्षित वित्तीय निहितार्थ तय नहीं किए जा सकते। पिछले हफ्ते पतंजलि फूड ने कहा था कि वह पतंजलि आयुर्वेद के गैर-खाद्य व्यवसाय के अधिग्रहण के प्रस्ताव का मूल्यांकन करेगी। पतंजलि फूड्स को पहले रुचि सोया इंडस्ट्रीज लिमिटेड के नाम से जाना जाता था। यह एक प्रमुख एफएमसीजी खिलाड़ी है। कंपनी खाद्य तेलों, खाद्य और एफएमसीजी और पवन उर्जा उत्पादन क्षेत्रों में पतंजलि, रुचि गोल्ड, न्यूट्रेला आदि जैसे ब्रांड के गुलस्ते के जरिए काम करती है। पतंजिल ने दिवालिया प्रक्रिया के जरिए रुचि सोया का अधिग्रहण किया था और बाद में कंपनी का नाम बदलकर पतंजलि फूड्स लिमिटेड कर दिया गया था।

पतंजलि के 10 उत्पादों के विनिर्माण लाइसेंस रद्द - उत्तराखंड के औषधि नियंत्रण प्रशासन की ओर से जारी एक आदेश के मुताबिक, पतंजलि के 10 दिव्य फार्मेसी उत्पादों के विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं। यह आदेश इस महीने की शुरुआत में जारी किया गया था। इसमें कंपनी द्वारा औषधि और जादुई उपचार (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम और औषधि एवं कॉस्मेटिक अधिनियम का उल्लंघन करते हुए इन उत्पादों के भ्रामक विज्ञापनों के बारे में शिकायतों का संज्ञान लिया गया था।

आदेश के मुताबिक जिन दिव्य फार्मेसी उत्पादों के विनिर्माण लाइसेंस रद्द किए गए किए गए हैं, उनमें श्वसारी गोल्ड, श्वसारि वटी, ब्रोंकोम, श्वसारि अवलेहा, मुक्ता वटी एक्स्ट्रा पावर, लिपिडॉम, बीपी ग्रित, मधुग्रित और मधुनाशिनी वटी एक्स्ट्रा पावर शामिल हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

ए सीरीज़ के नए फोन ओप्पो ए60 लॉन्च, नए फोन की फटाक से फुल होगी चार्जिंग

नई दिल्ली । चाइनीज कंपनी ने अपने नए फोन ओप्पो ए60 को लॉन्च कर दिया है। इसमें 90एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ 6.67-इंच का एलसीडी स्क्रीन मिलती है। ओप्पो ने अपनी ए सीरीज़ के तहत इस फोन को लांच किया है। ये फोन क्वालकॉम के स्नैपड्रैगन 680 चिप से लैस है। इसके अलावा इसमें 8जीबी रैम और 256जीबी तक की स्टोरेज भी मिलती है। पावर के लिए इस फोन काफी दमदार बैटरी और खास कैमरा दिया जाता है। डुअल-सिम (नैनो) वाला ओप्पो ए66 एंड्रॉयड 14 पर बेस्ड कलर ओएस 14.0.1 पर काम करता है। इसमें 90एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ 6.67-इंच का एचडी+ एलसीडी डस्प्ले मिलता है, और ये 720गुणा 1,604 पिक्सल रेजोलूशन के साथ आता है। ये ऑक्टा-कोर स्नैपड्रैगन 680 चिप पर काम करता है, जिसे 8जीबी एलपीडीडीआर 4एक्स रैम के साथ जोड़ा गया है। कैमरे के तौर पर नए ओप्पो ए60 में एफ/1.8 अपर्चर और ऑप्टिकल इमेज स्टेबिलाइज़ेशन के साथ 50-मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा मिलता है। इसमें एफ/2.4 अपर्चर वाला एक 2-मेगापिक्सल का सेकेंडरी कैमरा भी शामिल है जिसका इस्तेमाल गहराई से जानकारी इकट्ठा करने के लिए किया जा सकता है। इसके अलावा फोन के फ्रंट की बात करें तो इसमें सामने की तरफ 8-मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा मिलता है। कंपनी ने इस हैंडसेट को 256जीबी तक यूएफएफएस 2.2 स्टोरेज से लैस किया है। पावर के लिए ओप्पो ए60 में 5,000 एमएएच की बैटरी दी गई है, जिसे 45वॉट पर चार्ज किया जा सकता है। बता दें कि ओप्पो ए60 को फिलहाल वियतनाम में लॉन्च किया गया है। इसके 8जीबी+128जीबी रैम और स्टोरेज मॉडल की कीमत वीएनडी 5,490,000 (लगभग 18,060 रुपये) है, जबकि 8जीबी+256जीबी वेरिएंट की कीमत वीएनडी 6,490,000 (लगभग 21,360 रुपये) रखी गई है। फोन को मिडनाइट पर्पल और रिपल ब्लू कलर में पेश किया जाएगा।इसमें बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन के लिए साइड-माउंटेड फिंगरप्रिंट स्कैनर मिलता है। कनेक्टिविटी के लिए ओप्पो के नए फोन में 4जी एलटीई, वायफाय, ब्लूटूथ 5.0, एनएफसी, जीपीएस, ए-जीपीएस, एक यूएसबी टाइप-सी पोर्ट और एक 3.5 एमएम ऑडियो जैक मिलता है।

कोविड के बाद यात्रा और पर्यटन क्षेत्र में तेज सुधार, नौ साल में मिलेंगे 5.82 करोड़ रोजगार

मुंबई। यात्रा और पर्यटन क्षेत्र में 2033 तक यानी नौ साल में देश में 5.82 करोड़ रोजगार मिलने की उम्मीद है। कोरोना के समय 2020 में पर्यटन क्षेत्र में 3.9 करोड़ नौकरियां गई थीं, जो देश के कुल रोजगार का करीब 8 फीसदी थी। एनएलबी सर्विसेज की जारी रिपोर्ट के मुताबिक, महामारी से उबरने के बाद यात्रा और पर्यटन क्षेत्र में सबसे तेज सुधार देखा गया। इस क्षेत्र ने कैलेंडर वर्ष 2023 में 16 लाख अतिरिक्त नौकरियां दीं।जनवरी 2023 से, यात्रा और पर्यटन क्षेत्र में दिहाड़ी नौकरियों में 14 फीसदी की वृद्धि हुई है। इसमें अनुवादक, फोटोग्राफर और टूर गाइड जैसे पद शामिल हैं। अगले दो वर्षों में इस क्षेत्र की नौकरियों में 20 फीसदी तक वृद्धि की उम्मीद है। जीडीपी में 16.5 लाख करोड़ रुपये का योगदान आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी मुद्रा के महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में काम करते हुए यात्रा-पर्यटन ने 2022 में भारत की जीडीपी में 15.9 लाख करोड़ का योगदान दिया। 2023 के लिए 16.5 लाख करोड़ रुपये का अनुमान लगाया गया था।

ओला कैब्स के सीईओ हेमंत बख्शी का इस्तीफा, रिपोर्ट्स में दावा- 200 लोगों की जा सकती है नौकरी

नई दिल्ली । ओला कैब्स के सीईओ हेमंत बख्शी ने अपनी ज्वाइनिंग के चार महीने बाद ही अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कंपनी अपने पुनर्गठन पर विचार कर रही है, इसके तहत 10 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों की छंटनी भी संभव है। खबर के अनुसार बख्शी का इस्तीफा तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। बख्शी जनवरी में कंपनी से जुड़े थे। रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले कहा गया है कि कंपनी में पुनर्गठन से कुछ भूमिकाएं समाप्त हो जाएंगी और इससे 10 प्रतिशत कार्यबल यानी करीब 200 लोगों को छंटनी का सामना करना पड़ सकता है। बता दें कि दिसंबर में, कंपनी की सहयोगी ओला इलेक्ट्रिक ने बाजार नियामक सेबी को अपने आईपीओ के लिए प्रस्ताव सौंपा था। इस आईपी के माध्यम कंपनी 7,250 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। यह एक भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) कंपनी के 2010 में स्थापित ओला कैब्स में सॉफ्टबैंक और टाइगर ग्लोबल जैसे प्रमुख निवेशकों का साथ मिला है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

केसीआर के...

जिस रवैये से महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे ठिकाने लग गए, वही हश्र केसीआर का हुआ है। उन्होंने नेताओं और कैडर की चिंता छोड़ी तो जनता ने भी हैसियत दिखा दी। केसीआर फिर पुराने तेवर में लौटने की कोशिश कर रहे हैं, पर बहुत देर हो चुकी है। माहौल बदलने में थोड़ा वक्त और लगेगा।बीआरएस के कमजोर पड़ने का फायदा कांग्रेस को मिलेगा। रेवंत सरकार ने 200 यूनिट तक फ्री बिजली और रोडवेज बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा की सुविधा दी है। मध्य और निम्न आय वर्ग के लिए फ्री यात्रा अहम है, क्योंकि बस का मासिक पास 1,500 रुपए में बनता है। 15 हजार की तनख्वाह वाले के लिए यह बचत 10 फीसदी बैठती है। मुख्यमंत्री रेड्डी इन्हीं योजनाओं के भरोसे 17 में से 14 सीटें जीतने का दावा कर रहे हैं।भाजपा का दावा भी दहाई अंक छूने का है। अभी उसके पास चार सांसद हैं। पार्टी की कोशिश सीट और वोट बैंक, दोनों बढ़ाने की है। यह वोट आएगा बीआरएस से ही, कांग्रेस से नहीं। भाजपा पढ़े-लिखे शहरी मतदाताओं को रिझाने में ज्यादा जोर लगा रही है। यह कोशिश रंग लाई, तो बीआरएस तगड़े घाटे में होगी, क्योंकि विधानसभा चुनाव में शहरी सीटों पर उसकी एकतरफा पकड़ रही है। उसे नुकसान सिर्फ ग्रामीण सीटों पर हुआ है। बीआरएस की राजनीति को करीब से देखते आ रहे विश्लेषक कहते हैं कि जो भी घाटा होगा, बीआरएस को ही होगा। भाजपा अगर दावे के मुताबिक 10 सीटें पा गई तो अगले विधानसभा चुनाव में बीआरएस साफ हो जाएगी। मुकाबला भाजपा-कांग्रेस के बीच ही होगा। इसके ही आसार दिख रहे हैं। बीआरएस के बागी दूसरे दलों से टिकट पाकर बीआरएस की मुसीबत बढ़ा रहे हैं। पार्टी के चेवल्ला सांसद जी. रंजीत रेड्डी अब कांग्रेस के पाले से ताल ठोक रहे हैं। बीआरएस की 2014 में बनी पहली सरकार में उपमुख्यमंत्री रहे कादियम श्रीहरि अपनी बेटी काव्या के साथ कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं। वह अभी घनपुर स्टेशन से विधायक हैं। कांग्रेस ने काव्या को वारंगल से प्रत्याशी बनाया है। जहीराबाद से बीआरएस के दो बार के सांसद बीबी पाटिल अब यहीं से भाजपा के प्रत्याशी हैं। नागरकुरनूल सुरक्षित सीट से बीआरएस सांसद पी रामुलू भी भाजपा में जा चुके हैं। पार्टी ने उनके बेटे भरत को उतारा है। बीआरएस सांसद बी. वेंकटेश कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। हालांकि, उन्हें टिकट नहीं मिला। बीआरएस विधायक नागेंदर कांग्रेस के टिकट पर सिकंदराबाद से लड़ रहे हैं।बीआरएस के एमएलसी पी महेंद्र रेड्डी पत्नी सुनीता रेड्डी के साथ कांग्रेस में आ गए। सुनीता रेड्डी विखाराबाद की जिला परिषद अध्यक्ष हैं और अब मलकाजगिरि से कांग्रेस की प्रत्याशी हैं। बीआरएस ने पूर्व विधायक ए रमेश को मनाने के लिए खूब खुशामद की। लोकसभा का टिकट तक ऑफर किया, पर उन्होंने चुनाव लड़ने से मना कर दिया। वह अब भाजपा से वारंगल सीट से चुनाव मैदान में हैं। बीआरएस के पूर्व विधायक शनमपुरी सैदि रेड्डी भी अब भाजपा में हैं। उन्हें नलगोंडा से उतारा गया है। सालभर पहले भाजपा में आए बीआरएस के पूर्व सांसद नरसैया गौड़ अब भुवनगिरि से मैदान में हैं।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सलाखों के पीछे वाले पोस्टर हर जगह छाए हैं, लेकिन उसी शराब घोटाले में गिरफ्तार केसीआर की बेटी के कविता का तेलंगाना के चुनाव में कोई जिक्र तक नहीं हो रहा। न भाषणों में, न ही पोस्टर-होर्डिंग में। बीआरएस नेता तक मौन साधे बैठे हैं। केसीआर की सत्ता भ्रष्टाचार के कारण गई है और कविता की गिरफ्तारी उसका जीता-जागता सबूत है। इसी कारण केसीआर भी बेटी का नाम लेने से बच रहे हैं।विधानसभा चुनाव हारने के बाद बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव के आगे कई नेता और जिला इकाइयां पार्टी का नाम फिर तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) करने की मांग उठा चुके हैं। इनकी दलील है कि भारत नाम से तेलंगाना की जनता का आत्मीय जुड़ाव नहीं बन पा रहा है। लिहाजा, लोकसभा चुनाव से पहले इसका नाम बदल लें। हालांकि, यह मांग मानी नहीं गई। दरअसल, केसीआर को राष्ट्रीय नेता बनाने के लिए अक्टूबर 2022 में पार्टी का नाम भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) किया गया था। बीआरएस ने दिल्ली, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और ओड़ीशा तक कार्यालय भी खोले, लेकिन केसीआर की घर में ही सत्ता छिन गई। केसीआर जिन लोगों के साथ मिल कर सत्ता का उपभोग करते रहे और मिल बैठकर सियासी खिचड़ियां पकाते रहे, वे भी केसीआर का साथ छोड़ गए। असदुद्दीन ओवैसी इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं। टीआरएस-बीआरएस के शासनकाल में ओवैसी अपनी समानान्तर सरकार चलाते रहे। केसीआर की सत्ता गई तो ओवैसी ने भी अपना पत्ता समेट लिया और अब कांग्रेस की सरकार के बरक्स हैदराबाद में अपनी सरकार चला रहे हैं।

60 साल बनाम...

इन 60 वर्षों में दुनिया के अनेक देश पूरी तरह से बदल गए, लेकिन कांग्रेस किसानों के खेत तक पानी नहीं पहुंचा पाई। 2014 में करीब 100 सिंचाई परियोजनाएं ऐसी थीं, जो कई दशकों से लटकी पड़ी थीं, इसमें से 26 परियोजनाएं महाराष्ट्र से थीं। सोचिए, कितना बड़ा धोखा कांग्रेस ने महाराष्ट्र को दिया है।महाराष्ट्र की रैली में मौजूद लोगों से प्रधानमंत्री ने कहा, मोदी, देश की पूरी ग्रामीण व्यवस्था में सहकारिता के दायरे को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसलिए 2019 में जब आपने फिर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई, तो हमने पहली बार सहकारिता के लिए अलग मंत्रालय बनाया। 10 साल पहले, जब रिमोट कंट्रोल वाली सरकार चलती थी, तब महाराष्ट्र के कद्दावर नेता कृषि मंत्री थे। जब यहां के कद्दावर नेता दिल्ली में राज करते थे, तब गन्ने का एफआरपी करीब 200 रुपए था और आज मोदी के सेवाकाल में गन्ने का एफआरपी करीब 350 रुपए है।रैली में पीएम मोदी ने देश की नारी शक्ति के योगदानों की सराहना की। उन्होंने बताया कि विकसित भारत बनाने में देश की नारी शक्ति की बहुत बड़ी भूमिका है। बीते दस वर्षों में हमारे प्रयासों से एक करोड़ बहनें लखपति दीदी बनी हैं। पीएम मोदी ने गारंटी देते हुए कहा, मैं 3 करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाऊंगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धाराशिव में रैली को संबोधित करते हुए विपक्ष पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि जो प्रतिद्वंद्वी भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार से मुकाबला करने में असमर्थ हैं, वे टेक्नोलॉजी का दुरुपयोग कर फर्जी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करते हैं। पीएम मोदी ने कहा, विपक्ष की स्थिति अब ऐसी हो चुकी है कि उनका झूठ भी अब काम नहीं कर रहा है। वे एआई की मदद से मेरे चेहरे का इस्तेमाल करके फर्जी वीडियो बनाकर अपनी मोहब्बत की दुकान में बेच रहे हैं।पीएम मोदी ने बाजरा को दुनियाभर में लोकप्रिय बनाने के लिए अपने सरकार के जोर की भी बात की। उन्होंने कहा, मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि बाजरा दुनिया भर में खाने की मेज तक पहुंचे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की तरफ से आयोजित रात्रिभोज में भी बाजरा को मेन्यू में रखा गया था।

अब देश के...

फर्रुखाबाद लोकसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार मुकेश राजपूत के साथ मीटिंग करने वाले मुस्लिमों को नसीहत देते हुए मारिया आलम ने कहा, इतना मतलबी मत बनो कि बच्चों की जिंदगियों से खेलो, हमारे बच्चों की जान से खेलो। बताओ आज कितने लोग सीएए-एनआरसी के मामलों में जेलों में बंद हैं। मुझे खुशी हो रही है कि उन बच्चों के कितने केस सलमान खुर्शीद साहब मुफ्त में लड़ रहे हैं, जो बहुत बड़ी बात है।मारिया ने कहा कि अगर आप हमारा साथ नहीं दोगे और घर बैठ जाओगे, तो हम कुछ नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि हम 100 बार लड़ेंगे और 100 बार हारेंगे, इसलिए आपको हमारा साथ देना ही होगा। मारिया आलम ने एक बार फिर से जोर देकर कहा कि लोग कह रहे हैं संविधान और लोकतंत्र खतरे में है, लेकिन मैं कहती हूं कि इंसानियत खतरे में है। मारिया ने कहा कि अब इंसानियत पर हमले हो रहे हैं और हमें अपने मुल्क को बचाना है। उन्होंने कहा कि अगर गंगा-जमुनी तहजीब को बचाना चाहते हो, तो अकलमंदी से वोट दो, तभी हम मुल्क को बचा पाएंगे।

मुठभेड़ में ...

राज्य के उप मुख्यमंत्री व गृहमंत्री विजय शर्मा ने इस कामयाबी के लिए डीआरजी और एटीएफ समेत सभी को बधाई दी हैं। सुरक्षा बलों की तारीफ करते हुए कहा कि इस पूरे मुठभेड़ में उनके किसी भी जवान को खरोंच तक नहीं आई है। इस बीच श्री शर्मा ने नक्सलियों के सामने शान्ति वार्ता का प्रस्ताव रखा कि नक्सलियों का छोटा या बड़ा कोई भी ग्रुप वीसी या फिर मध्यस्थ के माध्यम से बातचीत करना चाहता हैं तो उनका स्वागत हैं। राज्य सरकार के पास नक्सलियों के पुनर्वास की बेहतर व्यवस्था हैं। इसके तहत तमाम नक्सली आत्मसमर्पण कर जुड़ रहे हैं जो अभी भी नक्सल गतिविधियों में शामिल है वे हिंसा का रास्ता छोडकर समाज की मुख्यधारा से जुड जाएं।

सात राज्यों तक...

असम पुलिस ने जिस रितम सिंह को गिरफ्तार किया है, उससे सघन पूछताछ की जा रही है।

सोशल मीडिया पर केंद्रीय मंत्री का तेजी से वायरल हुआ वीडियो फर्जी पाया गया। वीडियो में शाह एससी-एसटी और ओबीसी आरक्षण खत्म करने की बात करते दिख रहे हैं। जबकि अमित शाह धार्मिक आधार पर मुसलमानों को आरक्षण दिए जाने के खिलाफ अपना विचार व्यक्त कर रहे थे। षडयंत्रकारियों ने उनके वक्तव्य को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक से बदला और उसे सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर वायरल कर दिया। इसमें कांग्रेस के बड़े-बड़े नेताओं का नाम सामने आ रहा है। दिल्ली पुलिस ने एक्स और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को पत्र लिखकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के छेड़छाड़ किए गए वीडियो के स्रोत के बारे में जानकारी मांगी थी। जिसे ऑनलाइन साझा किया गया था। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने बीते रविवार को भारतीय साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (ख4सी) द्वारा शाह के छेड़छाड़ किए गए वीडियो के बारे में शिकायत दर्ज करने के बाद एक एफआईआर दर्ज की थी।दूसरी तरफ मुंबई पुलिस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का फर्जी वीडियो प्रसारित करने के मामले में महाराष्ट्र यूथ कांग्रेस के सोशल मीडिया हैंडल और 16 अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। फर्जी वीडियो में दिखाया गया कि अमित शाह ने आरक्षण हटाने का कथित वक्तव्य दिया था। इस मामले में भाजपा के एक स्थानीय नेता प्रतीक कारपे ने बांद्रा कुर्ला कॉम्पलेक्स स्थित साइबर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि अमित शाह का डीपफेक वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया। शिकायत में कहा गया कि अमित शाह को बदनाम करने की गलत नीयत से इस वीडियो को आरोपियों द्वारा शेयर किया गया। अमित शाह के एक रैली में दिए गए भाषण के वीडियो के साथ छेड़छाड़ करके और डीपफेक तकनीक का इस्तेमाल कर लोगों को बहकाने की कोशिश की गई। शिकायत में मांग की गई कि फर्जी वीडियो को तुरंत सोशल मीडिया से हटाया जाना चाहिए क्योंकि इससे समुदायों में दुश्मनी फैलने का खतरा है। शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने महाराष्ट्र यूथ कांग्रेस के सोशल मीडिया हैंडल और 16 अन्य के खिलाफ आईपीसी और आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।अमित शाह के फर्जी वीडियो के मामले दिल्ली पुलिस भी जांच कर रही है और दिल्ली पुलिस की जांच सात राज्यों तक फैल चुकी है। पुलिस की टीमें सभी जगह नोटिस देने पहुंची हैं। इस मामले में तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी समेत तेलंगाना कांग्रेस के छह लोगों को भी नोटिस भेजा गया है। तेलंगाना सीएम को एक मई को पूछताछ के लिए दिल्ली में पेश होने को कहा गया है। साथ ही तेलंगाना सीएम को अपना मोबाइल और लैपटॉप साथ लाने को भी कहा गया है।

फर्जी वीडियो मामले में कांग्रेस पर बरसे अमित शाह

गुवाहाटी, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। गुवाहाटी में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कांग्रेस पर झूठी खबर फैलाने का आरोप लगाया। अपने फेक वीडियो मामले में भी उन्होंने कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया। तीसरे चरण के मतदान से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम की राजधानी गुवाहाटी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने कई मुद्दों पर बात करते हुए कांग्रेस को घेरा। अमित शाह ने मीडिया को बताया कि लोकसभा चुनाव के दो चरणों के बाद उनकी पार्टी के आंतरिक मूल्यांकन के अनुसार भाजपा और साथी पार्टी मिलकर 100 सीटों से अधिक जीत चुके हैं। उन्होंने आगे कहा कि जनता के आशीर्वाद से उनकी पार्टी 400 के लक्ष्य को पार कर लेगी। इसी के साथ जेडीएस नेता प्रज्वल रेवन्ना मामले में भी उन्होंने पार्टी के रुख को स्पष्ट किया और बताया कि भाजपा देश की मातृशक्ति के साथ है।

फेक वीडियो मामले में अमित शाह ने कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, कांग्रेस की हताशा इस स्तर पर पहुंच गई है कि उसने मेरे और अन्य भाजपा नेताओं के फर्जी वीडियो फैलाए। मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष और अन्य नेताओं ने भी इस फर्जी वीडियो को फैलाने का काम किया। आज कांग्रेस पार्टी के एक बड़े नेता पर आपराधिक मामला चल रहा है। जब से राहुल गांधी ने कांग्रेस की कमान संभाली है, तब से वह राजनीति के स्तर को निचले से निचले स्तर पर ले जाने का काम कर रहे हैं। मुझे लगता है कि जनता का समर्थन पाने के लिए किसी का फर्जी वीडियो नहीं फैलाना चाहिए।विपक्ष पर झूठी खबर फैलाने का आरोप लगाते हुए अमित शाह ने आगे कहा, कांग्रेस हमेशा से ही झूठी खबर फैला रही है कि 400 का आंकड़ा पार करने के बाद भाजपा देश से आरक्षण को खत्म करने वाली है। ये बातें बेबुनियाद और तथ्यहीन हैं। मैं एक बात स्पष्ट करना चाहता हूं कि भाजपा एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण का समर्थन करती है।

प्रियंका गांधी...

यूपी के कई नेताओं और पदाधिकारियों ने कांग्रेस चुनाव समिति के सामने यह प्रस्ताव रखा था कि पार्टी राहुल गांधी को अमेठी और प्रियंका गांधी वाड्रा को रायबरेली से चुनावी मैदान में उतारे, क्योंकि ये दोनों ही सीटें कांग्रेस पार्टी की विरासत के तौर पर देखी जाती हैं। पार्टी पदाधिकारियों का यह भी कहना था कि अगर ऐसा नहीं होता है, तो पार्टी की छवि यूपी में और खराब भी हो सकती है। कांग्रेस पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने इस बार चुनाव न लड़ने का फैसला काफी पहले ही ले लिया था, इसीलिए वह राजस्थान से राज्यसभा पहुंच गईं।

कांग्रेस के जानकार नेताओं का कहना है कि वायनाड से सांसद राहुल गांधी भी अमेठी से चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं। राहुल अपना पूरा फोकस वायनाड की लोकसभा सीट पर ही रखना चाहते हैं। वायनाड में चुनाव हो चुके हैं और वहां राहुल की जीत में सीपीएम के लड़ने से थोड़ा लोचा आ गया है। इसीलिए राहुल के अमेठी से भी चुनाव लड़ने की उम्मीद की जा रही थी। पार्टी ने इस पर अभी कोई निर्णय नहीं लिया है। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी ने लगभग 55 हजार वोटों के अंतर से राहुल गांधी को अमेठी में हरा दिया था। हालांकि राहुल गांधी वायनाड सीट जीतकर लोकसभा पहुंचने में सफल रहे थे।

कांग्रेस नेताओं पर...

यह कांग्रेस का मेनिफेस्टो कह रहा है कि सम्पत्ति को बांट देंगे। और किसको बांटेंगे, जिनको मनमोहन सिंह जी की सरकार ने कहा था कि सम्पत्ति पर पहला अधिकार मुसलमानों का है।

कांग्रेस इन बातों से कैसे इन्कार करेगी? क्या सफाई देगी? क्या पिछले सत्तर साल में, तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति के लिए, कांग्रेस ने देश और हिंदू समाज को दांव पर नहीं लगाया है? क्या आज भी कांग्रेस के इस रवैये में रत्ती भर परिवर्तन हुआ है? क्या बेहद अन्यायकारी वक्फ कानून बनाकर कांग्रेस ने देश की जमीन वक्फ बोर्ड को नहीं बांटी है? कांग्रेस के बनाए इस कानून के कारण मुस्लिम वक्फ बोर्ड इतना ताकतवर हो गया कि मद्रास उच्च न्यायालय को वक्फ बोर्ड से अपनी जमीन बचाने के लिए सर्वोच्च न्यायालय की शरण लेनी पड़ी, आम आदमी की तो बिसात ही क्या।याद रहे कि संप्रग सरकार के समय ही केंद्रीय विद्यालय के प्रतीक चिन्ह में से भारतीय संस्कृति के प्रतीक कमल को हटाकर चांद-तारे तथा क्रॉस से बदला गया था। मोदी के आने से देश में सनातन संस्कृति आने का डर दिखाते कांग्रेस के वर्तमान अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का बयान सोशल मीडिया फोरम पर मौजूद है। उनके बेटे प्रियंक खड़गे और कांग्रेस के सहयोगी स्टालिन सनातन को डेंगू, मलेरिया और न जाने क्या-क्या कहते हैं। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की सहयोगी समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता रामगोपाल यादव पूजा-पाठ करने वालों को पाखंडी कहते हैं। दक्षिण के राज्यों में कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने मुसलमानों को सरकारी आरक्षण दे रखा है। अभी हाल ही में कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने मुस्लिम सरकारी कर्मचारियों को रमजान के महीने में जल्दी घर जाने की अनुमति दे दी। क्या हिंदू कर्मचारी इस तरह की कृपा की अपेक्षा कर सकता है? और इस तरह की छूट दी ही क्यों जानी चाहिए?

मोदी ने कांग्रेस और उसके साथी दलों की बांग्लादेशी घुसपैठियों पर मेहरबानियों का मुद्दा उठाया। कांग्रेस इसे सांप्रदायिक बयान कहकर पल्ला झाड़ना चाह रही है, लेकिन सच कैसे छुपेगा। भारत में बांग्लादेश से आने वाले घुसपैठियों के प्रति कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की नीति सिर्फ और सिर्फ तुष्टीकरण और देश की कीमत पर वोट बैंक बचाने की रही है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने घुसपैठ को रोकने का कोई प्रयास नहीं किया, उलटा घुसपैठ का पोषण किया। उन्हें राशन कार्ड और वोटर आईडी बनवाकर दिए। 1983 में कांग्रेस सरकार घुसपैठ रोकने के नाम पर आईएमडीटी एक्ट लेकर आई, परंतु वास्तव में यह कानून घुसपैठियों को निकालने की जगह मानो उन्हें भारत में अच्छी तरह बसाने के लिए ही बना था। यह कानून अपनी भारतीय नागरिकता सिद्ध करने की जिम्मेदारी घुसपैठियों पर नहीं, बल्कि सूचना देने वाले नागरिक पर डालता था। घुसपैठिए से कोई विवरण नहीं मांगा जाता था।

जांच करने वाले अधिकारी को आरोपित घुसपैठिए के निवास स्थान की जांच करने का भी अधिकार नहीं था। न ही वह उस पर सूचना देने के लिए कोई दबाव डाल सकता था। शिकायत करके अपना राष्ट्रीय कर्तव्य निभाने वाले नागरिक को भी यह कानून किसी प्रकार की कोई सहायता नहीं देता था, बल्कि इस पर शिकायत पत्र के साथ शुल्क भी देने की जिम्मेदारी डालता था। इतना ही नहीं, यदि शिकायतकर्ता अपनी बात को सिद्ध नहीं कर पाया तो उलटे उस पर ही मुकदमा चलाने का भी प्रावधान था। 2005 में सर्वोच्च न्यायालय ने इस कानून को रद्द कर दिया। इस कानून को रद्द करते समय न्यायालय ने चाणक्य को उद्धृत करते हुए तत्कालीन कांग्रेस सरकार को याद दिलाया था कि बाहरी आक्रमणों और देशद्रोही गतिविधियों से राज्य को सुरक्षित रखना शासन की जिम्मेदारी है।

जहां एक ओर कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, वामपंथी, सपा, राजद, डीएमके आदि दलों ने बांग्लादेशी घुसपैठ पर चुप्पी साथ कर अपने-अपने राज्यों में घुसपैठियों को संरक्षण दिया, वहीं पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के अल्पसंख्यक हिंदू, बौद्ध, जैन, सिख, पारसी और ईसाई पीड़ितों को भारत की नागरिकता देने वाले सीएए कानून का विरोध किया। जब शाहीनबाग और देश में दूसरे सैकड़ों स्थान पर जेहाद की आग सुलगाई जा रही थी, तब ये सभी तथाकथित सेकुलर दल उस पर राजनीति की रोटियां सेक रहे थे। जबकि यह कानून 1948 में कांग्रेस द्वारा किए गए वादे को ही पूरा करता है। लेकिन दो जून की रोटी के फेर में लगे समाज को बहलाकर, कुछ समय बाद यह वादा सेकुलरिज्म की भेंट चढ़ा दिया गया।

इसीलिए बाटला हाउस मुठभेड़ और फिलिस्तीन पर आंसू बहाने वाले सेकुलरों का दिल पाकिस्तान में अपहृत की जाने वाली 8, 10 और 12 साल की उन हिन्दू बच्चियों के आंसुओं से नहीं पिघला, जिन्हें उनके मां-बाप से छीन कर जबरिया इस्लाम कबूल करवा कर उनका निकाह करवा दिया गया। हर सभा में मतदाताओं से उनकी जाति पूछने वाले राहुल गांधी को इस बात से भी कोई मतलब नहीं कि इन पीड़ित पाकिस्तानी हिंदुओं में से 90 प्रतिशत अनुसूचित जाति और जनजाति के हैं। चाहे वह हिंदू हित हो या महिला हित, कांग्रेस और उसके जैसे सेकुलरिज्म के ठेकेदारों ने वोट बैंक को हमेशा ऊपर रखा। वे तीन तलाक के साथ खड़े रहे, हलाला का मौन समर्थन करते रहे।

अनुच्छेद 370 मुस्लिम तुष्टिकरण के अलावा और क्या था? देश के स्वाधीन होने पर भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम नामक जिस कानून के अंतर्गत 562 रियासतों का भारत में विलय हुआ ठीक उसी कानून और इस प्रक्रिया के तहत जम्मू- कश्मीर का भी भारत में विलय हुआ, लेकिन चूंकि कश्मीर घाटी मुस्लिम बहुल थी, इसलिए जम्मू-कश्मीर के लिए विशेष प्रावधान अनुच्छेद 370 के रूप में किया गया। अनुच्छेद 370 को तथाकथित कश्मीरियत के संरक्षण के लिए आवश्यक बताया जाता रहा। यह कश्मीरियत पंजाब की पंजाबियत या महाराष्ट्र की महाराष्ट्रियत से कितनी अलग थी? इस कश्मीरियत में हिंदू बहुल जम्मू के लिए कोई जगह नहीं थी।

अनुच्छेद 370 की आड़ में जम्मू के साथ घोर भेदभाव किया जाता रहा। आबादी और क्षेत्रफल अधिक होने के बावजूद जम्मू को 11 विधानसभा सीटें कम दी गईं। एक लोकसभा सीट भी कम रही। शिक्षा, चिकित्सा, प्रशासनिक तथा राजनीतिक प्रतिनिधित्व, जम्मू के साथ हर प्रकार का भेदभाव किया गया। कश्मीरी हिंदुओं के साथ जो हुआ, वह सर्व ज्ञात है। इसके अलावा पाकिस्तान की सेना और कबाइलियों की मारकाट से जान बचाकर राज्य में आए 2 लाख हिंदू शरणार्थियों, छंब से विस्थापित एक लाख लोगों और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से आए 8 लाख विस्थापितों को भी 70 साल तक मूलभूत अधिकारों से वंचित रखा गया। उन्हें संविधान प्रदत्त अनुसूचित जाति-जनजाति आरक्षण से भी वंचित रखा गया। घाटी से विस्थापित कश्मीरी हिंदू दर-दर की ठोकरें खाते रहे और कश्मीरी हिंदुओं का हत्यारा यासीन मलिक प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के साथ हाथ मिलाते हुए फोटो खिंचवाता रहा। कश्मीरी हिंदुओं के प्रति यह बेदर्दी आज भी नहीं बदली। पहली बार कश्मीरी हिंदुओं के ऊपर हुए अत्याचारों के बारे में बताने वाली एक फिल्म कश्मीर फाइल्स जब आई तो कांग्रेस समेत इंडी नेताओं ने उसे झूठ का पुलिंदा बताया।2005-06 आते-आते कांग्रेस की नीतियां पाकिस्तान के प्रति नरम से नरम होती चली गईं। सोनिया-मनमोहन की सरकार ने पाकिस्तान के तत्कालीन तानाशाह परवेज मुशर्रफ और सेना प्रमुख अशफाक कियानी के साथ ट्रैक-2 कूटनीति को आगे बढ़ाया। इस समझौते के मुख्य बिंदु थे- 1. नियंत्रण रेखा यानी एलओसी को ही अंतरराष्ट्रीय सीमा मान लेना। 2. भारत-पाकिस्तान सीमा को बंधन एवं नियंत्रण मुक्त बनाना। 3. कश्मीर घाटी में सेना घटाना और भारत के लिए सामरिक दृष्टि से अति महत्वपूर्ण सियाचिन से भारत का सैन्य कब्जा छोड़ देना। 4. साझा नियंत्रण। 5. सीमा के दोनों ओर जम्मू-कश्मीर क्षेत्र को अधिक स्वायत्तता देना।इस गुप्त बातचीत की भनक जब सेना और राष्ट्रीय विचार के लोगों और संगठनों तक पहुंची तो इसका विरोध शुरू हुआ। तब संप्रग सरकार इससे पीछे हट गई। हद तो तब हो गई जब मुंबई पर 26/11 का भीषण आतंकी हमला हुआ और उसमें पाकिस्तान का स्पष्ट हाथ सामने आया। ऐसे समय पाकिस्तान पर किसी तरह की कोई कार्रवाई करने के स्थान पर केवल बयानबाजी की गई और अजीज बर्नी नामक पत्रकार ने आरएसएस की साजिश 26 /11 नामक किताब लिखी, जिसमें पाकिस्तान को क्लीनचिट देते हुए आतंकी हमले के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ भारत की सुरक्षा एजेंसियों को भी जिम्मेदार ठहराया गया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने उस पुस्तक का लोकार्पण किया था। कांग्रेसी नेता दिग्विजय सिंह ओसामा जी और हाफिज सईद साहेब जैसे संबोधन दिया करते थे। कांग्रेस और उसके इंडी गठबंधन के सहयोगियों ने सेना की सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल उठाए। कुछ लोग इस हद तक चले गए कि उन्होंने पुलवामा हमले को भारत सरकार द्वारा करवाया गया हमला बताने की कोशिश की। कांग्रेसी नेता संदीप दीक्षित ने सेना प्रमुख को सड़कछाप गुंडा तक कह डाला था।कांग्रेस और तथाकथित सेकुलर दलों के तुष्टिकरण की हरकतों की यह सारी चर्चा अधूरी रह जाएगी यदि सोनिया-मनमोहन सरकार के सांप्रदायिक एवं लक्षित हिंसा विधेयक 2011 की चर्चा न की जाए। तथाकथित अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के नाम पर लाया गया यह विधेयक यदि कानून बन जाता तो भारत के हिंदुओं के गले की फांस बन जाता। यह विधेयक इसमें वर्णित समूह के सदस्यों को विशेष अधिकार देता था। इसकी समूह की परिभाषा के अंतर्गत मजहबी अल्पसंख्यक जैसे मुस्लिम, ईसाई तथा भाषाई अल्पसंख्यक तथा अनुसूचित जाति और जनजाति को रखा गया था। वास्तव में, विधेयक में भाषाई अल्पसंख्यक तथा अनुसूचित जाति और जनजाति को मुखौटे के रूप में रखा गया था, क्योंकि भाषाई अल्पसंख्यक जैसी चीज या इस प्रकृति के विवाद भारत के समाज में नहीं हैं, और अनुसूचित जाति और जनजाति के ऊपर किसी भी प्रकार के अत्याचार को रोकने के लिए कानून बना हुआ है।

पुलिस में भी इस हेतु विशेष व्यवस्था है। व्यावहारिक पक्ष को देखें तो इस विधेयक में हिंदुओं के भावी अपराधों की सूची पहले से तैयार कर दी गई थी जैसे समूह के सदस्यों के व्यापार या व्यवसाय का बहिष्कार करना या उसके जीवन को दूभर बनाना। समूह के सदस्यों का सार्वजनिक सेवाओं जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा आदि में बहिष्कार करना। समूह के सदस्यों को मौलिक अधिकारों से वंचित करना या उसके लिए धमकी देना, उसका अपमान करना या ऐसा कोई कार्य जो समूह के सदस्य के प्रति कटुतापूर्ण वातावरण बनाता हो। अब ये सारे ऐसे प्रावधान थे कि किसी भी राह चलते व्यक्ति को सूली पर चढ़ाया जा सकता था।

यह विधेयक पुलिस और नौकरशाही पर एकतरफा कार्रवाई करने के लिए अनुचित दबाव बनाता था। इसमें सांप्रदायिक दंगे की व्याख्या भी इस प्रकार से की गई थी कि व्यावहारिक रूप में, कोई दंगा केवल तभी सांप्रदायिक दंगा माना जाता यदि उसमें अल्पसंख्यक वर्ग का नुकसान होता। यदि बहुसंख्यक वर्ग का नुकसान होता तो विधेयक उसे सांप्रदायिक नहीं मानता था। किसी महिला के साथ अत्याचार होने पर यह विधेयक उनमें भी मजहब के आधार पर फर्क करता था।

आज से 6 वर्ष पहले केरल कांग्रेस के सदस्यों ने सड़क पर गाय के गले पर छुरी चलाते हुए यूथ कांग्रेस जिंदाबाद के नारे लगाए थे, और गोमांस का भोज किया था। आज कांग्रेस अपने घोषणापत्र में अल्पसंख्यकों को खाने-पीने की आजादी देने की बात कर रही है। यह वोट बैंक और तोड़फोड़ की राजनीति का भरोसा है। इसी वोट बैंक के भरोसे कांग्रेस राम सेतु को तोड़ने, श्रीराम को काल्पनिक कहने और राम मंदिर के लोकार्पण कार्यक्रम का बहिष्कार करने का साहस रखती है। यह साधारण बात नहीं कि एक तरफ राजनीतिक हितों और वोट बैंक की राजनीति के लिए अदालत में राम जन्मभूमि के मामले को दशकों तक लटकाया जाता रहा और यहां हिंदू समाज के जले पर नमक छिड़कते हुए कहा जाता रहा, मंदिर वहीं बनाएंगे पर तारीख नहीं बताएंगे।और जब 500 साल की प्रतीक्षा के बाद राम मंदिर के लोकार्पण का अवसर आया तो सेकुलर राजनीति के नाम पर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के आमंत्रण को ठुकरा दिया गया।

इसी के भरोसे इफ्तार पार्टियों में जालीदार टोपी लगाकर पहुंचने वाले जो मंदिर जाते हैं, बाद में वही लड़की छेड़ते हैं जैसा बयान देते हैं। न्याययात्रा के दौरान राहुल गांधी का बयान खूब वायरल हुआ था, जिसमें वे चीख रहे थे जय श्रीराम, जय श्रीराम, जय श्रीराम, इन लोगों को कोई काम नहीं, मंदिर जाना है और भूखे मरना है। क्या राहुल गांधी कभी ऐसा भी कह सकते हैं, इन लोगों को और कोई काम नहीं, नमाज पढ़ना है, और भूखे मरना है! इंडी गठबंधन के दल हिंदू मंदिरों पर टैक्स लगाकर मुस्लिम संस्थाओं को बांटते रहे, हज हाउस बनवाते रहे। ममता बनर्जी मौलवियों और मुअज्जिनों को वेतन देती रही। सीएए कानून का इसलिए विरोध, क्योंकि पीड़ित हिंदू हैं। समान नागरिक संहिता का विरोध, क्योंकि मुस्लिम मतों के ठेकेदार ऐसा नहीं चाहते। गोधरा में ट्रेन में जिंदा जलाए गए कारसेवकों पर एक शब्द नहीं। कश्मीरी हिंदुओं के लिए एक आंसू नहीं। ये गट्ठा वोट बैंक का भरोसा है।जब राहुल ने देश के नागरिकों की सम्पत्ति का हिसाब-किताब करने की बात की तो अमेरिका में बैठे उनके उस्ताद सैम पित्रोदा ने राहुल की बात में अमेरिकी वजन डालने के लिए बयान दे डाला कि अमेरिका में पैतृक सम्पत्ति पर 55 प्रतिशत विरासत टैक्स लगता है और अमेरिकी लोग अपनी सम्पत्ति का केवल 45 प्रतिशत अपने बच्चों को दे सकते हैं। इससे बवाल मच गया। अब बात बिगड़ती देख कांग्रेस पार्टी सैम पित्रोदा के बयान से पल्ला झाड़ रही है और राहुल गांधी के बयान पर चुप है। राहुल तथ्यहीन, झूठे बयान देने के लिए प्रसिद्ध हैं।अपने बयानों पर देश की सर्वोच्च अदालत में जाकर माफी भी मांग चुके हैं। चीन की तानाशाह कम्युनिस्ट पार्टी से गुप्त समझौता (जिस समझौते की विषयवस्तु आज भी देश को पता नहीं है) करने वाले राहुल गांधी बयान देते रहे कि चीन ने भारत की जमीन पर कब्जा कर लिया है। अब कहते घूम रहे हैं कि हमारे सैनिक अग्निवीर चीन की सेना के सामने टिक नहीं पाएंगे। पिछले चुनाव में उन्होंने राफेल लड़ाकू विमानों पर इतना रायता फैलाया कि सर्वोच्च न्यायालय को दखल देना पड़ा। लेकिन सैम पित्रोदा, जो कांग्रेस के थिंक टैंक और राहुल के मार्गदर्शक कहलाते हैं, भी राहुल की तरह ही बयान दे रहे हैं। सैम पित्रोदा ने अमेरिका के जिस पैतृक सम्पत्ति कानून की बात की है, उसकी सचाई कुछ और है।अमेरिका में 50 राज्य हैं, उनमें से सिर्फ 6 में यह कानून है, और टैक्स की दर 20 प्रतिशत है न कि 55 प्रतिशत, जैसा कि सैम पित्रोदा ने बयान दिया है। इन 6 अमेरिकी राज्यों में से एक आयोवा 2025 में इस कानून को समाप्त भी करने जा रहा है। इतना ही नहीं, इन 6 राज्यों में भी, निकटतम संबंधियों को इस कर से छूट भी दी जाती है।

पति या पत्नी पर भी यह कर नहीं लगता। इस सबके अलावा भारत और अमेरिका की परिवार व्यवस्था, आर्थिक-सामाजिक ढांचे, कृषि, उद्योग-व्यापार में भी बहुत भिन्नता है। लेकिन राहुल को इस सबसे क्या? वे हॉलीवुड की वाइल्ड वेस्ट फिल्मों के उस चरित्र की तरह हैं, जो गन फाइट में बड़ी अदा के साथ कमर पर बंधी पिस्तौल निकालते हैं, लेकिन ट्रिगर दबने पर गोली किसको लगेगी, या उनके खुद के ही पैर पर लगेगी, इसका कोई ठिकाना नहीं होता।वे अपनी सीमाओं को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं, और सब कुछ जानते बूझते, देश को मजहबी उन्माद, तुष्टीकरण और नक्सली एजेंडे की आग में झोंकने पर आमादा हैं। तुष्टीकरण की राजनीति की जनक कांग्रेस अपनी जैसी सोच वाले सियासतदाओं के साथ नक्सली सोच और जिहादी मंसूबे लिए, खोया हुआ तख्त पाने को बेचैन है।

इंदौर संभाग की टीम ने बनाया अनोखा रिकार्ड, 241 ओवर में बनाए 1155 रन

इंदौर, 30 अप्रैल (एजेंसियां) ।

क्रिकेट में रनों की भूख क्या होती है यह इंदौर के बल्लेबाजों को देखकर समझा जा सकता है, जो पिछले तीन दिनों से लगातार बल्लेबाजी कर रहे हैं। अब तक 1155 रनों का स्कोर बन चुका है और पारी अभी भी जारी है। यह मैच भी कोई ऐसा-वैसा नहीं है, बल्कि मप्र क्रिकेट संगठन (एमपीसीए) द्वारा सीनियर खिलाड़ियों के लिए आयोजित एमवाय मेमोरियल ट्राफी का फाइनल है। सामने सागर की टीम है जो इतनी असहाय है कि विकेटकीपर सहित सभी 11 खिलाड़ी गेंदबाजी कर रहे हैं, मगर सफलता नहीं मिल रही। प्रदेश में घरेलू क्रिकेट में सबसे बड़े स्कोर का कोई आधिकारिक रिकार्ड नहीं है, लेकिन लंबे समय से इतना बड़ा स्कोर नहीं देखा गया। फिलहाल इंदौर की बढ़त 1046 रनों की हो चुकी है। शहर के होलकर स्टेडियम पर मैच के तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक इंदौर ने 241 ओवर के खेल में पांच विकेट खोकर 1155 रन बना लिए हैं। टीम के लिए करण तेहलानी 355 रनों की अविजित पारी खेलते हुए क्रीज पर डटे हैं। अब तक 480 गेंदों का सामना करते हुए 25 चौके और एक छक्का लगा चुके हैं। वे करीब साढ़े 10 घंटे से खेल रहे हैं। दूसरे छोर पर अनिल मौर्य नाबाद 118 रन बना चुके हैं। अनिल भी 12 चौके और दो छक्के लगा चुके हैं। इनके अलावा चंचल राठौर (282 रन, 24 चौके, तीन छक्के) के दोहरे शतक के साथ हर्ष गवली (102 रन, छह चौके, तीन छक्के) और सागर सोलंकी (117 रन, 10 चौके, पांच छक्के) भी शतकीय पारियां खेल चुके हैं।

तीन दिन से बल्लेबाजी - मैच के पहले दिन सागर की टीम 31 ओवर में 109 रनों पर सिमट गई थी। इसके बाद इंदौर की टीम बल्लेबाजी कर रही है।

करण पर लग चुका है प्रतिबंध - करण को एमपीसीए ने उम्र संबंधित गलत दस्तावेज के चलते सितंबर 2018 में दो साल के लिए प्रतिबंधित किया था। किसी भी आयु में प्रतिबंध लगने से खिलाड़ी आयु वर्ग की टीम में नहीं खेल पाता और उसे सीधे सीनियर वर्ग में खेलना होता है। वापसी के बाद दो शतक लगाए, लेकिन पैर में फ्रेक्चर के कारण फिर लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रहे। विकेट अच्छा है और मैं सिर्फ अपनी बल्लेबाजी का आनंद ले रहा हूं। मैच में अभी दो दिन शेष है। हम आगे भी खेलना जारी रखेंगे और जितना संभव हो बड़ा स्कोर बनाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए इन दो स्पेशल गेस्ट ने किया न्यूजीलैंड की टीम का ऐलान

नई दिल्ली। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आगाज 1 जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका की मेजबानी में होना है। इस मेगा इवेंट से पहले न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने अपनी स्क्वॉड का एलान कर दिया है। न्यूजीलैंड की टीम ने दो बच्चों से अपनी टीम का एलान करवाई, जिसकी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। बच्चों में लड़की का नाम मटिल्डा और लड़के का नाम एंगस है। इन दो बच्चों ने न्यूजीलैंड की टीम का जिस तरह से एलान किया, उसकी हर जगह तारीफ की जा रही है। यह वीडियो फैंस को काफी पसंद आ रहा है। न्यूजीलैंड टीम के कई खिलाड़ी मौजूदा समय में आईपीएल खेलने में व्यस्त हैं। इस बीच टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम की घोषणा हुई। न्यूजीलैंड की टीम ने सबसे पहले टी20 विश्व कप के लिए टीम का एलान किया। न्यूजीलैंड की टीम की कप्तानी केन विलियमसन को दी गई। इसके अलावा वनडे विश्व कप 2023 में शानदार बैटिंग करने वाले रचिन रविंद्र को भी टी20 विश्व कप में कीवी टीम में जगह मिली। रचिन और मैट हेनरी पहली बार टी20 विश्व कप में खेलेंगे। बेन सियर्स को 16वें ट्रैवलिंग रिजर्व के रूप में शामिल किया गया है। बता दें कि टी-20 वर्ल्ड कप में कुल 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिसमें कीवी टीम ग्रुप-सी का हिस्सा है। न्यूजीलैंड की टीम अपने टूर्नामेंट का आगाज 7 जून से करेगी, जिसके लिए कीवी टीम का एलान हो चुका है। इससे पहले वनडे वर्ल्ड कप 2023 में भी न्यूजीलैंड ने अपनी टीम का ऐलान शानदार अंदाज में किया था।

नडाल मैड्रिड ओपन के चौथे दौर में

मैड्रिड। पांच बार के चैंपियन राफेल नडाल ने चोट से वापसी जारी रखते हुए मैड्रिड ओपन के चौथे दौर में जगह बना ली है। स्पैनियार्ड ने 2022 के बाद पहली बार किसी टूर-स्तरीय कार्यक्रम में चौथे दौर में पहुंचने के लिए पेड्रो कैचिन को 6-1, 6-7(5), 6-3 से हराया। नडाल ने खुद को अर्जेंटीना के कैचिन के साथ लड़ाई में फंसा हुआ पाया। पहले सेट में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद, उन्होंने दूसरा सेट टाई ब्रेक में गंवाया लेकिन निर्णायक सेट में फिर वह अपने सर्वश्रेष्ठ पर थे। नडाल ने तीन घंटे और चार मिनट की कड़ी लड़ाई में जीत हासिल कर ली। 37 वर्षीय खिलाड़ी साल के अपने तीसरे टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, पिछले हफ्ते बार्सिलोना में दूसरे दौर में हार गए थे। विश्व नंबर 91 कैचिन के खिलाफ अपनी जीत के साथ, नडाल ने 2005 के बाद से एटीपी रैंकिंग में शीर्ष 50 से बाहर के खिलाड़ियों के खिलाफ अपने क्ले-कोर्ट रिकॉर्ड को 162-1 तक सुधार लिया। एटीपी आँकड़ों के अनुसार, उस 19 साल की अवधि में उनकी एकमात्र हार नंबर 73 होरासियो ज़ेबालोस के खिलाफ विना डेल मार में आई थी। नडाल की नज़र तुरंत अपनी अगली चुनौती पर चली जाएगी। अंतिम सोलह में स्पैनियार्ड का सामना चेक खिलाड़ी जिरी लेहेका से होगा। नडाल के पास मैड्रिड में 59-14 का टूर्नामेंट रिकॉर्ड है और जब वह लेहेका से खेलेंगे तो उनका लक्ष्य स्पेनिश राजधानी में अपने लगातार 10वें क्वार्टर फाइनल में पहुंचने का होगा।

चीन के आगे फीका पड़ा भारत का युवा जोश, उबेर कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में 5-0 से हारी भारतीय महिला टीम

चेंगदू (चीन)। कनाडा और सिंगापुर के खिलाफ लगातार मुकाबलों में जीत के साथ क्वार्टर फाइनल के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुकी भारतीय टीम ने अश्मिता चालिहा को 15 बार की चैंपियन टीम के खिलाफ मुकाबले में नहीं उतारा। भारत की महिला टीम को चेंगदु में चल रहे उबेर कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के ग्रुप ए मैच में चीन ने 5-0 से रौंद दिया। युवा सनसनी अनमोल खरब टखने में चोट के कारण आंखों में आंसुओं के साथ कोर्ट से हटना पड़ा। कनाडा और सिंगापुर के खिलाफ लगातार मुकाबलों में जीत के साथ क्वार्टर फाइनल के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुकी भारतीय टीम ने अश्मिता चालिहा को 15 बार की चैंपियन टीम के खिलाफ मुकाबले में नहीं उतारा। भारत इस टूर्नामेंट में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू के बिना खेल रहा है जिन्होंने टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया।

लखनऊ ने मुंबई को अदब से हराया

चार गेंद शेष रहते चार विकेट से दी करारी शिकस्त

लखनऊ 30 अप्रैल (एजेंसियां)। चुस्त क्षेत्ररक्षण और सधी हुई गेंदबाजी के बाद मार्कस स्टायनिस (62) की केएल राहुल (28) और दीपक हुड्डा (18) के साथ टिकाऊ साझीदारी की मदद से लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने मंगलवार को यहां मुंबई इंडियंस को चार गेंद शेष रहते चार विकेट से हरा दिया।

इकाना की कठिन पिच पर लखनऊ की तरह मुंबई के गेंदबाजों ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया और 144 रनों के छोटे स्कोर का बचाव करने का जज्बा दिखाया जिसके चलते 45 हजार दर्शकों को गेंद और बल्ले के बीच एक रोमांचक मुकाबला देखने को मिला।

पदार्पण मैच खेल रहे अर्शीन कुलकर्णी पहली ही गेंद पर बगैर खाता खोले आउट हो गये जिसके बाद स्टायनिस ने कप्तान का बखूबी साथ दिया और 45 गेंदों की अर्धशतकीय पारी में सात चौके और दो छक्के लगाकर अपनी टीम को संघर्ष में बनाए रखा हालांकि उनके इस प्रयास में कप्तान राहुल और हुड्डा ही साथ दे सके। मध्य क्रम में अनुभवी निकोलस पूरन (14 नाबाद) ने पुछल्ले बल्लेबाजों की मदद से टीम को जीत दिलाने में महती भूमिका अदा की।

बल्ले से असफल रहने वाले मुंबई के कप्तान हार्दिक पांड्या ने दो विकेट झटक कर अपनी टीम की जीत की उम्मीदों को हवा दी मगर मामूली स्कोर को बचा पाने में उनकी टीम असफल रही।

इससे पहले इशान किशन (32) और नेहाल बढेरा (46) की मुश्किल हालात में खेली गयी उपयोगी पारियों की मदद से मुंबई ने मेजबान लखनऊ के खिलाफ सात विकेट पर 144 रन बनाए। इकाना स्टेडियम पर टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई की शुरुआत निराशाजनक रही जब पहले पावर प्ले में लखनऊ के गेंदबाजों ने रोहित शर्मा (4), सूर्य कुमार यादव (10), तिलक वर्मा (7) और कप्तान हार्दिक पांड्या (0) के विकेट सस्ते में समेट दिये और छह ओवर के बाद मुंबई का स्कोर चार विकेट पर 28 रन हो गया।

कठिन समय में सलामी बल्लेबाज इशान किशन ने नये बल्लेबाज नेहाल बढेरा के साथ पारी को आगे बढ़ाया और पांचवे विकेट के लिये महत्वपूर्ण 53 रन जुटाये। इस बीच पारी के नौवें ओवर में मयंक यादव की गेंद पर इशान का कैच टर्नर ने टपकाया। उस समय इशान सिर्फ सात रन बना सके थे। पारी के 14वें ओवर में रवि विश्नोई की गेंद पर मयंक ने शार्ट थर्ड मैन पर इशान को लपक कर उनकी जुझारु पारी का अंत किया।

उधर बढेरा ने नये बल्लेबाज टिम डेविड (35) के साथ मुंबई का संघर्ष जारी रखा और दोनो बल्लेबाजों ने टीम का स्कोर 112 रन कर दिया। इस बीच बढेरा को मोहसिन खान ने क्लीन बोल्ड आउट कर मेहमानों को करारा झटका दिया। उन्होने 41 गेंदों की पारी में चार चौके और दो छक्के लगाये।

मयंक यादव ने अपने स्पेल के आखिरी ओवर में नये बल्लेबाज मोहम्मद नवी को अपना पहला शिकार बनाया मगर इसके बाद मासंपेशियों में खिंचाव के चलते मयंक और गेंदबाजी नहीं कर सके और उन्हे मैदान के बाहर जाना पड़ा।

लखनऊ की ओर से मोहसिन खान 36 रन पर दो विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज साबित हुये जबकि मार्कस स्टायनिस, रवि विश्नोई,मयंक यादव और नवीन उल हक को एक एक विकेट मिला। तिलक वर्मा रवि विश्नोई के सीधे थ्रो के कारण रन आउट हुए।

बटलर की अगुवाई वाली इंग्लैंड की 15 सदस्यीय टीम में आर्चर भी शामिल

लंदन, 30 अप्रैल।

तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को जोस बटलर की अगुवाई वाली 15 सदस्यीय प्रारंभिक टीम में नामित किया गया है, जो वेस्टइंडीज और यूएसए में शुरू होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 में गत चैंपियन इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। जोफ्रा आर्चर अपनी दाहिनी कोहनी की चोट से उबरने के बाद एक साल में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे। 2021 के बाद से, उन्हें कई चोटों का सामना करना पड़ा है जिसमें फ्रैक्चर और बार-बार कोहनी की समस्याओं से लेकर फिश टैंक से जुड़ी दुर्घटना के बाद सर्जरी से गुजरना शामिल है। 29 वर्षीय तेज गेंदबाज की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आखिरी उपस्थिति एक साल पहले मार्च 2023 में इंग्लैंड के बांग्लादेश दौरे पर हुई थी।

बाएं हाथ के स्पिनिंग ऑलराउंडर टॉम हार्टले एकमात्र अनकैप्ड खिलाड़ी हैं, वहीं विल जैक एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने पहले आईसीसी विश्व टूर्नामेंट में भाग नहीं लिया था। सभी टीमों को 25 मई तक अपनी टीमों में बदलाव करने की अनुमति है, जिसके बाद किसी भी बदलाव के लिए आईसीसी की इवेंट तकनीकी समिति से अनुमोदन की आवश्यकता होगी। इसके अलावा, यह टीम अगले महीने लीड्स में चार मैचों की टी20 सीरीज में भी पाकिस्तान से भिड़ेगी। इंग्लैंड क्रिकेट ने कहा कि चयनित खिलाड़ी, जो वर्तमान में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेल रहे हैं, पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला के लिए समय पर लौट आएंगे, जो 22 मई को हेडिंग्ले में शुरू हो रही है। विश्व कप टीम 4 जून को केंसिंग्टन ओवल, बारबाडोस में स्कॉटलैंड के खिलाफ इंग्लैंड के शुरुआती ग्रुप मैच से पहले 31 मई को कैरेबियन के लिए उड़ान भरेगी।

इंग्लैंड प्रोविजनल आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप और टी20 टीम बनाम पाकिस्तान टीम:

जोस बटलर (कप्तान), मोइन अली, जोफ्रा आर्चर, जोनाथन बेयरस्टो, हैरी ब्रूक, सैम करेन, बेन डकेट, टॉम हार्टले, विल जैक, क्रिस जॉर्डन, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, रीस टॉपले और मार्क वुड।

पीसीबी ने चैंपियंस ट्रॉफी का कार्यक्रम आईसीसी के पास भेजा, भारत सहित सभी टीमों के मैच पाक में ही रखे गये

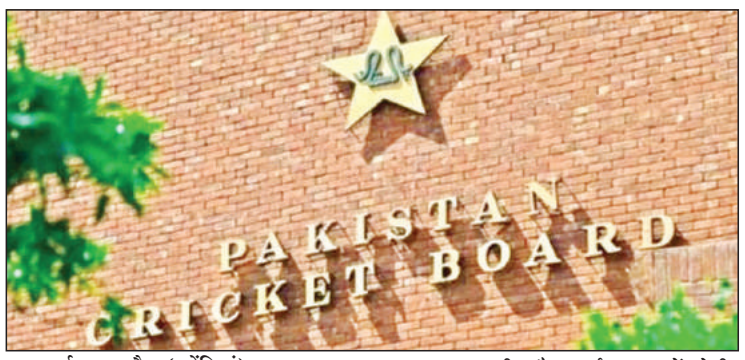

दुबई, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी में भारत सहित सभी टीम के मैच पाक में ही रखें है जबकि भारतीय टीम के वहां जाने की कोई संभावना नहीं हैं। पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस टूर्नामेंट का कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को भी भेजा है। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा कि पूरे पूरे टूर्नामेंट की मेजबानी पाक करेंगा और किसी भी टीम के मैच तटस्थ स्थल पर कराने की कोई योजना नहीं है। चैंपियंस ट्रॉफी के इस नौवें सत्र में शीर्ष 8 एकदिवसीय टीमें शामिल होंगी। इस टूर्नामेंट की शुरुआत फरवरी और मार्च 2025 में होगी। नकवी ने कहा कि पीसीबी ही इस पूरे टूर्नामेंट की मेजबानी करना चाहता है। नकवी ने कहा कि, हम पाक में पूरी चैंपियंस ट्रॉफी चाहते हैं। इसी कारण हमने आईसीसी को कार्यक्रम भेज दिया है। जहां तक सुरक्षा की बात है आईसीसी की टीम ने पाक का दौरा किया था और वह हमारे सुरक्षा इंतजामों से संतुष्ट दिखी है। पीसीबी को उम्मीद है कि भारतीय टीम इसमें शामिल होगी। हालांकि उसकी उम्मीदें पूरी होने की कोई संभावना नहीं है। इसका कारण है कि भारतीय टीम सुरक्षा कारणों से शायद ही पाक का दौरा करे।

कुश्ती संघ ने इस्तांबुल में ओलंपिक क्वालिफायर टीम में नहीं किया कोई बदलाव, दीपक-सुजीत इस्तांबुल जाएंगे

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारतीय कुश्ती महासंघ ने फैसला लिया है कि नौ से 12 मई को इस्तांबुल (तुर्किये) में होने वाले अंतिम ओलंपिक क्वालिफायर में वही टीम खेलेगी जो पहले ओलंपिक क्वालिफायर में खेली थी। टीम के चयन के लिए समय कम होने के कारण कोई ट्रायल नहीं कराया जाएगा। बिश्केक (किर्गिस्तान) में हुए पहले ओलंपिक ट्रायल में दीपक पूनिया (86 भार वर्ग) और सुजीत कलकल (65) दुबई एयरपोर्ट पर फंस जाने के कारण नहीं खेल पाए थे। इस बार दोनों पहलवान अंतिम क्वालिफायर में कोई जोखिम नहीं लेना चाहते हैं। दोनों सात मई को टीम के साथ इस्तांबुल रवाना होंगे। दोनों ने अपने रूस में अभ्यास कार्यक्रम को भी टाल दिया है।

ओलंपिक टीम के चयन को होंगे ट्रायल

सुजीत के पिता कुश्ती कोच दयानंद का कहना है कि सुजीत इस वक्त रायपुर अखाड़े में उनकी देखरेख में तैयारी कर रहे हैं। महासंघ के अध्यक्ष संजय सिंह का भी मानना है कि उन्हें अंतिम क्वालिफायर में टोक्यो ओलंपिक में पांचवें स्थान पर रहने वाले दीपक पूनिया और सुजीत के अलावा अमन (57) से काफी उम्मीदें हैं।

संजय सिंह का कहना है कि पहले क्वालिफायर के बाद समय काफी कम था, इस वजह से टीम के चयन के ट्रायल नहीं कराए जा रहे हैं। अंतिम क्वालिफायर के बाद जिन भार वर्गों में ओलंपिक कोटा हासिल किया गया है। उनमें चयन ट्रायल कराकर पेरिस के लिए टीम भेजी जाएगी।

14 भारतीय पहलवान खेलेंगे

इस्तांबुल में छह-छह भारतीय पहलवान फ्रीस्टाइल और ग्रीको रोमन में उतरेंगे, जबकि दो महिला पहलवान मानसी (62), निशा (68) खेलेंगी। यहां पहले तीन स्थान पर रहने वाले पहलवानों को ओलंपिक टिकट मिलेगा। अब तक भारत को चार महिला पहलवानों अंतिम पंघाल, विनेश फोगाट, अंशु मलिक और रीतिका ने ओलंपिक कोटा दिलाया है।

भारतीय टीम:

फ्रीस्टाइल: अमन (57 किग्रा), सुजीत (65 किग्रा), जयदीप (74 किग्रा), दीपक पूनिया (86 किग्रा), दीपक (97 किग्रा), सुमित (125 किग्रा)।

ग्रीको रोमन: सुमित (60 किग्रा), आशु (67 किग्रा), विकास (77 किग्रा), सुनील कुमार (87 किग्रा), नितेश (97 किग्रा), नवीन (130 किग्रा)।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए साउथ अफ्रीका टीम का ऐलान

ऐडन मार्करम कप्तान, टेम्बा बावुमा बाहर, अनकैप्ड पेसर ओटनील बार्टमैन को मौका

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

वेस्टइंडीज और अमेरिका में 1 जून से शुरू हो रहे टी-20 वर्ल्ड कप के लिए साउथ अफ्रीका की टीम का ऐलान हो गया है। साउथ अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड ने 15 सदस्यीय टीम घोषणा की है। ऐडन मार्करम कप्तान होंगे। टेम्बा बावुमा को टीम में जगह नहीं मिली है। दूसरी ओर 31 साल के पेसर ओटनील बार्टमैन पहली बार साउथ अफ्रीका की टीम में शामिल हुए हैं। उन्होंने डेब्यू नहीं किया है। नांद्रे बर्गर और लुंगी एनगिडी को रिजर्व में रखा गया है।

साउथ अफ्रीका के लिए टेस्ट और वनडे में डेब्यू कर चुके विकेटकीपर ryan रिकेल्टन को भी पहली बार टी-20 स्क्वॉड में शामिल किया गया है।

बार्टमैन-रिकेल्टन को एसएटी-20 में प्रदर्शन के आधार पर मिला मौका - ryan रिकेल्टन और ओटनील बार्टमैन को जनवरी में हुए एसएटी-20 टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन से फायदा हुआ। रिकेल्टन एमआई केप टाउन के लिए 58.88 के औसत और 173.77 के स्ट्राइक रेट से 530 रन बनाकर टूर्नामेंट में टॉप रन-स्कोरर थे। ओटनील बार्टमैन लीग में मार्को यानसन के बाद दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी थे। उन्होंने महज 8 मैचों में 18 विकेट हासिल किए थे।

साउथ अफ्रीका का स्क्वॉड - ऐडन मार्करम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, जेराल्ड कूट्जी, क्विंटन डी कॉक, ब्योर्न फोर्टुइन, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन,

हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, एनरिक नॉर्त्या, कगिसो रबाडा, ryan रिकेल्टन, तबरेज शम्सी और ट्रिस्टन स्टब्स।

ट्रैवलिंग रिजर्व - नांद्रे बर्गर और लुंगी एनगिडी।

साउथ अफ्रीका टी-20 वर्ल्ड कप में ग्रुप-डी का हिस्सा - टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में साउथ अफ्रीका ग्रुप डी का हिस्सा है। टूर्नामेंट का ओपनिंग मैच कनाडा और होम टीम अमेरिका के बीच खेला जाएगा। मुकाबला 1 जून को डलास में ही होगा। क्रिकेट इतिहास का पहला मुकाबला भी अमेरिका और कनाडा के बीच ही 1844 में खेला गया था। साउथ अफ्रीका पहला मैच 3 जून को श्रीलंका के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद उसका मैच 8 जून को नीदरलैंड, 10 जून को बांग्लादेश और 15 जून को नेपाल के खिलाफ होगा।

साउथ अफ्रीका अब तक वर्ल्ड कप नहीं जीत सका - साउथ अफ्रीका की टीम अब तक वर्ल्ड कप नहीं जीत सकी है। टीम इंडिया ने 2007 में पहली बार हुए टूर्नामेंट का ही खिताब अपने नाम कर लिया था। भारत के अलावा पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका ने भी 1-1 बार खिताब जीता है। वेस्टइंडीज (2012 × 2016) और इंग्लैंड (2010 × 2022) ने 2-2 बार टी-20 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी पर कब्जा किया है। टूर्नामेंट अब तक 8 बार खेला गया है, अमेरिका और वेस्टइंडीज में टूर्नामेंट का 9वां एडिशन खेला जाएगा।

ओबीसी, एससी-एसटी आरक्षण में सेंधमारी नहीं होने देंगे: योगी

मुख्यमंत्री ने आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस-सपा को घेरा

गोरखपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संविधान का गला घोंटकर, पिछड़े और अनुसूचित जातियों के आरक्षण में सेंधमारी कर धर्म के आधार पर एक वर्ग विशेष को आरक्षण देने की कांग्रेस, सपा और इंडी गठबंधन की मंशा देश की जनता सफल नहीं होने देगी। भारतीय जनता पार्टी धर्म के आधार पर किसी भी प्रकार के आरक्षण की विरोधी है क्योंकि धर्म-मजहब के आधार पर भारत के विभाजन का दंश आम जनता झेल चुकी है। भाजपा एससी-एसटी और ओबीसी आरक्षण के लाभ की पक्षधर है।

सीएम योगी मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और इंडी गठबंधन से जुड़े जो दल हैं, इनके इतिहास के बारे में हर व्यक्ति जानता है। कांग्रेस का इतिहास बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के द्वारा बनाए गए संविधान का गला घोंटने का रहा है। 1950 में देश का संविधान लागू हुआ और कांग्रेस ने

लगातार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को रौंदने समेत यह प्रयास किए कि वह संविधान को अपने तरीके से इस्तेमाल करे। जनता का शासन जनता के लिए है, जनभावनाओं का सम्मान हो, कांग्रेस ने यह कभी समझने का प्रयास ही नहीं किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इमरजेंसी को देश की जनता आज भी नहीं भूली है। यह भी देश के संविधान का गला घोंटने जैसा ही था। इसके साथ ही कांग्रेस ने यूपीए सरकार के समय जो पाप किया, वह भी देश की जनता को याद है। तब समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी यूपीए सरकार में कांग्रेस की सहयोगी थीं। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने जस्टिस रंगनाथ मिश्रा कमेटी और सच्चर कमेटी का गठन करके देश भर में संविधान विरोधी कार्य करते हुए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के हक पर डकैती डालने की कोशिश की थी। तब कांग्रेस ने धर्म के आधार पर आरक्षण देने का कुत्सित प्रयास किया था। तत्कालीन कांग्रेस सरकार की मंशा 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण में से 6 प्रतिशत तुष्टीकरण के नाम पर काट कर देने की थी। इसी प्रकार सच्चर कमेटी के माध्यम से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के आरक्षण में सेंधमारी कर मुस्लिम समाज की कुछ जातियों को शामिल करने की कोशिश की गई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि तब भारतीय जनता पार्टी के भारी विरोध के कारण तत्कालीन कांग्रेस सरकार की मंशा पूरी नहीं हो पाई। अन्यथा उसी यूपीए सरकार में कांग्रेस धर्म के आधार पर पूरे देश मे आरक्षण देकर ओबीसी और एससी-एसटी के आरक्षण में सेंधमारी कर चुकी होती। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने कर्नाटक में ओबीसी आरक्षण में सेंधमारी करते हुए धर्म के आधार पर आरक्षण देने की शुरुआत कर भी दी है। लेकर निर्वाचन आयोग ने कर्नाटक सरकार से रिपोर्ट भी तलब की है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कहा कि भाजपा बाबा साहब डॉ अंबेडकर और सभी संविधान निर्माताओं का पूरा सम्मान करती है। भाजपा संविधान निर्माताओं की मंशा के अनुरूप भारत के संविधान को सर्वोच्च मानते हुए अपने संवैधानिक दायित्वों का ईमानदारीपूर्वक निर्वहन करने की पक्षधर है। भारतीय जनता पार्टी एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसने बाबा साहब अंबेडकर के मूल्यों और आदर्शों का पूरा सम्मान किया है। पंचतीर्थों का निर्माण किया है। वर्ष 2025 को राष्ट्रीय जनजाति गौरव वर्ष मनाने की बात को अपने संकल्प पत्र में शामिल किया है।

एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस का नेतृत्व पूरी तरह फेल हो चुका है। कांग्रेस के लोग ही कांग्रेस के नेतृत्व पर विश्वास नहीं कर पा रहे हैं। यही कारण है कि कहीं कांग्रेस प्रत्याशी फील्ड छोड़कर भाग रहे हैं, कहीं प्रदेश अध्यक्ष इस्तीफा दे रहे हैं तो कहीं घोषित प्रत्याशी अपनी प्रत्याशिता वापस लेकर भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं।

इसके चलते अपनी खीझ मिटाने के लिए कांग्रेस नेतृत्व और उनके बचे खुचे नेता ऊलजलूल और मनगढ़ंत आरोप लगा रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि जनता कांग्रेस, सपा और इंडी गठबंधन के नेताओं की वास्तविकता जानती है और उनके मंसूबों को पूरा नहीं होने देगी।

लोकसभा चुनाव के बाद 57 जनपदों में स्थापित होंगे साइबर क्राइम थाने

लखनऊ, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

देश और दुनिया में बढ़ते हुए साइबर क्राइम के मामलों को देखते हुए योगी सरकार ने प्रदेश के सभी 75 जनपदों में साइबर क्राइम थाने स्थापित करने का निर्णय लिया है। सभी 18 मंडलों में साइबर क्राइम थाने पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं, जबकि शेष 57 जनपदों में साइबर थाने लोकसभा चुनावों के बाद स्थापित किए जाएंगे। इन 57 जनपदों में साइबर थाने स्थापित किए जाने को लेकर योगी कैबिनेट पहले ही अनुमोदन कर चुकी है। आम चुनावों के साथ ही आदर्श आचार संहिता खत्म होने के बाद साइबर थानों की स्थापना को अंतिम रूप दिया जाएगा। प्रत्येक थाने में 25 पदों पर अधिकारियों व कर्मचारियों की तैनाती की जाएगी। इस लिहाज से सभी 57 थानों में कुल 1425 पदों के सृजन को लेकर आदेश निर्गत किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि सरकार के इस निर्णय से प्रदेश के सभी जनपदों में साइबर क्राइम थानों की मौजूदगी हो जाएगी। अभी तक आईजी स्तर का अधिकारी इन थानों को देखता था, लेकिन सभी जनपदों में साइबर क्राइम थाने स्थापित होने के बाद पुलिस अधीक्षक इसकी जिम्मेदारी निभाएंगे।

उत्तर प्रदेश शासन की ओर से पहले सभी साइबर क्राइम पुलिस थानों के क्रियान्वयन के लिए 25 पद की दर से कुल 1425 पदों के सृजन का आदेश दिया गया था,

लेकिन देश में जारी लोकसभा चुनावों को देखते हुए इस प्रक्रिया को आदर्श आचार संहिता खत्म होने के बाद पूरा किए जाने का निर्णय लिया गया है। प्रदेश में लोकसभा चुनाव और आदर्श आचार संहिता खत्म होने के बाद इस प्रक्रिया को तेजी से पूरा किया जाएगा। इस पर योगी कैबिनेट 19 दिसंबर 2023 को अपना अनुमोदन प्रदान कर चुकी है। उस वक्त वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया था कि देश और दुनिया में बढ़ते साइबर क्राइम को देखते हुए सभी 75 जनपदों में साइबर थानों की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। 18 मंडल मुख्यालयों में पहले से ही साइबर थाने मौजूद हैं, बल्कि अब बाकी बचे 57 जनपदों में भी थाने स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। इसकी स्थापना पर सरकार पर लगभग एक अरब, 27 करोड़, 24 लाख, 51 हजार रुपए से अधिक का व्यय भार अनुमानित है। इन थानों के स्थापित होने से न सिर्फ प्रदेश में साइबर क्राइम पर पैनी नजर रखी जा सकेगी, बल्कि उस पर प्रभावी कार्रवाई भी संभव हो सकेगी।

प्रदेश में साइबर क्राइम की मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया था कि साइबर क्राइम में कन्विक्शन के मामले में यूपी सबसे ऊपर है। यूपी का कन्विक्शन रेट नेशनल साइबर क्राइम के कन्विक्शन रेट से काफी बेहतर है। साइबर क्राइम के मामलों में नेशनल कन्विक्शन रेट जहां 46.5 परसेंट है, वहीं उत्तर प्रदेश का कन्विक्शन रेट 87.8 परसेंट है। अब तक प्रदेश में 838 कन्विक्शन हुए हैं, जबकि दूसरे नंबर पर मौजूद मध्य प्रदेश में सिर्फ 59 कन्विक्शन हुए हैं। प्रदेश में 7122 क्रिमिनल अरेस्ट किए गए हैं, जबकि महाराष्ट्र में 2582 क्रिमिनल अरेस्ट किए गए। उत्तर प्रदेश में 2022 में 10,117 केस रजिस्टर हुए हैं।

उन्नाव, रायबरेली, सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर खीरी, कानपुर देहात, इटावा, फतेहगढ़, कन्नौज, औरैया, मेरठ, गाजियाबाद, बुलंदशहर, बागपत, हापुड़, सुल्तानपुर, बाराबंकी, अमेठी, अंबेडकरनगर, एटा, हाथरस, कासगंज, मथुरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, जौनपुर, गाजीपुर, चंदौली, महाराजगंज, देवरिया, कुशीनगर, बलरामपुर,श्रावस्ती, बहराइच, बदायूं, शाहजहांपुर, पीलीभीत, रामपुर, बिजनौर, अमरोहा, संभल, प्रतापगढ़, फतेहपुर, कौशांबी, चित्रकूट, हमीरपुर, महोबा, सोनभद्र, भदोही, मऊ, बलिया, सिद्धार्थनगर, संत कबीरनगर, ललितपुर, जालौन, मुजफ्फरनगर एवं शामली।

अफजाल की विरासत संभालने की तैयारी में नुसरत

गाजीपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव को लेकर सभी दल चुनाव प्रचार में जोर-शोर से जुटे हैं। सोशल साइट पर गाजीपुर के सांसद अफजाल अंसारी की बेटी नुसरत की एक तस्वीर वायरल हुई जिसमें वह अपने पिता के लिए चुनाव प्रचार के दौरान गाजीपुर के शिव मंदिर में जल चढ़ा रही थी और मंदिर में हो रहे कीर्तन में शामिल थीं। चर्चा है कि नुसरत पिता की सीट से खुद नामांकन की तैयारी में हैं। राजनीति में उनकी एंट्री पहले ही दिन सुर्खियों में आ गई। नुसरत अंसारी परिवार की पहली महिला हैं, जो राजनीति में आ रही हैं। मुख्तार अंसारी की मौत के बाद उनके घर मातमपुर्सी को पहुंचे सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने नुसरत समेत अंसारी परिवार के हरेक सदस्य से मुलाकात की थी। चर्चा है कि अखिलेश यादव की पहल पर ही नुसरत अपने पिता की राजनीतिक विरासत को संभालने को तैयार हुई हैं।

लोकसभा चुनाव का मतदान भले ही अंतिम चरण में है, लेकिन राजनीतिक पार्टियों के प्रत्याशी पूरी दमखम से जनसंपर्क अभियान में जुटे हुए हैं। पार्टी के नेता व कार्यकर्ता तो मतदाताओं से मिलकर उनका मन-मिजाज टटोलने के साथ पक्ष में लाने की जी तोड़ मेहनत कर रहे हैं, वहीं प्रत्याशी के परिवार के लोग भी मैदान में उतर गए हैं।

कुछ इसी तरह का वाक्या तब देखने को मिला जब सपा प्रत्याशी अफजाल अंसारी की पुत्री नुसरत सपा महिला विंग के साथ पिता के पक्ष में महिलाओं से मिल वोट देने की अपील करती दिखाई पड़ी। जबकि मंदिरों में मत्था टेक और कीर्तन करते दिखाई दी। सातवें चरण में गाजीपुर सीट पर एक जून को मतदान होगा। इसके लिए सात मई से 14 मई तक नामांकन होगा।

भाजपा को लाइए, बंगाल को कर्फ्यू-दंगा मुक्त कराइए: योगी

पश्चिम बंगाल के चुनावी रण में पहुंचे यूपी के मुख्यमंत्री

मुर्शिदाबाद, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

सुदृढ़ कानून व्यवस्था के पर्याय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को पश्चिम बंगाल के चुनावी रण में उतरे। सीएम योगी ने यहां तीन चुनावी रैली की। पहली रैली मुर्शिदाबाद जिले में बहरामपुर लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी डॉ. निर्मल कुमार साहा के पक्ष में की। योगी आदित्यनाथ की एक झलक पाने को आमजन की भीड़ उमड़ी। उमड़े। पूरा प्रांगण खचाखच भरा रहा। यहां सीएम योगी ने ममता दीदी को आईना दिखाया तो कांग्रेस-तृणमूल के गठबंधन को भी खूब खरी-खरी सुनाई। संदेशखाली और रामनवमी में दंगे को लेकर योगी ने बंगाल सरकार से कई प्रश्न भी पूछे। उन्होंने कहा कि बंगाल को दंगा-कर्फ्यू से मुक्त करने के लिए भाजपा को वोट दें।

सीएम योगी ने कहा कि जो बंगाल भारत की सभ्यता व संस्कृति को नई दिशा देता था, जिस बंगाल ने भारत के

संस्कारों को आगे बढ़ाने में महती भूमिका का निर्वहन किया था। जिसने कभी भारत को नवजागरण का मार्ग दिखाया था। वह बंगाल आज लहुलूहान, दिशाहीन क्यों है। जिस बंगाल ने कभी देश को राष्ट्रगीत-राष्ट्रगान दिया था, उस बंगाल से आज रोने और कराहने की चित्कार क्यों उठ रही है। जिस बंगाल ने भारत को सिखाया था कि गर्व से कहो, हम हिंदू हैं। उस बंगाल में सत्ता के संरक्षण में आज हिंदू परंपरा व संस्कृति को रौंदने का प्रयास कैसे हो रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि जिस बंगाल ने दयामयी मां दुर्गा की पूजा के अनुष्ठान का संदेश दिया था। प्रदेश सरकार बताए, उस बंगाल में संदेशखाली जैसी घटनाएं कैसे हो रही हैं। जिसकी कल्पना स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने की थी, आज का बंगाल वह सोनार बांग्ला नहीं है। जिस बंगाल ने वंदे मातरम का गीत दिया था, उसे दंगों की आग में झोंकने का कुत्सित प्रयास हो रहा है। बंगाल साजिश का शिकार हो चुका है। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं। दोनों बंगाल को लूटने और भारत के खिलाफ साजिश रचने के लिए एक हैं। कांग्रेस कम्युनिस्टों और दिल्ली में तृणमूल कांग्रेस के साथ मिलकर भारत के खिलाफ वही साजिश करना चाहती है, जो बंगाल के अंदर हिंदुओं के साथ कर रही है।

सीएम ने कहा कि लहुलूहान बंगाल विकास से दूर हटता जा रहा है। बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहा है। आज से सात वर्ष पहले उत्तर प्रदेश की भी यही स्थिति थी, लेकिन सात वर्ष में उप्र में कोई कर्फ्यू-दंगा नहीं हुआ। उप्र में आज कोई रंगदारी नहीं वसूल सकता। राहगीर और गरीब की संपत्ति पर कोई हस्तक्षेप नहीं कर सकता। यूपी में सरकार की योजना का लाभ हर गरीब, नौजवान, महिला, युवा को मिल रहा है, लेकिन बंगाल इससे वंचित है।

सीएम योगी ने कहा कि बंगाल ने भारत को राष्ट्रगान व राष्ट्रगीत दिया। दुनिया के मंच पर स्वामी विवेकानंद ने संदेश दिया था कि गर्व से कहो, हम हिंदू हैं, उस बंगाल को आज हिंदू विहीन करने की साजिश का शिकार बनाया जा रहा है। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस बंगाल में दो प्रकार की साजिश कर रहे हैं। पहला-आपके डेमोग्राफी को कम करने की कुत्सित चेष्टा की जा रही है। घुसपैठिए को बंगाल में घुसाकर सुनियोजित साजिश के तहत आपकी संख्या को कम करने का प्रयास हो रहा है। दूसरा- कांग्रेस व तृणमूल कांग्रेस का गठबंधन दिल्ली में मिलकर साजिश करना चाहता है। दिल्ली से मोदी जी जो सुविधाएं भेजते हैं, माफिया व अपराधियों को सत्ता संरक्षण बनाकर उस पर यह लोग डकैती डालते हैं। उत्तर प्रदेश में पीएम मोदी के मार्गदर्शन में गरीबों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है, लेकिन बंगाल में तृणमूल कांग्रेस कोई भी योजना लागू नहीं होने देती।

सीएम ने कहा कि राम रग-रग में बसे हैं। राम के बिना भारतीय जीवन पद्धति में कोई काम हीं हो सकता। हम जीते-उठते, सोते-बैठते राम का नाम लेते हैं। मांगलिक कार्यक्रमों में अखंड रामायण का पाठ और अंतिम यात्रा भी राम नाम सत्य से निकलती है। जैसे यहां राम की पूजा होती है, वैसे ही उत्तर प्रदेश में मां दुर्गा का अनुष्ठान होता है। बंगाल से गए मूर्तिकार यूपी में मूर्ति बनाते हैं। रामनवमी हो या नवरात्रि, वहां दंगा नहीं होता। बंगाल सरकार बताए, आखिरकार वैशाखी व रामनवमी के अवसर पर यहां दंगे क्यों हुए। बंगाल सरकार ने दंगाइयों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की।

जनता नहीं, अपराधियों के साथ है ममता दीदी की ममता: योगी

आसनसोल, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

जिस बंगाल के स्वामी विवेकानंद ने वैश्विक मंच पर कहा था कि गर्व से कहो हम हिंदू हैं, आज उसी बंगाल में जयश्रीराम बोलने पर प्रतिबंध लगाया जाता है। जिस बंगाल ने बांग्ला रामायण लिखा था, आज वहां जयश्रीराम कहने पर गोली चलाई जाती है। शोभायात्रा पर हमले कर दिए जाते हैं। सरकार की ओर से झूठे मुकदमे दर्ज किए जाते हैं। पूरे देश को संस्कृति, कला व संस्कारों की सीख देने वाली बंगाल की भूमि में आज संदेशखाली की घटना होती है और तृणमूल सरकार अपराधी को बचाने का कार्य करती है। उपद्रवियों के सामने पूरी टीएमसी सरकार मौन है। ममता दीदी की ममता जनता नहीं, बल्कि अपराधियों के साथ है। बंगाल की परिस्थितियों से हर भारतवासी चिंतित है। यह बातें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में तीसरी जनसभा आसनसोल लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार एसएस अहलूवालिया के पक्ष में की।

सीएम ने कहा कि बंगाल को भी यूपी जैसा मॉडल चाहिए। जब कोठारी बंधु बलिदान हुए थे तो अंतिम समय भी उन्होंने नारा लगाया कि रामलला हम

आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। नाम भले अलग हैं, लेकिन लूट, अराजकता, भ्रष्टाचार में कांग्रेस, तृणमूल व कम्युनिस्ट एक हैं। बस लूटने के तरीके इनके अलग हैं। तीनों पर विश्वास नहीं करना है। उन्होंने कहा कि बंगाल अब सोनार बंग्ला नहीं रहा। अपील की कि सोनार बांग्ला के लिए मोदी जी के नेतृत्व में वोट देना है। सीएम ने सुरक्षित व समृद्धि बंगाल की वकालत की। अयोध्या की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि तब और अब की अयोध्या में काफी अंतर आ गया है। जैसी अयोध्या लगती है, वैसे ही बंगाल को बनाना है।

सीएम ने कहा कि जिन कारणों से 1947 में मजहब के आधार पर देश का विभाजन हुआ था। बंगाल के अंदर कांग्रेस व तृणमूल के लोग फिर से उसी परिस्थिति को पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं। बीरभूमि में सात में से तीन असेंबली की डेमोग्राफी बदल गई है। वहां रामनवमी के जुलूस पर हमले होते हैं। सीएम ने कहाकि अयोध्या में राम जन्मभूमि आंदोलन में बंगाल के कोठारी बंधुओं ने खुद को बलिदान किया था।

सीएम ने कहा कि जो काम 65 वर्ष में कांग्रेस नहीं पाई, वह काम 10 वर्ष में मोदी जी ने कर दिया। बंगाल में जो काम दीदी 15 वर्ष में नहीं कर पाईं, हमने पांच वर्ष में ही उत्तर प्रदेश में कर दिया। बंगाल में तृकां सरकार जनता की योजनाएं लागू नहीं होने देती। तृणमूल सरकार आसनसोल की जनता को पानी के लिए तरसा देती है। मोदी जी हर घर नल योजना लागू करना चाहते, लेकिन यह लोग पानी नहीं देना चाहते। रैली में आए आमजन के हाथ में श्रीराम की फोटो देख सीएम गदगद हो गए। उन्होंने कहा कि यहां रामनवमी की शोभायात्रा नहीं निकल रही है। उप्र में 50 हजार स्थानों पर दुर्गा पूजा होती है। सात वर्ष में वहां कर्फ्यू व एक भी दंगा नहीं हुआ। दंगा-कर्फ्यू लगाने वालों को पता है कि रामनवमी के जुलूस पर पथराव करेंगे तो ऐसा उल्टा लटका देंगे कि सात पीढ़ियां दंगा करना भूल जाएंगी। हम देंगा करने वालों की संपत्ति को कब्जे में लेकर गरीबों में बांट देते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि शेर जैसा नेतृत्व चाहिए तो एसएस अहलूवालिया को वोट दीजिए। जब हम लोगों ने संसद में जाना शुरू किया था, तब भी वे देश के नेता थे। संसद में भी हम साथ रहे। केंद्रीय मंत्री व भाजपा प्रवक्ता के रूप में उन्होंने काम किया। आसनसोल का सौभाग्य है कि इसी माटी के सपूत आपके बीच में हैं। उनके भीतर आत्मनिर्भर व विकसित भारत की संकल्पना को पूरा करने का जज्बा है। अहलूवालिया जी का शेर जैसा दिल और जूझने की प्रवृत्ति है। अहलूवालिया जी को अपना प्रतिनिधि बनाकर मोदी जी ने आसनसोल में भेजा है। सुरक्षा आपकी, बंगाल भी आपका, भारत भी आपका, वोट भी आपका और निर्णय भी आपका है।

बाबा विश्वनाथ भी दे रहे संदेश, लोकतंत्र के महापर्व में करें मतदान

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास की तरफ से मतदान के लिए किया जा रहा प्रेरित

वाराणसी, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

बाबा विश्वनाथ के दरबार से निकले संदेश को श्रद्धालु न सिर्फ सुनते हैं, बल्कि उस पर अमल भी करते हैं। इस बार बाबा विश्वनाथ भक्तों को लोकतंत्र के महापर्व में मतदान का संदेश दे रहे हैं। मतदाताओं को प्रेरित करने के लिए श्री काशी विश्वनाथ धाम में पोस्टर लगाए गए हैं। साथ ही टोकन, टिकट और वेबसाइट के जरिए भी मतदान की अपील की जा रही है।

काशी पुराधिपति बाबा विश्वनाथ श्रद्धालुओं को लोकतंत्र के महापर्व में मतदान आपका अधिकार ही नहीं, राष्ट्रीय कर्तव्य भी का बोध करा रहे हैं। राष्ट्र की उन्नति व विकास के लिए वोट का संदेश दे रहे हैं। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के सीईओ विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए काशी विश्वनाथ धाम में पोस्टर लगाए गए हैं। विभिन्न प्रकार के टोकन और टिकट पर भी मतदान की अपील की गई है। ऑफिशियल वेबसाइट से भी यह संदेश दिए जा रहे हैं।

देश-प्रदेश से आए श्रद्धालुओं को एक तरफ जहां न्यास की तरफ से वोट देने की अपील की जा रही है, वहीं काशीवासियों को भी वोट प्रतिशत बढ़ाने का संदेश दिया जा रहा है। मेरी काशी, मेरी शान-एक जून को करें मतदान आदि स्लोगन के जरिए स्थानीय लोगों को भी हर हाल में सातवें चरण में वोट देने का संदेश दिया जा रहा है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 01 मई, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

शिष्य को कष्ट हो तो गुरु भी व्याकुल हो जाता है : मुरलीधर महाराज

हैदराबाद, 30 अप्रैल
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री गोपाल गौशाला के सहायतार्थ नुमाईश मैदान में आयोजित 9 दिवसीय श्री रामकथा के अंतिम दिन मंगलवार को भारी संख्या में भक्तजन उपस्थित रहे। आज सभा अत्यंत द्रवित भाव से कथा सुनती रही जहां आरंभ के दिन सभा का रंग उत्साह से भरा था वहीं अंतिम दिवस कथा के समापन के कारण भक्तजनों की आंखों में आंसू उमड़ पड़े। नौ दिन के भीतर ही श्रोताओं और कथावाचक मुरलीधर महाराज के मध्य ऐसा तालमेल बन गया कि भक्तजन विदाई के क्षण की कल्पना मात्र से सिहर उठे। बार-बार महाराज की आंख और गला भर आता था, किंतु कथा प्रवाह में चलती रही। सुबह 108 नवाह्न परायण पाठ पूर्ण होने पर महाराज द्वारा मानस ग्रंथ, कलश और पूजन सामग्री यजमानों को दी गई। वहीं सायं 7 बजे कार्यक्रम में सहयोग देने वाले महानुभावों को सम्मानित किया गया और इसके पश्चात भंडारा प्रसाद वितरण का कार्यक्रम हुआ ।अंतिम दिन की कथा में महराज ने बताया कि कैसे जब श्रीराम जी के वनगमन के पश्चात राजा दशरथ परलोकगमन कर गये और सिंहासन खाली रह गया और सभा में दूसरे दिन महर्षि वशिष्ठ का आगमन हुआ तो खाली सिंहासन देखकर वे अत्यंत व्यथित हुए। महराज जी कहते है कि ऐसा नहीं है कि केवल शिष्य में ही अपने गुरु के लिए अनुराग होता है बल्कि गुरू भी अपने अच्छे शिष्यों के लिए व्यथित होता है। शिष्य उसके पुत्र के तुल्य होता है और पुत्र को कष्ट हो ये पिता सहन कैसे करे। रोता संसारी भी है रोता साधु भी है, पर दोनो के रोने में अंतर है। संसारी स्वार्थ के लिए रोता है और साधु संसार के कल्याण के लिए रोता है। हमारे राजस्थान में खेतड़ी नरेश अजीत सिंह जी पूज्य विवेकानंद जी के घनिष्ठ मित्र थे। जब खेतड़ी नरेश संसार से विदा हो गया और जब विवेकानंद जी को पता चला तो विवेकानंद जी खेतड़ी आए और बालक की भांति रोने लगे। शिष्यों ने कहा गुरुदेव आप सन्यासी हैं, विवेकानंद जी ने कहा मैं सन्यासी तो बाद में हूं पहले मैं एक प्रेमी हूं। प्रेम में साधु रोता है और स्वार्थ में संसारी रोता है।सिंहासन को खाली देखकर गुरु वशिष्ट को अपने शिष्य की याद आयी जो मन, क्रम, वचन से हर क्षण गुरू की सेवा में रत रहता था। श्रद्धावान निष्ठावान शिष्य को गुरू भी याद करता है। ऐसा नहीं है कि शिष्य ही गुरू को याद करे। हां ऐसा तो हो सकता है कि गुरू के शिष्य अनेक हो जाएं पर शिष्य का तो गुरू एक ही होता है । लेकिन जो शिष्य मन, वचन और क्रम से गुरू को अर्पित होता है उसके लिए गुरू भी अधीर और व्याकुल होता है। वशिष्ट जी के नेत्र सजल हुए अपने आप को सम्हाला। केकैयी ने कुटिलता से जो किया वो सब वशिष्ट जी ने पहले कहा। महराज दशरथ जी के धर्म और व्रत की सराहना की कि उन्होंने अपने वचन के लिए अपने धर्म के लिए तन का त्याग किया प्रेम का निर्वाह करने के लिए। धर्म के लिए वचन का पालन किया और प्रेम के लिए तन का त्याग किया। रामजी के गुण के शील स्वभाव को कहते-कहते वशिष्ट जी के नयन सजल हो गये । लखन और जानकी जी की प्रीति का बखान करते करते शोक में मग्न हो गये । वशिष्ट जी को शोकमग्न देखकर भरत जी पास आये हांथ जोड़कर कहा गुरुदेव आप जैसे सत्संग समर्थ हमारे कुल के गुरू और आपके द्वारा निकाला गया मुहूर्त गुरुदेव रामजी को वनवास कैसे हो गया ? वशिष्ट जी ने स्नेह से शीश पर हाथ रखकर हृदय से लगाकर इतना ही कहा हे भरत कर्म की गति को कौन टाल सकता है । भावी प्रबल है मै कुछ नहीं कर सकता। कहते कहते बिलख उठे वशिष्ट जी। कहने लगे हानि-लाभ, यश-अपयश ये तो सब विधि के हाथ में है इसे कौन बदल सकता है। ऐसा मन में विचार करके किसी को भी दोष मत दो । व्यर्थ में क्लेश मत करो भरत । महराज जी ने कहा कि सत्य जो है वो मुख से निकल जाता है । न बोलना चाहो फिर भी। राजा सोता नहीं है। घूमता है प्रजा के दुख दर्द को समझता है वहीं राजा श्रेष्ठ है । जिसे प्रजा प्रिय नहीं है वो राजा विचारणीय है। महाभारत में मार्तंड जी युधिष्ठिर से कहते हैं कि धर्मराज जो धनी धन को पाके उस धन को सत्कर्म में खर्च नहीं करता दूसरे जन्म में वो दरिद्र होता है और उदर पूर्ति के लिए विभिन्न पाप करता है और तीसरे जन्म में नरकगामी होता है । इसलिए भगवान ने अगर धन दिया है तो उसको सत्कर्म में लगाओ कही पर भी पुण्य कर्म में लगाओ। भगवान शंकर मानस के अंदर कहते हैं कि धन वहीं धन्य है जिसकी गति उत्तम है। धन की तीन ही गति हैं, दान भोग और नाश। याद रखो वो नारी सोचने योग्य है जो कुटिल है कलह प्रिय है स्वेच्छाचारी है। सनातन धर्म में तो अनंत काल से नारी स्वतंत्र थी। लेकिन वर्तमान समय में स्वतंत्रता नहीं स्वच्छंदता आ गयी वो समाज को पतन की तरफ ले जा रही है। स्वतंत्रता तो शुरू से थी और स्वतंत्र रहना ही चाहिए और वो ब्रह्मचारी सोचने योग्य है जो गुरु की आज्ञा की अवहेलना करता है। गृहस्थी सोचने योग्य है जो गृहस्थ धरम का पालन नही करता है । वो यति सोचने योग्य है जो विवेक का परित्याग कर देता है । लेकिन वशिष्ट जी ने बड़ी सुंदर बात कही कि बूढा व्यक्ति वो सोचने योग्य है जिसे बुढ़ापे में तप नहीं है। जीवन की चौथी अवस्था आ जाये फिर तो घर अच्छा नहीं लगना चाहिए। फिर तो भगवान का भजन अच्छा लगना चाहिए । वशिष्ट जी कहते हैं भरत सोचनीय कौन है चुगलखोर जो माता पिता गुरू और परिवार जनों का विरोधी है । वो व्यक्ति सोचने योग्य है जो दूसरों को कष्ट दे और अपने ही तन का विचार करे और वो सब प्रकार से सोचनीय है जो छल का त्याग करके भगवान का भक्त नहीं होता । हरिजन नहीं होता । आपके पिता सोचने योग्य नहीं है। आपके पिता जैसा न कोई है न कोई था न होगा इसलिए सोच का परित्याग करो। पिता जिसे राज्य दें वही राज्य का अधिकारी होता है इसलिए पिता की आज्ञा का पालन का कर्तव्य है राम पिता की आज्ञा का पालन करके वन को गये तो भरत तुम पिता की आज्ञा का पालन करते हुए सिंहासन को स्वीकार करो। जैसे ही गुरुदेव भगवान ने कहा मंत्रियों ने समर्थन किया और कौशल्या मां ने अनुमोदन किया जैसे ही कौशल्या ने कहा और भरत जी की आंखों में आंसू आ गये। प्रस्ताव , समर्थन और अनुमोदन के बाद भरत जी को खुश होना चाहिए था लेकिन लेकिन उनकी आंखों में आंसू आ गये । मंत्रियों ने कहा क्या हुआ भरत जी । भरत जी ने कहा मुझे गुरुदेव ने उपदेश दिया मंत्रियों ने प्रजाजनों ने समर्थन किया मां ने भी उचित सोचकर मुझे आज्ञा दी और अवश्य ही सबकी बात की पालना करनी चाहिए । क्यों करनी चाहिए ? क्योंकि माता पिता गुरू और स्वामी की बात को प्रसन्न मन से सुनकर कर देनी चाहिए । इसमें कभी उचित अनुचित का विचार नहीं करना चाहिए । क्योंकि उचित अनुचित का विचार करने पर धर्म का नाश होता है और सिर पे पाप बढ़ता है । आपने मुझे सरल सीख दी है और इसका पालन करूं तो मेरे सीताराम वन में और आप मुझे कहते हो कि मैं सिंहासन स्वीकार करू । इसमें मेरा हित है अगर आप मेरे हित की बात करें । हालांकि मेरा जनम कुमाता से है । मै सब दोष से भरा हूं । इसलिए तुलसीदास जी ने पूरे भरत चरित को लिखने के बाद लिखा अगर भरत का जनम नहीं होता इस कलियुग में तुलसी जैसे सठ को रामजी के सम्मुख कौन करता । तो हम कौन हैं । हमारा अतीत क्या है । इसका चिंतन न करके भगवान को एक बार कहें कि प्रभू मैं आपका हूं । एक बात ध्यान रखें हर जीव का यही उद्देश्य है मानव मात्र का यही उद्देश्य है । एक बार इस मनुष्य जन्म में आया है तो परमात्मा को प्राप्त करे और मैं सत्य बोलता हूं इस संसार में धन को कमाना मुश्किल है लेकिन परमात्मा को पाना मुश्किल नहीं है पर कम से कम आप प्रयास तो करें । इस युग में अगर जनम लेके हरि को नहीं पा पाये तो फिर तो कभी नहीं पा पाओगे।

श्री गोपाल गौशाला के सभी 40 ट्रस्टीज, प्रसिद्ध उद्योगपति भगवती बल्दवा, राजेश कुमार अग्रवाल, योगेश जैन, विनोद संचेती का मुरलीधर महाराज के द्वारा सम्मान किया गया। 9वें दिन की कथा का विश्राम सामूहिक आरती के साथ हुआ, जिसमें रामनिरंजन सौंथलिया, तुलसीराम बंसल, राजेश कुमार अग्रवाल, रामनिरंजन सौंथलिया, अर्जुन कुमार गोयल, वेद प्रकाश अग्रवाल, कैलाश नारायण भांगड़िया, आनंद कुमार गुप्ता, संजय कुमार गुप्ता, आनंद कुमार अग्रवाल, महावीर प्रसाद अग्रवाल, मुरली मनोहर पलोड़, जसमत भाई पटेल, राकेश नालपुरिया, बजरंग लाल भालवाले, जगदीश सर्राफ, महेश तुलस्यान, नंदकिशोर चौधरी और दीपक कुमार ने हिस्सा लिया। श्रीरामकथा में सतवीर गर्ग, बिनोद गर्ग, वेद प्रकाश अग्रवाल, कैलाश नारायण भांगडिया , सुभाष भगेरिया, सतीश कुमार गोयल, किशोर कुमार अग्रवाल एवं हरिनारायण व्यास उपस्थित रहे।

अग्रवाल बिज़ कनेक्ट की बैठक में विभिन्न विषयों पर हुई चर्चा

हैदराबाद, 30 अप्रैल
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल बिज कनेक्ट की बेगमपेट स्थित मारी गोल्ड बैंक्वेट में एक बैठक हुई। बैठक के मुख्य अतिथि चंद्रकांत अग्रवाल एवं सम्मानित अतिथि कमलेश गुप्ता थे। उन्होंने कहा कि हमें हमेशा वही व्यवसाय करना चाहिए जिसमें हमें ज्ञान हो और स्टार्टअप के लिए मालिकों को दिन-प्रतिदिन के निर्णयों में शामिल करना चाहिए।

ज्ञान कक्षा में सीए पवन गोयल ने पारस्परिक लाभ के लिए एक-दूसरे के व्यवसाय को समझने के लिए एबीसी सदस्यों से हर सप्ताह कम से कम दो बार मिलने के लाभ के बारे में बताया। यश अग्रवाल ने गर्मी और वॉटर प्रूफिंग से बचने के लिए कोटिंग के बारे में और रवि अग्रवाल ने विभिन्न स्थानों में सही प्रकार की लकड़ी का उपयोग करने के लाभों और अनुप्रयोगों के साथ प्लाईवुड व्यवसाय के बारे में व्यावसायिक प्रस्तुति दी। बैठक में एबीसी संस्थापक और सदस्यों उदय गुप्ता, हर्ष गोयल, रितेश अग्रवाल, यश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, शिखा अग्रवाल, आनंद सरोगी, अजय गुप्ता, पवन गोयल, विकास सर्राफ, विकास गुप्ता, मयंक हरोदिया, हितेश, पवन बंसल, प्रियंका अग्रवाल, दीक्षा चायवाला, मनोज मित्तल उत्कर्ष कनोडिया, सैमिस्टे, यश, ऋषभ, मृदुल आदि ने भाग लिया। अगली बैठक 4 मई शनिवार को एफटीसीसीआई लकड़ी का पुल में होगी।

एलबीएमटी स्कूल के दसवीं कक्षा के परिणाम रहे उत्साहवर्धक

हैदराबाद, 30 अप्रैल
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित एलबीएमटी स्कूल के दसवी कक्षा के परिणाम उत्साहवर्धक रहे। कुल 66 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी इनमें से 13 विद्यार्थियों ने 9 और 9 से अधिक जीपीए अर्जित किया। 21 विद्यार्थी 8 और 8 से अधिक जीपीए पाने में सफल रहे। स्कूल का रिज़ल्ट 99% रहा। समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार केड़िया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहन अग्रवाल, उपाध्यक्ष रविन्द्र कुमार अग्रवाल, मानद मंत्री सीए नवीन कुमार अग्रवाल एवं संयुक्त मंत्री तथा स्कूल कॉरस्पॉडेंट राजेश अग्रवाल एवं प्रदीप कुमार ने विद्यार्थियों की भूरि-भूरी प्रशंसा की। उन्हें बहुत-बहुत बधाई दी व उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। सभी पदाधिकारियों, अकादमिक निदेशिका डॉ सरोज जैन, संयुक्त अकादमिक निदेशक डॉ. राजेश अग्रवाल ने सभी विद्यार्थियों को बधाई व शुभकामनाए प्रेषित की। इस सफलता के लिए स्कूल की प्राचार्या प्रीति बाला और सभी शिक्षक-गण बधाई के पात्र हैं। कुमारी सुरभि पाल एवं कुमारी सोनम जाना स्कूल टॉपर रही। उन्हें विशेष बधाई और शुभकामनाएं। शुभम संधी, दीपिका पाल और दक्षा शर्मा दित्तीय स्थान पर रहे। राधिका सिंहा, भगवती चौधरी, गुंजन दास, काकुल कोले, कोयल हैत, योगिता सिंह, दीप्ति गोड़के तथा पबनिका मण्डल 9 और 9 से अधिक जीपीए अर्जित करने में सफल रहे।

अग्रवाल समाज सोमाजीगुडा बेगमपेट शाखा की मासिक बैठक का आयोजन पर्यटक भवन, बेगमपेट किया गया। बैठक में सर्वप्रथम महाराज श्री अग्रसेन जी की पूजा के पश्चात पिछली सभा एवं आने वाले कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। सभा में सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों ने भाग लिया।

कुशवाहा समाज का होली मिलन समारोह आज

हैदराबाद, 30 अप्रैल
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

कुशवाहा समाज हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार,को सायं 4 बजे से एचएमटी ग्राउण्ड शिवालयम टेंपल फंक्शन हाल कुतुबुल्लापुर के पास कुशवाहा समाज हैदराबाद का भव्य होली मिलन समारोह होगा। उक्ताशय की जानकारी देते हुए कुशवाहा समाज हैदराबाद के अध्यक्ष व सुप्रसिद्ध समाज सेवी गेना लाल कुशवाहा ने सभी उत्तर भारतीय परिवारों से निवेदन किया है कि वे सपरिवार समारोह में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी एकता का परिचय दें। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्तर्गत एक कवि सम्मेलन भी आयोजित होगा, जिसमें देश के सुप्रसिद्ध जाने-माने कवि गोविंद अक्षय, दीपक चिंडालिया वाल्मीकि, बासित अली रईस, डॉ. मुमताज सल्ताना आदि अपनी कविताओं का पाठ करेंगे। इस समारोह में बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड, नई दिल्ली आदि संपूर्ण देश के कोने-कोने से कुशवाहा समाज (शाक्य, मौर्य, कुशवाहा, काछी, कोइरी, कछवाहा, सैनी, माली, मराई, मुराव, हरदिया, महतो आदि) के सदस्य भाग ले रहे हैं।

राजमाता साहित्यिक समूह की चौथी मासिक गोष्ठी आयोजित

हैदराबाद, 30 अप्रैल
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजमाता साहित्यिक समूह की मासिक गोष्ठी आयोजित की गई। सभी उपस्थित साथियो के दोपहर का भोजन ग्रहण करने के बाद प्रकाश बोलाकी ने उपस्थित कविगणों का स्वागत किया और वर्षा शर्मा के सरस्वती वंदन के साथ आयोजन का शुभारंभ किया गया।सभा का संचालन सुनीता लुल्ला ने किया। ममता जायसवाल, डॉ रीटा शुक्ला, पूजा महेश, डॉ संगीता शर्मा, चंद्र प्रकाश दायमा, मधु दायमा, डॉ राजीव सिंह, वर्षा शर्मा, सुनीता लुल्ला और डॉ इंद्रजीत सिंह ने स्वरचित कविताओं का विभिन्न रस और विधाओं में काव्य पाठ किया। एक सुसंचालित साहित्यिक गोष्ठी का समापन मीठी लस्सी के सेवन के साथ किया गया।

मोदी सरकार तेलंगाना को दिए गए आश्वासनों को पूरा करने में विफल रही : रेवंत

परकाला, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाला केंद्र लोगों से किए गए वादों को पूरा करने में अपनी विफलताओं पर सवाल उठाने के लिए लोगों के खिलाफ मामले दर्ज कर रहा है। भाजपा सरकार ने दिल्ली में मेरे खिलाफ मामला दर्ज किया और पुलिस की एक टीम गांधी भवन भेजी गई। उन्होंने मंगलवार को यहां एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए पूछा, क्या लोकतंत्र में हमें एससी, एसटी और दलितों की ओर से सवाल करने

का अधिकार नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि क्या रेवंत रेड्डी को कभी मुकदमों का डर था? बीजेपी दिल्ली से पुलिस भेजकर मुझे डराने की कोशिश कर रही है। केंद्र सरकार दिल्ली पुलिस ही नहीं, सीमाओं पर सुरक्षा बलों की तैनाती करवाएं।

यहां कोई नहीं डरता।

उन्होंने कहा कि भाजपा एक गलत मकसद से अब की बार 400 पार के नारे के साथ सड़कों पर उतर रही थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने एससी, एसटी और ओबीसी को आरक्षण दिया, लेकिन भाजपा आरक्षण को खत्म करने की साजिश रच रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम के तहत तेलंगाना को दिए गए आश्वासनों को पूरा करने में विफल रही है।

गृह मंत्री अमित शाह तो वारंगल में एयरपोर्ट बनाने का भी विरोध कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा और बीआरएस ने एक गुप्त समझौता किया था जिसके तहत बीआरएस ने भाजपा की जीत को आसान बनाने के लिए वारंगल में एक डमी उम्मीदवार खड़ा किया था।

उन्होंने कहा, चुनाव के बाद बीआरएस का भाजपा के साथ गठबंधन होगा। उन्होंने कहा, हमने सेमीफाइनल में बीआरएस को हराया है। ये लोकसभा चुनाव फाइनल हैं और हमें जीतना है और राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना है।

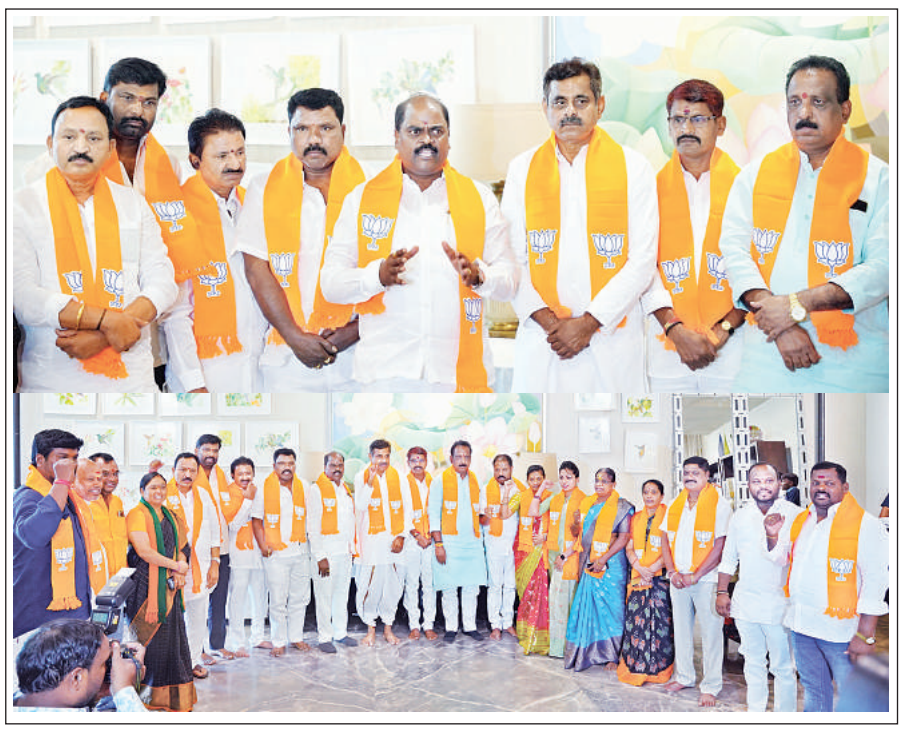

बंजारा हिल्स में चेवेल्ला भाजपा संसदीय उम्मीदवार कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस के चार पार्षद एवं बीआरएस के चार पार्षद भाजपा में विधिवत रूप से शामिल हो गये। इस अवसर पर सभी ने कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी के समर्थन में कार्य करने एवं उन्हें भारी बहुमत से विजयी बनाने का संकल्प किया।

विजयवाड़ा में एक ही परिवार के पांच लोग घर में मृत पाए गए

विजयवाड़ा, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

आंध्र प्रदेश के पटामाता जिले में मंगलवार को एक ही परिवार के पांच लोग घर में मृत पाए गए। पुलिस ने मृतकों की पहचान कर ली है। उन्होंने कहा कि हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर डी श्रीनिवास घर की बालकनी में पंखे से लटके हुए पाए गए, उनकी पत्नी डी उषा (38), बेटी शैलजा (09), बेटा श्रीहान (08) और मां रामनम्मा (65) बेडरूम में खून से लथपथ मृत पाये गये।पुलिस

ने कहा कि जब सुबह काम करने के लिये सहायिका घर में आयी तो उसने घर में डॉ श्रीनिवास के अलावा परिवार के अन्य सदस्यों को खून से लथपथ पाया। मृतक डॉ. श्रीनिवास के परिवार के अन्य सदस्यों ने मीडिया को बताया कि उन्होंने दो साल पहले शहर में एक अस्पताल खोला था और उन्हें इसमें भारी घाटा हुआ था तथा बाद में उन्होंने अस्पताल बेच दिया था।पुलिस को संदेह है कि आर्थिक तंगी के कारण डॉ श्रीनिवास ने सबसे पहले अपनी माँ, पत्नी और दोनों बच्चों की हत्या की होगी और उसके बाद खुद आत्महत्या कर ली। पुलिस ने सुराग की तलाश में पूरे घर की तलाशी ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी सामान्य अस्पताल (जीजीएच) भेज दिया है।

सर्व ब्राह्मण परिषद की बैठक में परशुराम जन्मोत्सव पर हुई चर्चा

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आगामी श्री परशुराम जन्मोत्सव के सन्दर्भ में सर्व ब्राह्मण परिषद की सभा का आयोजन बेगम बाजार लड्डू ओझा के निवास स्थान पर किया गया। सभा में आगामी परशुराम जन्मोत्सव पर व्यवस्था और मुख्यातिथि पर गहन वार्ता हुई। शोभायात्रा बेगम बाजार छतरी से निकलकर किराना मार्केट, चावला बिल्डिंग, स्वस्तिक मिर्ची, कोलसवादी माली भवन में सभा का रूप लेगी। जिसमें प्रसादी की व्यवस्था रहेगी। कार्यक्रम में विख्यात वक्ता पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ, भाजपा से हैदरबाद लोकसभा उम्मीदवार के. माधवी लता, गोशामहल विधायक राजा सिंह, उद्यमी और भाजपा नेता सुधाकर, बाजार पार्षद शंकर यादव, राज्यसभा सांसद अनिल यादव, भाजपा नेता रामचद्र राव, भगवंत राव एवं सभी प्रवासी भाषाई समाज के अध्यक्ष समिति ने सभी समाजों से विनती की कि इस सभा में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर सामाजिक एकता का परिचय दें और भगवन परशुराम जी का आशीर्वाद प्राप्त करें। इस सभा में समिति के परामर्शदाता रामदेव नगला, महामंत्री विशाल शर्मा, लड्डू ओझा, ठाकुर सुधीर सिंह, रितेश शर्मा, विजय शर्मा, राजेश भाटी, विजय ओझा, दुर्गा शर्मा, गोविन्द शर्मा, शिवनारायण बजाज, धनंजय मनसबदार, प्रदुमन मिश्रा, सन्देश उपाध्यय, अवधेश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज तेलंगाना का वैदिक संस्कृति चेतना प्रशिक्षण शिविर 3 मई से

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलेंगाना के मीडिया कमेटी चेयरमैन ने मंगलवार को बताया कि अग्रवाल समाज तेलेंगाना द्वारा 3 मई से वैदिक सांस्कृतिक चेतना प्रशिक्षण शिविर आरंभ किया जा रहा है। इस शिविर के पाठ्यक्रम में दैनिक उपयोगी मंत्र का ज्ञान, संध्या वंदन का ज्ञान, षोडश संस्कारों का ज्ञान, भगवान की स्तूतिपरक एवं पूजा मंत्रों का ज्ञान और विभिन्न स्रोत का ज्ञान आदि विषयों का समागम होगा। यह शिविर 3 मई 20 मई तक सिकंदराबाद स्थित अग्रवाल समाज बैंकेट हॉल में आयोजित किया जाएगा। आचार्य पुनीत कुमार जोशी द्वारा इस पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण दिया जाएगा। ।इच्छुक बंधु सतप्रकाश बंसल 9440710955, रोहित अग्रवाल 9100791002, उमेश अग्रवाल 9246195444 और मोनीश अग्रवाल 9701258043 से व्यक्तिगत अथवा मोबाइल से संपर्क कर शिविर में प्रशिक्षण ले सकते हैं।

अग्रवाल समाज तेलेंगाना के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने समाज के बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में प्रशिक्षण में भाग लेने का आग्रह किया है।

उन्होंने प्रशिक्षण शिविर की उपयोगिता बताते हुआ कहा की हम सभी पूजा तो करते है पर पूजा के साथ साथ मंत्रों का ज्ञान और उनकी महत्वता को समझना परम आवश्यक है। हम सभी को स्नातन के मन्त्रों का निम्नतम ज्ञान होना नितांत आवश्यक है।

एसवीएन स्कूल का परीक्षा परिणाम एक बार फिर शत-प्रतिशत रहा

यादगिरिगुट्टा, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शहर के एसवीएन स्कूल में एक बार फिर 100% परिणाम दर्ज किए गए। परिणामों ने साबित कर दिया कि गुट्टा जिले का नंबर एक शैक्षणिक संस्थान है क्योंकि दसवीं कक्षा की परीक्षा देने वाला प्रत्येक छात्र उत्तीर्ण हुआ। पिछले 20 वर्षों में परीक्षा देने वाला प्रत्येक छात्र उत्तीर्ण हुआ है और एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस साल भी मलोटू मुरारी, जो सर्वोत्तम उपलब्ध योजना में मुफ्त में पढ़ रहे हैं, ने 9.7/10 का जीपीए हासिल किया है और गुट्टा मंडल में एक आदिवासी छात्र टॉपर के रूप में खड़े होकर खुश हैं। मालोथु जसवन्त 9.5, मुक्केरला शिवानी 9.5, नारा अंबिका 9.2, नामिला नरसिंग राव 9.2, मित्ता उज्वला 8.7, त्सका जसवन्त 8.5, दोड्डी रोहित कलाधर 8.5 लेख्या 8.2, कुनुसोथु सिद्धार्थ, मेघावत जनार्दन ने 7.5, कम्बाला मनोज कुमार ने 7.3, कोम्माराजुला चरण 7.0, अमिल ने स्कोर किया। संजना 6.8, शिवरात्रि अखिल 6.8 और इंजा संदीप 6.7% अंक प्राप्त किए।एसवीएन के संस्थापक गोट्टीपर्थी भास्कर, प्रिंसिपल गोट्टीपर्थी माधुरी, निदेशक गोट्टीपर्थी वोकेशनल शिक्षकों ने यादगिरिगुट्टा एसवीएन आवासीय हाई स्कूल में दसवीं कक्षा के टॉपर मलोटू मुरारी को शॉल ओढ़ाकर बधाई दी। गोगुला गुट्टा थांडा, तुर्कापल्ली मंडल के मालोथु राजेश के भाई मलोथु मुरारी, जो सर्वोत्तम उपलब्ध योजना के तहत पढ़ाई कर रहे हैं, ने लगन से पढ़ाई की और स्कूल के टॉपर बने। इस अवसर पर मलोटू राजेश ने अपने छोटे भाई मलोटू मुरारी के अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होने पर विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों को भी सम्मानित किया।

इस अवसर पर उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को मिठाइयां बांटी गईं और खुशी का इजहार किया गया।

तानूर मंडल में भाजपा प्रत्याशी ने किया रोड शो

तानूर, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

लोकसभा चुनाव के मद्देनज़र दिन प्रतिदिन चुनाव प्रकिया का समय नजदीक आने पर मंगलवार को आदिलबाद लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के भाजापा प्रत्याशी जी नागेश ने मुधोल क्षेत्र के भाजपा विधायक पवार रामाराव पटेल के नेतृत्व मे कई गांवों रोड शो कर मतदाताओं से भारतीय जनता पार्टी के पक्ष मे मतदान कर देश के भविष्य को सुरक्षित करने और नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने की अपील की।

रोड शो द्वारा मुधोल विधायक पवार रामाराव पटेल ने कहा कि प्रधान नरेन्द्र मोदी के दस वर्ष के कार्यकाल में भारत देश सुरक्षित औऱ अव्वल नम्बर पर है। विधायक श्री पटेल ने कहा इस दस वर्षो मे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सबका साथ सबका विकास औऱ सब का विश्वास के साथ कार्य कर देश का विकास करने में सफल रहते हुए देश को अव्वल नम्बर के रुप में रखकर अपना नाम पूरे विश्व में रोशन किया है।

विधायक पवार रामाराव पटेल ने तानूर मंडल क्षेत्र के कार्यकर्ताओ व मतदाताओं से अपील की है कि हर कार्यकर्ता अपने अपने बूथ लेवल पर कार्य कर आने वाली 13 मई को लोकसभा के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी को विजयी बनाएं। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता भारी संख्या मे गली गली चौराहो पर मतदाताओ को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्य से अवगत कराते हुए मतदाताओ को लोकसभा चुनाव मे भारी संख्या मे भाग लेकर भारतीय जनता प्रति के पक्ष मे मतदान डालकर आदिलाबाद क्षेत्र से सांसद के रुप में जी नागेश को भारी मतों से जीत दिलाकर नरेन्द्र मोदी जी को एक तोहफा भेंट कर मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाएं। इस अवसर पर मुधोल निर्वाचन क्षेत्र के व तानूर मंडल क्षेत्र के भारतीय जनता प्रति के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने भारी संख्या मे भाग लिया।

सूत्रधार संस्था की 51वीं मासिक गोष्ठी का शानदार आयोजन

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सूत्रधार साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था द्वारा 51वीं मासिक गोष्ठी का ऑनलाइन आयोजन किया गया। संस्थापिका सरिता सुराणा ने सभी सम्मानित सदस्यों और अतिथि गणों का शब्द पुष्पों से हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन किया। उन्होंने आभा मेहता उर्मिल, सपना श्रीपत, नीलिमा रावल और मंजू सेठिया को विशेष अतिथि के रूप में मंच पर आमंत्रित किया। उन्होंने उपस्थित सभी सदस्यों को संस्था द्वारा संचालित कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। रिमझिम झा की सरस्वती वन्दना से गोष्ठी का शुभारम्भ हुआ।

काव्य गोष्ठी प्रारम्भ करते हुए विशाखापट्टनम से कनक पारख ने भगवान महावीर स्वामी की स्तुति में अपनी भावपूर्ण रचना प्रस्तुत की। मुम्बई से कुसुम सुराणा ने बाल कविता का वाचन किया। ममता सक्सेना ने रामधारी सिंह दिनकर की रचना का पाठ किया तो भावना पुरोहित ने पंछी और वसंत ऋतु पर आधारित अपने हाइकु सुनाकर श्रोताओं की वाहवाही बटोरी। बबीता अग्रवाल कंवल ने ग़ज़ल प्रस्तुत की तो मंजू सेठिया ने अपनी स्वरचित कविता- विश्वास का पाठ किया। सपना श्रीपत ने देश में अनेकता में एकता पर- भारत मेरा देश है सुंदर जैसी शानदार कविता सुनाई तो नीलिमा रावल ने भी समसामयिक विषय पर आधारित कविता का पाठ किया। आभा मेहता उर्मिल ने- दर्द का रिश्ता तेरा मेरा का वाचन किया तो कटक, रिमझिम झा ने- रमे हो राम तुम सबमें रचना का पाठ करके श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। सुनीता लुल्ला ने- पृष्ठ पीले पड़ गए/ हाशिए संकरे हुए नज़्म का वाचन किया तो तृप्ति मिश्रा ने अपने दोहे पढ़े। अमृता श्रीवास्तव ने चुनावों से सम्बन्धित समसामयिक रचना- हर आदमी अदाकार नहीं होता का प्रभावशाली ढंग से वाचन किया।

अंत में अध्यक्षीय टिप्पणी प्रस्तुत करते हुए सरिता सुराणा ने सभी सहभागियों की विविध विषयों से सम्बन्धित रचनाओं की मुक्त कंठ से प्रशंसा की और भ्रूण हत्या के विरोध में अपनी रचना-मुझे बेटी बनकर जीने दो का वाचन किया। उन्होंने संस्था के गठन के इन 4 वर्षों में सभी सदस्यों के सहयोग हेतु उनका हार्दिक आभार व्यक्त किया तथा आगामी मई माह में संस्था के ऑनलाइन चतुर्थ वार्षिकोत्सव और जून महीने में आमने-सामने के वार्षिकोत्सव के आयोजन की सूचना दी। सभी उपस्थित सदस्यों ने करतल ध्वनि से घोषणा का स्वागत किया। इस गोष्ठी में वरिष्ठ कवयित्री विनीता शर्मा और उर्मिला पुरोहित भी उपस्थित थीं। अमृता श्रीवास्तव के धन्यवाद ज्ञापन से गोष्ठी सम्पन्न हुई।

युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच की 15वीं संगोष्ठी सम्पन्न

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना राज्य शाखा की वर्चुअल 15वीं संगोष्ठी बीते रविवार को आयोजित की गई। डॉ. रमा द्विवेदी अध्यक्ष एवं महासचिव दीपा कृष्णदीप ने बताया कि यह संगोष्ठी प्रो ऋषभदेव शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बतौर विशिष्ट व्यंग्यकार रामकिशोर उपाध्याय, साहित्यकार डॉ. मंजु शर्मा मंचासीन हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीपा कृष्णदीप द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना के साथ हुआ। तत्पश्चात प्रदेश अध्यक्षा डॉ रमा द्विवेदी ने अतिथियों का परिचय दिया एवं स्वागत किया।

विशिष्ट अतिथि एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष रामकिशोर उपाध्याय ने अपने वक्तव्य में कहा कि दर्शन में जो द्वन्दात्मक भौतिक विकासवाद है ,वही राजनीति में साम्यवाद है और वही साहित्य में प्रगतिवाद है।

पूंजीवाद के बढ़ते प्रभाव के कारण श्रमिकों और कृषकों के उत्पीड़न और उनके भीतर चेतना का शंखनाद करने में साम्यवाद ने अपनी विशिष्ट भूमिका का निर्वाह किया। प्रगतिवादी काव्य की सामान्य प्रवृत्तियां विषय पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए मुख्य वक्ता डॉ मंजु शर्मा ने कहा कि मार्क्सवादी विचारधारा का साहित्य में उदय प्रगतिवाद के रूप में उदय हुआ। प्रगतिवादी कविता यथार्थ चित्रण पर बल देती है, कल्पना पर नहीं।

अपनी प्रतिक्रिया देते हुए साहित्यकार डॉ राशि सिन्हा ने कहा कि प्रगतिवाद एक ऐसी विचारधारा एवं एक ऐसा स्वस्थ दृष्टिकोण है जिसने विरोध के स्वर को काव्य बिंब में पिरोकर प्रगतिशील सृजन की एक ऐसी नींव डाली जिसने समाज में न सिर्फ साम्यवाद का उद्घोष किया, बल्कि आगे भी सृजन की चेतना में सामाजिक यथार्थ बोध -भावों को स्थापित किया।

परिचर्चा के अध्यक्ष प्रो ऋषभदेव शर्मा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सभी वक्तव्यों के सारांश पर अपनी महत्वपूर्ण टिप्पणी देते हुए कहा कि प्रगतिवाद का जन्म बीसवीं शताब्दी के चौथे दशक में तेजी से बदलती राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के प्रभाव से बदली भारतीय जनता की चित्तवृत्ति का सहज परिणाम था, जिसे मार्क्सवादी विचारधारा ने प्रेरित किया था।

तत्पश्चात काव्य गोष्ठी आयोजित की गई। उपस्थित रचनाकारों ने विविध विषयों पर सृजित सुंदर -सरस रचनाओं का काव्यपाठ करके वातावरण को खुशनुमा बना दिया। विनीता शर्मा, शिल्पी भटनागर, रामकिशोर उपाध्याय, डॉ राशि सिन्हा, सरिता दीक्षित, डॉ रमा द्विवेदी, ममता जायसवाल, डॉ संगीता शर्मा, प्रियंका पाण्डे, रमा गोस्वामी, तृप्ति मिश्रा, इंदु सिंह, डॉ. स्वाति गुप्ता, सरला प्रकाश भूतोड़िया, दीपा कृष्णदीप सभी रचनाकारों ने बहुत उत्कृष्ट रचनाओं का पाठ किया तथा प्रो ऋषभदेव शर्मा ने अध्यक्षीय काव्य पाठ में बहुत सुन्दर एवं सन्देशयुक्त रचनाओं का पाठ किया किया एवं सभी की रचनाओं की सराहना करते हुए सभी को शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

डॉ आशा मिश्रा, रामनिवास पंथी, दर्शन सिंह, सुभाष सिंह, भावना मयूर पुरोहित, दीपक दीक्षित तथा राजेश कुमार सिंह श्रेयस ने कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज की। प्रथम सत्र का संचालन शिल्पी भटनागर एवं द्वितीय सत्र का संचालन दीपा कृष्णदीप ने किया। डॉ सुषमा देवी के आभार प्रदर्शन से कार्यक्रम समाप्त हुआ।

कश्मीर में नदी नाले खतरे के निशान से ऊपर

झीलों का शहर बन गया श्रीनगर

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 30 अप्रैल।

जम्मू कश्मीर में रविवार शाम से लगातार हो रही बारिश के कारण कई जिले अस्त-व्यस्त हो गए हैं और सामान्य जनजीवन ठप हो चुका है। कई नदी नाले खतरे के निशान से ऊपर बह रहे हैं और कई शहर झीलों में तब्दील हो जाने से लोगों में गुस्सा है।

बारिश के पानी से कितनी झीलें बन चुकी हैं उनकी गिनती मुश्किल है। दरअसल जैसे ही भारी बारिश ने कश्मीर को भिगो दिया, प्रतिष्ठित बुलेवार्ड सहित श्रीनगर शहर के कई इलाके जलमग्न हो गए हैं, जिससे स्थानीय लोगों और पैदल चलने वालों में चिंता बढ़ गई है। पैदल चलने वालों और निवासियों ने श्रीनगर के कुछ हिस्सों को आभासी जल पूलों में बदलने में इसके कथित योगदान का हवाला देते हुए स्मार्ट सिटी योजनाकारों की आलोचना की है।

निराशा व्यक्त करते हुए, श्रीनगर शहर के विभिन्न हिस्सों के निवासियों ने कहा कि रविवार से लगातार हो रही बारिश ने सड़कों को नालों में बदल दिया है, जिससे दैनिक गतिविधियां करना मुश्किल हो गया है। अधिकारियों को इस मुद्दे के समाधान के लिए तत्काल कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

नौहट्टा के एक स्थानीय निवासी बासित ने कहा कि हमें ऐसा लग रहा है जैसे हम नदियों पर चल रहे हैं, क्योंकि श्रीनगर के लगभग हर हिस्से में सड़कों पर पानी भर गया है, जिससे समस्याएं पैदा हो रही हैं। एक अन्य स्थानीय नागरिक ज़ुहैब ने भी इसी तरह की भावना व्यक्त करते हुए कहा, स्मार्ट सिटी कहां है? वे सारे वादे कहां जाते हैं? कल रात से ही बारिश हो रही है और श्रीनगर में पानी भर गया है। अधिकारी क्या कर रहे हैं?

दरअसल लगातार बारिश के साथ ऊंचाई वाले इलाकों में ताजा बर्फबारी के कारण कश्मीर में नदियों और नालों के जल स्तर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके बावजूद, अधिकारियों ने सक्रिय निगरानी और एहतियाती उपायों का हवाला देते हुए, आसन्न बाढ़ की आशंकाओं को दूर करने की कोशिश की है। और खुद यह घोषणा कर लोगों को भयभीत करने का प्रयास किया है कि सभी नदी नाले खतरे के निशान के ऊपर बह रहे हैं।

चूंकि पिछले 36 घंटों से जारी लगातार बारिश के कारण कश्मीर में नदियां और नाले उफान पर हैं, इसलिए अधिकारियों ने निचले इलाकों में रहने वाले निवासियों से सावधानी बरतने का आग्रह किया है क्योंकि नदियों और सहायक नदियों में जल स्तर खतरे के निशान को पार करने की आशंका पहले ही थी। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए, सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण (आईएंडएफसी) विभाग ने लोगों से प्रशासन की सलाह का अक्षरशः पालन करने को कहा है। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू कश्मीर के कई हिस्सों में रात भर हुई बारिश के कारण हुए कई भूस्खलनों के बाद जम्मू श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग सोमवार को बंद कर दिया गया था। यह राजमार्ग, कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों से हर मौसम में जोड़ने वाली एकमात्र सड़क है, जो रामबन जिले के मेहर, गंगरू, मोम पासी और किश्तवारी पाथेर में भूस्खलन के कारण अवरुद्ध हो गई थी।

उन्होंने कहा कि बारिश जारी है, जिससे बहाली कार्य में बाधा आ रही है, उन्होंने यात्रियों को मलबा साफ होने तक राजमार्ग पर यात्रा करने से बचने की सलाह दी है।

अधिकारियों ने बताया कि जम्मू में पुंछ और राजौरी जिलों को दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले से जोड़ने वाला वैकल्पिक मार्ग मुगल रोड पीर की गली और आसपास के इलाकों में बर्फबारी के कारण तीसरे दिन भी बंद रहा। और लगतार बारिश और बेमौसम की बर्फबारी के कारण कश्मीर में फल उत्पादक पिछले कुछ हफ्तों से अनियमित मौसम की स्थिति के कारण काफी चिंतित हैं। कश्मीर के विभिन्न हिस्सों के उत्पादकों ने कहा कि लगभग 60 प्रतिशत आबादी की आजीविका जो सीधे बागवानी क्षेत्र पर निर्भर है, खतरे में है क्योंकि अनियमित मौसम की स्थिति उनके बगीचों में बीमारियों को जन्म देगी। जबकि शोपियां के एक फल उत्पादक मुहम्मद यूसुफ ने कहा कि अनियमित मौसम की स्थिति के कारण बगीचों में विभिन्न बीमारियाँ होंगी और फलों की गुणवत्ता पर भी असर पड़ेगा।

कुमारस्वामी ने शिवकुमार पर प्रज्वल के खिलाफ यौन शोषण की साजिश रचने का लगाया आरोप

हुबली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

कर्नाटक की राजनीतिक में पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते के कथित यौन शोषण मामले से भूचाल आ गया है और अब प्रूव मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवार प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया है।

श्री कुमारस्वामी ने मंगलवार को दावा किया कि श्री शिवकुमार ने हसन संसदीय क्षेत्र से राजग उम्मीदवार रेवन्ना को निशाना बनाने के लिए इस विवाद को जन्म दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रभावशाली गौड़ा परिवार की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के लिए क्लिप में गडबड़ी करने में कांग्रेस पार्टी की भूमिका है।

श्री रेवन्ना को सीधे तौर पर दोषी ठहराने वाले ठोस सबूतों न पाये जाने के बावजूद श्री कुमारस्वामी ने राजनीतिक हलकों में गंभीरता को उजागर करते हुए नैतिक आधार पर कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने हुबली में होने वाली जनता दल सेक्युलर (जद-एस) कोर कमेटी की बैठक से कुछ घंटे पहले कहा, क्या ठोस सबूत मौजूद हैं? क्या इन वीडियो में प्रज्वल को सकारात्मक रूप से पहचाना जा सकता है? फिर भी हम नैतिक सिद्धांतों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उधर, इस मामले में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के रुख को स्पष्ट किया। उन्होंने विवाद पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए और कर्नाटक में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार की निष्क्रियता पर सवाल उठाते हुए तत्काल गहन जांच की आवश्यकता पर जोर दिया।

वहीं, श्री रेवन्ना के खिलाफ यौन शोषण के चौंकाने वाले आरोपों के बाद राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने हस्तक्षेप किया। आयोग ने अधिकारियों, विशेष रूप से बेंगलुरु में पुलिस मुख्यालय से आरोपियों को पकड़ने के लिए तत्काल और निर्णायक कदम उठाने का आग्रह किया।

उल्लेखनीय है कि कई मीडिया संस्थानों ने कथित तौर पर श्री प्रज्वल को कई महिलाओं के खिलाफ यौन शोषण के मामले में शामिल होने वाले वीडियो क्लिप प्रसारित किए हैं, जिससे राज्य में व्यापक आक्रोश फैल गया है और यौन हिंसा के मामलों में जवाबदेही की मांग फिर से शुरू हो गई है।

इस मामले को लेकर सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के बीच तीखे आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है।

चुनाव आयोग ने की तीसरे चरण के चुनाव की तैयारियों की समीक्षा

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने लोक सभा चुनाव के तीसरे चरण के मतदान की तैयारियों की समीक्षा के लिए मंगलवार को अधिकारियों के साथ बैठक की। वीडियो कांफ्रेंस के जरिए आयोजित समीक्षा-गोष्ठी में संबंधित प्रदेशों और क्षेत्रों में तीसरे चरण के चुनाव की निगरानी के लिए नियुक्त पर्यवेक्षकों ने भाग लिया। आयोग के एक प्रवक्ता ने बताया कि तीसरे चरण के लिए कुल 265 केंद्रीय पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं। इनमें विशेष पर्यवेक्षक, सामान्य पर्यवेक्षक , पुलिस पर्यवेक्षक और व्यय-पर्यवेक्षक शामिल हैं। समीक्षा बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और दोनों चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू उपस्थित थे।

लोक सभा चुनाव के तीसरे चरण का मतदान सात मई को कराया जाएगा। तीसरे चरण में 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की कुल 94 सीटों पर चुनाव होने हैं। इनमें पश्चिम बंगाल और असम की चार-चार, बिहार पांच, छत्तीसगढ़ सात, गुजरात 26, कर्नाटक 14, मध्य प्रदेश आठ, महाराष्ट्र 11, उत्तर प्रदेश 10, गोवा दो, दादरा-नगर हवेली और दीव दो तथा जम्मू-कश्मीर की एक सीट है। गुजरात की सूरत सीट पर नाम वापसी के बाद केवल एक प्रत्याशी चुनावी मैदान में रह गया है इस कारण वहां मतदान कराने की आवश्यकता नहीं है।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है
पीयूबी/0389
निविदा सूचना सं. 4-सीडब्ल्यूएम एलजीडीएस - ईटी-2024-25
दिनांक : 27-04-2024
कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत **चीफ वर्कशाप मैनेजर/लालागुड़ा** द्वारा निविदा सं. 4-सीडब्ल्यूएमएलजीडीएस-ईटी-2024-25 के प्रति ई-निविदाएँ आमंत्रित हैं। बंद होने की तिथि 20-05-2024 को 11-00 बजे। बोलीदाता केवल बंद होने की तिथि एवं समय तक अपनी मूल/संशोधित बोलियाँ प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है, और ऐसा कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होता है तो उसकी उपेक्षा की जाएगी।
ठेकेदारों को इस निविदा के लिए निविदा दस्तावेज के मूल्य एवं पूर्व धरोहर राशि के प्रति केवल आईआरईपीएस पोर्टल पर उपलब्ध **ऑनलाइन भुगतान विधियों के माध्यम** जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि से भुगतान करने की अनुमति है। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, डिपाजिट रसीद, एफडीआर आदि के माध्यम से मैनुअल भुगतानों की अनुमति नहीं है।
क्रम सं. 01 : निविदा सं. : 4-सीडब्ल्यूएम एलजीडीएस-ईटी-2024-25, दिनांक : 27-04-2024. **कार्य का विवरण** : कैरेज वर्कशॉप, लालागुड़ा, सिकन्दराबाद में क्रमशः ग्रिट/शॉट ब्लास्टिंग प्रक्रिया द्वारा बेर मेटल तक ऑक्सीलेरी रिवायर्जर्स और लॉज कम्पोनेंट्स के साथ आईसीएफ/एलएचबी बोगी फ्रेम्स की सफाई। **अनुमानित मूल्य** : रु. 9,10,36,887.30 (केवल नौ करोड़ दस लाख छत्तीस हजार आठ सौ सतास्सी रुपये तीस पैसे)। **पूर्व धरोहर राशि** : रु. 6,05,200/- (केवल छह लाख पाँच हजार दो सौ रुपये), **पूरा करने की अवधि** : 36 महीने, **बंद होने की तिथि** : 20-05-2024 को 11-00 बजे।
1. वेबसाइट विवरण : www.ireps.gov.in
2. **सूचना बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा के पूर्ण विवरणों को देखा जा सकता है** : मुख्य कार्यशाला प्रबंधक कार्यालय, कैरेज वर्कशॉप, लालागुड़ा, सिकन्दराबाद - 500017.
चीफ वर्कशॉप मैनेजर, सीडब्ल्यूएस, लालागुड़ा, सिकन्दराबाद
निविदा सं. : जीटीएल-ईएम-03 - 2024-25, दिनांक : 26-04-2024
कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत **सीनियर डिवीजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/रखरखाव/गुण्टकल** द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएँ आमंत्रित हैं।
निविदा सं. : जीटीएल-ईएम-03-2024-25, **गुंटकल डिवीज़न : (शेड्यूल-ए)** - प्लेटफार्म नं. 1, 2 एवं 3 कालहस्ती रेलवे स्टेशन पर अलग-अलग स्थानों में सीओपी (बस टाइप) 196एम के प्रावधान हेतु विद्युतीय व्यवस्था, **(शेड्यूल-बी)** - एसी डिपो/ टीपीटीवाई के लिए आरडीएसओ विनिर्देशन के अनुसार अंडर कैपासिटी से हायर कैपेसिटी मोटर यानि 55 केडब्ल्यू/75 एचपी से 75 केडब्ल्यू/100 एचपी के साथ विद्यमान डायनो ड्राइव कन्ट्रोल पैनल का बदलाव। **(शेड्यूल-सी)** : टीटीई रेस्ट हाउस, रेणिगुंटा में एयर कंडीशनिंग सुविधा का प्रावधान एवं अन्य विद्युतीय व्यवस्था। **अनुमानित मूल्य** : रु. 59,41,737.28/-
बंद होने की तिथि एवं समय : 20-05-2024 को 15.00
निविदा की बोली लगाने और अन्य विवरणों के लिए **http://www.ireps.gov.in** को लॉगइन करें। यदि निविदा के लिए कोई शुद्धिपत्र हो तो उसे केवल ऑनलाइन जारी किया जाएगा। निविदा दस्तावेज निविदादाता द्वारा निःशुल्क **http://www.ireps.gov.in** से डाउनलोड किया जा सकता है।
नोट : इस ई-निविदा में भाग लेने/बोली लगाने के लिए निविदादाता के पास वैध डीएससी (डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट) होना चाहिए।
सीनि. डिवीजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, रखरखाव, गुण्टकल

पीयूबी/0391
निविदा सं. : जीटीएल-ईएम-04-2024-25
दिनांक : 26-04-2024
कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत **सीनियर डिवीजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/रखरखाव/गुण्टकल** द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएँ आमंत्रित हैं।
निविदा सं. : जीटीएल-ईएम-04-2024-25. **गुंटकल डिवीजन** : गुंटकल डिवीजन पर ऊर्जा दक्षता एवं हरित ऊर्जा उपायों में वृद्धि एवं सुधार। **अनुमानित मूल्य** : रु. 1,09,41,428.72/-
बंद होने की तिथि एवं समय : 20-05-2024 को 15-00 बजे।
निविदा की बोली लगाने और अन्य विवरणों के लिए **http://www.ireps.gov.in** को लॉगइन करें। यदि निविदा के लिए कोई शुद्धिपत्र हो तो उसे केवल ऑनलाइन जारी किया जाएगा। निविदा दस्तावेज निविदादाता द्वारा निःशुल्क **http://www.ireps.gov.in** से डाउनलोड किया जा सकता है।
नोट : इस ई-निविदा में भाग लेने/बोली लगाने के लिए निविदादाता के पास वैध डीएससी (डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट) होना चाहिए।
सीनि. डिवीजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, रखरखाव, गुण्टकल

भारतीय रेल
रेलवे विद्युतीकरण
www.ireps.gov.in
पीयूबी/0392
निविदा सूचना सं. आरईएससी/ईएल/टीएन/24-25/01, दिनांक : 26-04-2024
कृते एवं भारत संघ के **राष्ट्रपति** की ओर से, मुख्य परियोजना निदेशक, रेलवे विद्युतीकरण, सिकन्दराबाद द्वारा नीचे उल्लेखित कार्यों के लिए (ऑनलाइन) ई-निविदा आमंत्रित है।
क्र.सं. 1. निविदा सं. : आरईएससी-ईएल-ट्रिशेड-24-25-01. कार्य का विवरण : दक्षिण मध्य रेलवे के विभिन्न डिवीज़नों के अन्तर्गत सहायक पीएसआई उपकरणों एवं कंट्रोल रिले पैनल के साथ नांदेड़, सिकन्दराबाद, काचीगुड़ा एवं नल्लापाडु पर प्रत्येक ट्रिप अटेंशन शेड्स में 25 केवी ओएचई के लिए डिजाइन, आपूर्ति स्थापना, परीक्षण एवं प्रारंभ करना। **अनुमानित मूल्य** : रु. 4,16,17,242.28/- **पूर्व धरोहर राशि ऑनलाइन के माध्यम से भुगतान करना होगा** : (रु.) 3,58,100/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य रुपये में एवं वेबसाइट से डाउनलोड** : नगण्य, **पूरा करने की अवधि** : 6 महीने (चार महीने), **निविदा खोलने का स्थान** : सिकन्दराबाद
क्र.सं. 1. विवरण : ई-निविदा (ऑनलाइन) के माध्यम से निविदा बंद होना : दिनांक : 27-05-2024 को 15-00 बजे।
क्र.सं. 2. विवरण : ई-निविदा (ऑनलाइन) के माध्यम से निविदा खोलना : दिनांक : 27-05-2024 को 15-30 बजे।
अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए एवं निविदाओं की प्रस्तुति के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें।
टिप्पणी : निविदा दस्तावेजों में किसी भी प्रकार का संशोधन/शुद्धिपत्र/परिशिष्ट अगर आवश्यक हुआ तो उसे उपरोक्त वेबसाइट पर पोस्ट किया जाएगा।
चीफ प्रोजेक्ट डायरेक्टर, **A0494** रेलवे विद्युतीकरण, सिकन्दराबाद
अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट https://www.ireps.gov.in' या www.scr.indianrailways.gov.in देखें

हताशा के कारण विभाजनकारी नीति अपना रहा है विपक्ष: नड्डा

शिवमोग्गा, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पर विश्वास व्यक्त करते हुए मंगलवार को कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) लोकसभा चुनावों में बहुत आराम से 400 का आंकड़ा पार कर लेगा और इससे विपक्ष हताश है तथा विभाजनकारी नीति अपना रहा है।

श्री नड्डा ने आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के उदाहरणों को विपक्ष के विभाजनकारी एजेंडा के सबूत बताया। उन्होंने धर्म आधारित आरक्षण के खिलाफ बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के रुख का जिक्र करते हुए कहा कि विपक्ष संवैधानिक सिद्धांतों से पीछे हट रहा है।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृढ़ नेतृत्व में, भाजपा-राजग तीव्र गति के साथ आगे बढ़ रहे हैं और 400 से अधिक सीटों के साथ जोरदार जीत हासिल करने के लिए तैयार हैं। इस जबरदस्त वृद्धि ने विपक्ष को असमंजस की स्थिति में ला दिया है, उन्हें गहरी निराशा की भावना में डुबो दिया है, और उन्हें समाज के भीतर कलह पैदा करने वाली विभाजनकारी रणनीति का सहारा लेने के लिए मजबूर कर दिया है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा, उनका घोषणापत्र उनके छिपे हुए एजेंडे का प्रमाण है, जो आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में उनके कार्यों की याद दिलाता है। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने पूरे अधिकार के साथ कहा था, संविधान स्पष्ट रूप से धार्मिक आधार पर आरक्षण पर रोक लगाता है। उन्होंने कांग्रेस पर अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय के प्रति तुष्टीकरण की राजनीति में शामिल होने का आरोप लगाते हुए उसकी आलोचना की।श्री नड्डा ने कहा, कांग्रेस की अल्पसंख्यकों की संकीर्ण परिभाषा के तहत केवल मुसलमान आते हैं, जो विभाजनकारी तुष्टीकरण की राजनीति के प्रति उनकी प्रवृत्ति को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि विपक्ष अपनी घटती लोकप्रियता से निराश होकर अलगाववादी मानसिकता और विभाजनकारी ताकतों से प्रेरित डीपफेक वीडियो के प्रचार सहित हताशापूर्ण उपायों का सहारा ले रहा है। उन्होंने दावा किया कि विपक्ष की हताशा ने उन्हें डीपफेक वीडियो का प्रचार करने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने वीडियो के प्रसार में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की संलिप्तता का आरोप लगाया है।

पहाड़ काटने की सजा भुगतने को मजबूर हैं रामबन के पहाड़ी

जम्मू, 30 अप्रैल (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर के रामबन जिले के परनोट गांव में एक प्राकृतिक त्रासदी हुई है, जहां 74 परिवारों को भगवान की दया पर अपना सामान और घर छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा, बिना यह जाने कि निकट भविष्य में उनके साथ क्या होगा। पहाड़ का छह से सात किलोमीटर लंबा हिस्सा लगातार धंसने से उनके घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जिससे संपत्ति और पारिस्थितिकी को अत्यधिक नुकसान हुआ है। दरअसल वे विकास के नाम पर पहाड़ों के साथ की जाने वाली छेड़छाड़ का परिणाम भुगतने पर मजबूर किए गए हैं।

अधिकारियों के अनुसार, 500 से अधिक सदस्यों वाले 74 परिवार जमीन के धंसने से सीधे प्रभावित हुए हैं और अधिकांश परिवारों को रामबन के मैत्रा क्षेत्र में सामुदायिक हॉल में स्थानांतरित कर दिया गया है और कुछेक को परनोट क्षेत्र में तंबू में सुरक्षित स्थान पर रखा गया है। लेकिन बारिश जारी रहने के कारण ये तंबू क्षतिग्रस्त हो गए और उन लोगों को भी मैत्रा में स्थानांतरित किया जा रहा है। 25 अप्रैल (गुरुवार) को लोगों ने देखा कि उनके घरों में दरारें आ रही हैं और जब उन्होंने पूछताछ शुरू की तो उन्हें पता चला कि पूरा गांव धंस रहा था, जिससे उन्हें सुरक्षित स्थानों की तलाश में जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। रामबन जिला मुख्यालय से जिले के संगलदान और गूल इलाकों का एकमात्र सड़क संपर्क टूट गया और दो टावरों के गिरने के साथ ही उपमंडल गूल की बिजली आपूर्ति भी क्षतिग्रस्त हो गई।

स्थानीय लोगों ने तुरंत जिला प्रशासन को सूचित किया और वे अभूतपूर्व घटना से उत्पन्न स्थिति का आकलन करने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे। अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) रामबन, वरुणजीत चरक, जो स्थिति की देखरेख कर रहे हैं और क्षेत्र में डेरा डाले हुए हैं, ने कहा कि पूरे क्षेत्र को नो-गो जोन घोषित कर दिया गया है और किसी को भी क्षेत्र की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। वे कहते हैं कि स्थिति अभूतपूर्व है और किसी के नियंत्रण में नहीं है। स्थिति से निपटने के लिए राष्ट्रीय आपदा राहत बल (एनडीआरएफ) और केंद्र शासित प्रदेश आपदा राहत बल (यूटीडीआरएफ) की टीमें मौके पर हैं, लेकिन चूंकि क्षेत्र लगातार धंस रहा है, इसलिए क्षतिग्रस्त स्थल पर तत्काल कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती है।

परनोट गांव गूल-संगलदान रोड पर डीसी ऑफिस रामबन से लगभग सात किलोमीटर दूर स्थित है और क्षतिग्रस्त हिस्सा लगभग छह से सात किलोमीटर ऊंचा और दो से तीन किलोमीटर चौड़ा है। जमीन धंसने की शुरुआत नीचे से हुई, जो चिनाब नदी से करीब 50 मीटर दूर है। अधिकारियों के मुताबिक इलाका लगातार धंस रहा है और एक शाम अगर धंसाव 10 मीटर दर्ज किया गया तो अगली सुबह यह 20 मीटर हो जाता है। इस क्षेत्र में न्यूनतम चट्टानों के साथ ढीली मिट्टी है और अंदर पानी भी मौजूद है जिसे अधिकारियों ने भी देखा। नई दिल्ली से आई भूवैज्ञानिक विशेषज्ञों की टीम ने मिट्टी के नमूने लेकर स्थिति का आकलन किया है। एडीसी का कहना था कि टीम द्वारा जल्द ही अपनी रिपोर्ट सौंपने की उम्मीद है और इससे हमें पता चलेगा कि क्षेत्र क्यों धंस रहा है और इसे रोकने के लिए हमें क्या उपाय करने की जरूरत है। भूमि के धंसने के कारण, गूल उप-मंडल तक सड़क संपर्क और बिजली आपूर्ति क्षतिग्रस्त हो गई और तीन दिनों के बाद बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई और हल्के मोटर वाहनों के लिए डिगडोल क्षेत्र से एक सड़क खोल दी गई।

अधिकारी कहते हैं कि भारी वाहनों के लिए, हम आवश्यक वस्तुओं को लाने के लिए रियासी जिले के माहौर क्षेत्र से ट्रकों और अन्य भारी वाहनों को अनुमति देने पर विचार कर रहे हैं। वर्तमान में क्षेत्र में आवश्यक वस्तुओं की कोई कमी नहीं है, लेकिन फिर भी आपूर्ति जल्द ही बहाल कर दी जाएगी। लेकिन चूंकि इलाके में कल रात से भारी बारिश हो रही है, प्रशासन ने लोगों को इलाके से दूर रहने के लिए कहा है और किसी को भी मैत्रा से आगे जाने की इजाजत नहीं दी जा रही है।

कार्टून कॉर्नर

शेयर मार्केट

बीएसई : 74,482.78
-188.50 -0.25% ↓
एनएसई :22,604.85
-38.55 (-0.17%) ↓

श्रीनगर से चुनावी मैदान में उतरे पीडीपी के 'सबसे गरीब' उम्मीदवार

जम्मू, 30 अप्रैल (ब्यूरो)।

श्रीनगर संसदीय क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतरने वाले पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के उम्मीदवार वहीद-उर-रहमान पारा सबसे गरीब उम्मीदवार बताए जा रहे हैं, जबकि वे यूएपीए के तहत अभियुक्त भी हैं जो 19 महीनों तक जेल में रहे हैं। उनके द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, पारा घर की कीमत मात्र 32 लाख रुपए है और मासिक कमाई 40,000 रुपए से अधिक नहीं है। हालांकि, अपनी पार्टी के उनके प्रतिद्वंद्वी मुहम्मद अशरफ मीर पारा से कहीं अधिक अमीर हैं, उनकी कुल संपत्ति लगभग 31 करोड़ रुपए है। पारा ने श्रीनगर में रिटर्निंग ऑफिसर के सामने जो चुनावी हलफनामा दाखिल किया है, उससे पता चलता है कि हिरासत में रहने के कारण वह साल 2020 से 2022 तक कुछ भी नहीं कमा पाए हैं।पारा ने अपने चुनावी हलफनामे में बताया है कि उनके खिलाफ एनआईए जम्मू पुलिस स्टेशन में एफआईआर नंबर 05/2020 और सीआईके श्रीनगर पुलिस स्टेशन में एफआईआर नंबर 31/2020 दर्ज है। जिन धाराओं के तहत पारा पर आरोप लगाए गए हैं उनमें यूएपीए अधिनियम (गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम) की धारा 18, 19, 20, 23, 38, 13, 17, 18, 39, 40, यूएपीए के साथ शस्त्र अधिनियम की धारा 7/25 शामिल हैं। ईएस अधिनियम की धारा 120/बी, 3/04, आईपीसी (भारतीय दंड संहिता) की धारा 121/ए, 124/ए। वे इस मामले में 19 महीने जेल में भी रहे हैं। 2022-23 में उनकी आय 4,51,270 रुपए थी, जबकि 2023-24 में 4,70,310 रुपए थी। उनकी मासिक कमाई महज 39 हजार रुपए से ज्यादा नहीं है। उनके पास एक लाख रुपए नकद हैं। उनके पास कोई बचत या सावधि जमा नहीं है। हालांकि, उनके पास करीब 2 करोड़ रुपए कीमत की पुश्तैनी जमीन है। उनके पास 18 लाख की अचल संपत्ति और पुलवामा में एक पैतृक घर है, जिसकी कीमत 32 लाख रुपए है। इसके अलावा, हलफनामे के अनुसार, उन्होंने इस्लामिक यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आईयूएसटी) से अंतरराष्ट्रीय संबंध (शांति और संघर्ष अध्ययन) में मास्टर डिग्री पूरी की है।

CHANGE OF NAME & DOB
I, No.16111688P Hav Nayab Rasool Shaik, R/o.34-703, Mohan Rao Colony, Balaji Nagar, Vill:Jawahar Nagar, Po:J.J.Nagar Colony, Teh:Kapra, Medchal Malkajgiri Dist that my mother name and DOB is to be changed from **SHARIFA BI**, DOB:**01-07-1962** to **SK SHAREEFA BEE**, DOB: **24-6-1963** vide affidavit dt:30-4-2024 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, No.16111688P Hav Nayab Rasool Shaik, R/o.34-703, Mohan Rao Colony, Balaji Nagar, Vill:Jawahar Nagar, Po:J.J.Nagar Colony, Teh:Kapra, Medchal Malkajgiri Dist that my father name and DOB is to be changed from **CHINNA HUSSAIN SAHEEB**, DOB:**1-7-1957** to **SK CHINNA HUSSAIN**, DOB:**10-5-1961** vide affidavit dt:30-4-2024 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

तृतीय पुण्यतिथि
हमारी पूज्य माँ,
श्रीमती सरस्वती देवी पारीक
-: धर्मपत्नी :-
श्री परमेश्वरलालजी शर्मा
-: गोलोकवास :-
शनिवार, दि. 1-5-2021
छांया मिले आपकी हरदम, सिर पर आपका हाथ हो ।
जीवन के हर मोड़ पर, सदा आपका आशीर्वाद हो ।।
परमपिता परमेश्वर से कोटि-कोटि अरज ।
हमारी माँ हो बंधन मुक्त, मिले मोक्ष सहज ।।
आज तृतीय पुण्यतिथी पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं :
श्यामसुन्दर-शशीकला, जगदीशप्रसाद-प्रभा, गोपाल-कुसुम (पुत्र-वधू)
नीलेश-नित्या, हेमन्त-अनिता, हरीश-मेघा, शैलेश-कोमल,
आनंद-मेघा, यश-अन्तीमा, किशन-नेहा (पौत्र-वधू), महेश (पौत्र),
जय, विराट (पड़पौत्र), सिद्धवी (पड़पोती) एवम् समस्त पारीक परिवार।
फर्म : परमेश्वरलाल श्यामसुन्दर पारीक
21-7-556, कोकरवाड़ी, घाँसीबाजार, हैदराबाद.
फोनः 9885555151, 9848089098, 9000005855
GOPAL COLLECTIONS
Jagdish Complex, Serilingampally, Hyderabad. ☎ : 040-23033289
Hala HALA MOBILITY INDIA PVT. LTD.

तेलंगाना में 10वीं कक्षा के परिणाम घोषित

4,51,272 विद्यार्थी हुए उत्तीर्ण छात्राओं ने फिर मारी बाजी

91.31% विद्यार्थी हुए उत्तीर्ण, 99.05% के साथ निर्मल जिला टॉप पर

पिछले वर्ष के मुकाबले इस बार उत्तीर्ण प्रतिशत 89.60 से बढ़कर 91.31 रहा

3,927 स्कूलों के 100% विद्यार्थी उत्तीर्ण, छह स्कूलों का उत्तीर्ण प्रतिशत शून्य रहा

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार ने 10वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाओं के नतीजे घोषित कर दिए हैं। शिक्षा प्रमुख सचिव बुर्रा वेंकटेशम ने मंगलवार को यहां बशीरबाग स्थित एससीईआरटी कार्यालय में परिणामों की घोषणा की। परीक्षा 18 मार्च से दो अप्रैल तक आयोजित की गयी थी, जिसमें 5,08,385 विद्यार्थी शामिल हुए थे। कुल परीक्षार्थियों में 2,57,952 लड़के और 2,50,433 लड़कियां थीं। जिनमें से कुल 4,51,272 छात्र यानी 91.31 प्रतिशत स्टूडेंट्स पास हुए हैं। कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 91.31 रहा। एक बार फिर, लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया और लड़कों के उत्तीर्ण प्रतिशत दर्ज किया। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष का उत्तीर्ण प्रतिशत 89.60 से बढ़कर 91.31 हो गया।

निर्मल जिला 99.05 प्रतिशत के साथ शीर्ष प्रदर्शनकर्ता के रूप में उभरा। इसके बाद सिद्दीपेट 98.65% के साथ दूसरे और राजन्ना सिरसिला 98.27% के साथ तीसरे स्थान पर रहे। जबकि हैं विकाराबाद जिले में सबसे कम पास प्रतिशत 65.1% दर्ज किया गया।

श्री वेंकटेशम ने परिणाम की पुनर्गणना के लिए 15 दिनों की अवधि की घोषणा की, जिसमें प्रति विषय 500 रुपए का शुल्क लिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, छात्र 1000 रुपए प्रति विषय में अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की प्रतियां प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि 10वीं कक्षा की पूरक परीक्षाएं तेलंगाना में तीन जून से 13 जून तक आयोजित की जायेंगी, परीक्षाएं 09: 30 बजे से 12: 30 बजे तक निर्धारित की गई हैं।

89.42 प्रतिशत की तुलना में 93.23 प्रतिशत उत्तीर्ण किया। जो कि लड़कों के उत्तीर्ण प्रतिशत से 3.81 प्रतिशत अधिक है। विशेष रूप से, 3,927 स्कूलों ने 100 प्रतिशत उत्तीर्ण दर हासिल की, जबकि छह स्कूलों ने शून्य

विजया बैंक के पूर्व प्रबंधक को धोखाधड़ी के मामले में तीन साल का सश्रम कारावास

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केन्द्रीय ब्यूरो (सीबीआई) की एक अदालत ने हैदराबाद में विजया बैंक, नामपल्ली के पूर्व शाखा प्रबंधक वीपी पद्मनाभ को बैंक धोखाधड़ी मामले में दोषी करार देते हुए तीन साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है और 65 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

सीबीआई ने मंगलवार को एक विज्ञप्ति जारी कर बताया कि एजेंसी ने 20 अप्रैल, 2006 को आरोपी पद्मनाभ, तत्कालीन शाखा प्रबंधक और अन्य के खिलाफ जांच लोक सेवक के रूप में अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग करने तथा निजी व्यक्तियों के साथ साजिश रचकर उधारकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत बिक्री समझौते, बिक्री कार्यों, गारंटरों और आय प्रमाणों की वास्तविकता की पुष्टि किए बिना कुल मिलाकर 39.75 लाख रुपए के पांच आवास ऋण स्वीकृत और वितरित करने के संबंध में मामला दर्ज किया था। इसके बाद, इस घोटाले में बैंक को 39.75 लाख रुपए का नुकसान हुआ था। दिसंबर 2006 में पद्मनाभ सहित सभी आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया था।

सुनवाई के बाद, अदालत ने आरोपी को दोषी ठहराया और सजा सुनाई। सीबीआई ने 165 दस्तावेजों, साक्ष्यों का हवाला दिया जिनके आधार पर आरोपियों को दोषी ठहराया गया।

विकाराबाद में फंदे से लटका मिला टीएसआरटीसी ड्राइवर का शव

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

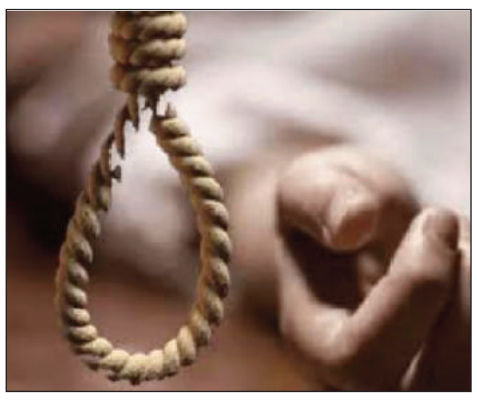

तंदूर डिपो में काम करने वाले एक टीएसआरटीसी ड्राइवर का शव मंगलवार को विकाराबाद जिले के यालाला मंडल के दौलापुर गांव में एक पेड़ से लटका हुआ पाया गया। उसकी पहचान राजप्पा के रूप में की गई।खबरों के मुताबिक राजप्पा ने सुसाइड नोट में कथित तौर पर आत्महत्या के लिए अपने उच्च अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया है। स्थानीय लोगों ने राजप्पा के शव को एक पेड़ से लटका हुआ देखा और पुलिस को सूचित किया, जिसने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए स्थानीय सरकारी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया। पुलिस मामला दर्ज कर आगे की जांच कर रही है।

तेलंगाना में अगले पांच दिन लू चलने के आसार

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के कई जिलों में अलग-अलग स्थानों पर अगले 24 घंटों से लेकर पांच दिन के दौरान लू चलने के आसार हैं।

तेलंगाना के मौसम विज्ञान केंद्र ने मंगलवार को बताया कि निर्मल, निज़ामाबाद, जगित्याल, राजन्ना सिरसिल्ला, करीमनगर, पेद्दापल्ली, मुलुगु, खम्मम, नलगोंडा, सूर्यापेट, महबुबाबाद, मेडक, कामारेड्डी, महबूबनगर, नागरकर्नूल, वानापर्थी जिलों में अगले 24 घंटों के दौरान लू चलने का अनुमान है।

तेलंगाना के पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली, खम्मम, नलगोंडा, सूर्यापेट, महबुबाबाद, वारंगल, हनमकोंडा, महबुबनगर, नागरकुर्नूल, वानापर्थी, नारायणपेट, जोगुलम्बा गडवाल जिले में दो मई को भी लू चलने के आसार हैं।

राज्य के आदिलाबाद, कोमारामभीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल, निज़ामाबाद, जगित्याल, राजन्ना सिरसिल्ला, करीमनगर, पेद्दापल्ली, खम्मम, नलगोंडा, सूर्यापेट, महबुबाबाद, वारंगल, हनमकोंडा जिलों में तीन मई को भी यही स्थिति रहने की संभावना है। राज्य के आदिलाबाद, कोमाराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल, निज़ामाबाद, जगित्याल, राजन्ना सिरसिल्ला, करीमनगर, पेद्दापल्ली, खम्मम, नलगोंडा, सूर्यापेट, महबुबाबाद, वारंगल, हनमकोंडा, सिद्दीपेट, मेडक, कामारेड्डी, महबुबनगर, नगरकुर्नूल जिले के अलग-अलग हिस्सों में चार मई को लू की स्थिति बने रहने का आसार हैं।

तेलंगाना राज्य विकास योजना सोसायटी (टीएसडीपीएस) की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के नलगोंडा जिले के अलग-अलग इलाकों में लू की स्थिति बनी हुई है। इस अवधि के दौरान तेलंगाना में मौसम शुष्क बना रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि सोमवार को निजामाबाद में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 43.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

टीएससीएसबी की त्वरित कार्रवाई से नागरिक के 1 करोड़ रुपए बचाए गए

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एक नागरिक द्वारा उसके बैंक खाते से अनधिकृत लेनदेन की शिकायत पर तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो द्वारा त्वरित कार्रवाई के परिणामस्वरूप 1 करोड़ रुपए से अधिक की पूरी राशि बचाई गई। पीड़ित ने अपने एक्सिस बैंक के चालू खाते से पैसे के हस्तांतरण के बारे में तीन संदेश प्राप्त करने के 12 मिनट के भीतर टीएस साइबर सुरक्षा ब्यूरो (टीएससीएसबी) में साइबर अपराध हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई। टीएससीएसबी की निदेशक शिखा गोयल के

अनुसार, हैदराबाद के नचाराम निवासी हर्ष को शनिवार सुबह उनके बैंक खाते से पैसे ट्रांसफर होने के तीन मैसेज मिले। अनधिकृत हस्तांतरण 1,00,10,005 रुपये का था। उन्होंने तुरंत एक्सिस बैंक को सतर्क किया और साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर भी शिकायत की।

उन्होंने कहा, हेल्पलाइन ने तुरंत सीएफसीएफआरएमएस पोर्टल पर लेनदेन विवरण अपलोड किया। साथ ही एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक को सतर्क किया गया, जिसमें संदिग्ध द्वारा धोखाधड़ी से राशि स्थानांतरित की गई थी और यह सुनिश्चित किया कि राशि रोक दी गई थी

। गोयल ने कहा यह पीड़ित द्वारा 1930 में कीमती समय के भीतर अपराध की रिपोर्ट करने और 1930 के हेल्पलाइन कर्मचारियों द्वारा संबंधित बैंकों को सचेत करने और धोखाधड़ी के पैसे को संदिग्धों के हाथों में जाने से रोकने की त्वरित कार्रवाई का एक उदाहरण है, जिसके परिणामस्वरूप 1 करोड़ रुपए से ऊपर की राशि को बचाया जा सका।

उन्होंने शिकायतकर्ता से मुलाकात की और 12 मिनट के भीतर 1930 तक रिपोर्ट करने के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने 1930 के कर्मचारियों की भी सराहना की जिन्होंने तुरंत कार्रवाई की और यह सुनिश्चित किया कि रिपोर्टिंग के 25 मिनट के भीतर राशि रोक दी गई।

उन्होंने लोगों से किसी भी साइबर धोखाधड़ी की सूचना तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर देने की अपील की।

पुलिस ने खोया मोबाइल फोन पीड़ित को सौंपा

कागजनगर, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कागजनगर के विजया का रियलमी मोबाइल कागजनगर से इसगंव जाते समय रास्ते में गिर गया था। विजया ने इस बाबत पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने फोन को सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से खोजा और पीड़ित को सौंप दिया।

इस अवसर पर इसगांव एसआई रमन कुमार ने कहा कि यदि किसी का मोबाइल खो गया है या चोरी हो गया है तो वह तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराता है, तो मोबाइल का पता लगाने की अधिक संभावना है। उन्होंने इन मोबाइलों को ट्रेस करने के लिए पुलिस कांस्टेबल नईम को विशेष रूप से बधाई दी।

मतदाताओं को मतदान करने के लिए किया गया जागरूक

हनुमाकोंडा, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मेपमा परियोजना अधिकारी और जिला ग्रामीण विकास विभाग के एपीडी ने कहा कि हनुमाकोंडा जिले में शत-प्रतिशत मतदान दर्ज करने के लिए मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। मंगलवार को स्वीप कार्यक्रम के तहत स्वयं सहायता समितियों के सदस्यों, संसाधन व्यक्तियों और शहर के लोगों के साथ काजीपेट, सीआरसी सेंटर से काजीपेट ट्रैफिक जंक्शन तक एक रैली का आयोजन किया गया।

सभी ने अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए नारे लगाए और निष्पक्षता से अपने मताधिकार का प्रयोग करने का संकल्प लिया।

रैली के बाद घर-घर जाकर प्रचार किया गया और महिलाओं को केसर की बूंदें पिलाई गईं। संबंधित मतदान केंद्रों पर अपना वोट डालने, उन्हें मतदान के महत्व और 13 मई को लोकसभा चुनाव के मतदान में भाग लेने और अपने मत का प्रयोग करने के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम में मेपमा डीएसी, एडीएमसी, सीओएस ने भाग लिया।

जगतियाल में एसीबी ने हेड कांस्टेबल को पांच हजार रुपए रिश्वत लेते दबोचा

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने जगतियाल जिले के बीरपुर थाने के एक पुलिस हेड कांस्टेबल को पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

एसीबी सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि जिले में पर्कपल्ली गांव निवासी काटाकम गंगाधर ने अपनी शिकायत में कहा था कि उनके दामाद बाले तिरुपति के खिलाफ नोटिस जारी न करने के लिए हेड कांस्टेबल समल्ला मनोहर ने पांच हजार रुपए रिश्वत की मांगी थी। एसीबी अधिकारियों ने योजनाबद्ध ढंग से जाल बिछाया और समल्ला को रिश्वत की राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से रिश्वत की राशि पांच हजार रुपए बरामद किये गये। आरोपी को करीमनगर के एसपीई और एसीबी मामलों के विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.